रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 182 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.7	24.9
जमशेदपुर	34.1	24.0
डालटनगंज	32.5	24.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

झारखंड की जनता को भाजपा के पांच बड़े वचन

पंचप्रण

21 लाख झारखंडवासियों को पक्का घर, मुफ्त बालू, जल कनेक्शन

घर साकार (5)

₹2000 प्रति माह स्नातक/ स्नातकोत्तर युवाओं को प्रोत्साहन राशि

युवा साथी (1)

लक्ष्मी जोहार (4)

सुनिश्चित रोजगार (2) — नियुक्ति APPOINTED पत्र

₹500 में गैस सिलेंडर साल में 2 सिलेंडर मुफ्त

गोगो दीदी योजना (3)

₹2100 हर महीने

₹25000+ हर साल

सभी महिलाओं को

2.87 लाख सरकारी रिक्त पदों पर भर्ती; **5 लाख** स्वरोजगार सृजन; जॉब कैलेंडर जारी; समय पर नियुक्ति पत्र हस्तांतरण

रोटी बेटी माटी की पुकार
झारखंड में आ रही भाजपा सरकार

भारतीय जनता पार्टी-झारखंड प्रदेश

झारखंड विधानसभाः झामुमो अकेले ही चुनावी जंग में कूदा, कल्पना संग सीएम हेमंत सोरेन ने झोंकी पूरी ताकत

कांग्रेस कर रही खानापूर्ति, कहीं ले न डूबे झामुमो को

संजय सिंह। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव की घोषणा दशहरा बाद कभी हो सकती है. विस चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ इंडी गंठबंधन सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन पत्नी संग लगा रहे हैं जोर.जनहित में सरकार के स्तर पर एक से बढ़ कर योजनाओं की शुरुआत कर लोगों के बीच लगातार पकड़ मजबूत कर रहे हैं. गठबंधन में शामिल वाम दल अपने प्रभाव क्षेत्र में लगातार तैयारी में जुटे हैं और अभियान भी चला रहे हैं. वहीं दूसरी ओर सहयोगी कांग्रेस और राजद की वैसी कोई तैयारी नजर नहीं आती है. ऐसा लगता ही नहीं कि कांग्रेस चुनावी मोड आयी है. पार्टी के नेता राष्ट्रीय पार्टी का हवाला देते हुए ज्यादा से ज्यादा सीटें हथियाने के चक्कर में हैं और पार्टी के दूसरे नेता व कार्यकर्ता पार्टी का सिंबबल हथियान के लिए गेटिंग-सेटिंग में लगे हैं. चुनावी अभियान के नाम संवाद कार्यक्रम तो हुआ, प्रमंडल स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने लोगों से संवाद किया, लेकिन इसमें उतना जोश-खरोश नहीं दिखा, जैसा प्रत्याशी चयन के मकसद से दिल्ली से आयी टीम के सामने नेता-कार्यकर्ताओं की धमाचौकड़ी मची थी.

टिकट के लिए दिल्ली से कश्मीर तक भागाभागी : कांग्रेस के जितने नेता टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं और रांची से दिल्ली होते हुए कश्मीर तक दौड़-भाग कर रहे हैं, उतने नेता यहां फील्ड में किसी तरह की तैयारी करते नहीं दिख रहे हैं. वैसे टिकट के जितने भी दावेदार मिलते हैं, सभी यही कहते हैं फील्ड में उन्होंने ढेरे काम किया है, जनता भी जानती पहचानती है. सभी खुद को जनता से करीब बताते हैं, ऐसे में उन्हें फील्ड में अभी वैसी तैयारी की जरूरत नहीं नजर आती है. वैसे पहले गठबंधन में सीट शेयरिंग पर तो चर्चा हो जाए, कौन-कौन सी सीट पार्टी के खाते में आती है, उसके बाद ही जोर लगाया जाएगा. इंडी गठबंधन सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर झामुमो माइलेज ले रहा है, लेकिन कांग्रेस इसमें भी फिसड्डी साबित हो रही है. कांग्रेस न तो सरकार द्वारा किये कार्यों का श्रेय ही ले पा रही है और दमदार ढंग से चुनाव प्रचार में उतर पा रही है. वहीं दूसरी ओर झारखंड की प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा तो लगातार सरकार पर निशाना साध ही रही है, लेकिन झामुमो भी निशाने पर है, लेकिन उससे भी ज्यादा भाजपा के निशाने पर कांग्रेस ही है. भाजपा तो यहां तक आरोप लगा रही है कि कांग्रेस के कारण ही झामुमो बरबाद हो गया है, लेकिन कांग्रेस के बयानवीर सिर्फ विज्ञप्ति जारी कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री समझ लेते हैं.

एक से बढ़कर एक पात्र, बतौलेबाजी में आगे-आगे : कांग्रेस में सक्रिय कई नेता सिर्फ बतौलेबाजी में ही ज्यादा समय बिता देते हैं. कांग्रेस के बयानवीर को कब किस मुद्दे पर क्या बोलना है, यह भी नहीं पता होता. एक दो प्नवक्ता मुंजनी-शांति जी तो हैं, लेकिन ई दोनों लोग विज्ञप्ति या बयान जारी तो करते हैं, लेकिन लगता ही नहीं कि अपने वरीय ननेताओं से किसी मुद्दे पर बातचीत की हो या चर्चा कर बयान जारी किया हो. ये दोनों महोदय झारखंड के लोकल मुद्दों पर कम नेशनल इश्यु पर ज्यादा बकवास बयानबाजी करते हैं. झारखंड स्तर के मुद्दों पर कुछ बोल ही नहीं पाते. लेकिन ठीक इसके विपरीत झारखंड के प्रमुख विपक्षी दल के प्रवक्ता व नेता लगातार सरकार, कांग्रेस पर हमले करते रहते हैं, लेकिन बचाव में कांग्रेस के प्रवक्ता न तो कुछ बोल ही नहीं पाते और न कुछ स्पष्ट ही कर पाते है. उधर झामुमो या कांग्रेस के नेता या प्रवक्ता जैसे ही विपक्षी भाजपा पर राष्ट्रीय या झारकंड स्तर पर कोई आरोप लगाते हैं, तो विपक्षी भाजपा का मीडिया सेल और इसके प्रवक्ता तत्काल उसका जवाब देकर न सिर्फ काउंटर करते हैं, बल्कि कांग्रेस को कठघरे में खड़ा कर देते. हाल ही में कांग्रेस के ऑब्जर्बर झारखंड के अलग-अलग इलाकों का दौरा कर टिकट के दावेदारों से मिल रहे थे, लेकिन कांग्रेस के प्रवक्ता इसके बारी में सटीक जानकारी भी नहीं दे पा रहे थे. पूछने पर कहते थे- हम का करें, देखिए न वहां का एगो नेता का नंबर देते हैं, उसी से बात कर लीजिए न भैया. हमलोगों को यहां कोई कुछों फीडबैक नहीं देता है. वहीं एक प्रवक्ता तो साथ-साथ गूम रहे थे, लेकिन पार्टी की गतिविधयों को प्रचार प्रसाद कर माइलेज लेने में तनिक भी दिलचस्पी न थी. ऐसा लता था महोदय ऑब्जर्बर लोगों के साथ पिकनिक मानने निकले हो.

प्रभारी मीर का प्रचार करने और बधाई देने पहुंच गये : कांग्रेस में टिकट की दौड़ में शामिल नेताओं की हाल ही में कांग्रेस ने दो मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किए हैं. संजय पांडेय जी ने युवा कांग्रेस से राजनीति शुरू की. प्रदेश युवा कांग्रेस में जिम्मेवारी संभाली, रांची नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे, लेकिन उसके बाद काफी दिनों तक सक्रिय राजनीति से दूर रहे. यानि सुसुप्तावस्था में चले गये थे. लेकिन गेटिंग-सेटिंग में माहिर पांडेय अचानक अवतरित हुए और सीधे मुख्य प्रवक्ता बना दिए गए गए. उधर दूसरे मुख्य प्रवक्ता लालकिशोर नाथ शाहदेव हैं. ये उसी तीन मुड़िया कमेटी के सदस्य रहे हैं, जिन्होंने तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के खिलाफ मोर्चा खोला था. इन्हें वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अगुवाई वाली अनुसासन समिति ने शो-कॉज जारी किया था, लेकिन इन्होंने न जवाब दिया था और न अनुशासन समिति के समक्ष अपना पक्ष ही रखने गये थे. बाद में तीन मुड़िया फेमिली के दो अन्य सदस्यों आलोक दुबे व डॉ राजेश गुप्ता छोटू के साथ इन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया था. जिन्हें अनुशासन तोड़ने के आरोप में निलंबित किया गया था, अचानक मीर कृपा से उनका निलंबन वापस हुआ और शाहदेव मुख्य प्रवक्ता नियुक्त कर दिए गए. दुबे हटिया से टिकट की भी दावेदारी कर रहे हैं, जबकि राजेश गुप्ता छोटू रांची से चुनाव लड़ना चाहते हैं. शाहदेव भी हटिया से दावा ठोके हैं, लेकिन अईसेही. सीरियस नहीं हैं.

ये देखिए...मीर को बधाई देने कश्मीर पहुंचे कमलेश व अन्य नेता

अजब कांग्रेस की गजब दास्तान

जिसे अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित किया था, उसे ही सौंपी जिम्मेवारी

फील्ड में जमीन ही तैयार नहीं, टिकट के लिए हांफ रहे हैं...

एक-एक सीट से दर्जन-दो दर्जन नेताओं की दावेदारी सामने आयी. नेता मोटी-मोटी फाइल लिए ऑब्जर्बर के सामने प्रस्तुत होते रहे, दावा ठोंकते रहे, खुद को सबसे बेहतर बताते रहे. टिकट के दावेदारों में ऐसे कई चेहरे सामने आये, जिन्हें खुद ही उनकी पार्टी के ही दूसरे नेता-कार्यकर्ता पहचानते तक नहीं. वैसे कई ऐसे नेता भी दिखे, जो हैं तो काफी पुराने, लेकिन कांग्रेसी साथियों के लुर-लक्षण के कारण पार्टी की गतिविधियों से खुद को किनारे कर लिया है. कभी कभार किसी कार्यक्रम में दिख गए, तो बहुत है. उनको इस बात का मलाल है कि न पार्टी पहले जैसी रही और न पहले की तरह नेता-कार्यकर्ता. पार्टी में तो नेताओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपनी पार्टी के ही बाहर से आये नेताओं को मुर्गा बना कर काटने के चक्कर में लगा रहता है. ऐसे नेताओं को जमघट श्रद्धानंद रोड स्थित पार्टी के दफ्तर में दिख जाता है. यहां सालो भर बरामदा समिति आबादी रहती है. बतौलेबाजी, अपनी पार्टी के बड़े नेताओं की छीछालेदर तक करते रहते हैं. किसी को भी भ्रष्ट की उपाधि सेंकेंड भर में दे देते हैं.

दो-दो मुख्य प्रवक्ता रहते हैं स्विच ऑफ

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने दो नेताओं संजय पांडेय और लालकिशोर नाथ शाहदेव को मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी है. अब देखिए दोनों मुख्य प्रवक्ता का हाल. संजय पांडेय जी के मोबाइल पर रिंग करते रहिए, उठाएंगे ही नहीं. शाहदेव साहब तो राजा साहब ही हैं, उनका मोबाइल स्विच ऑफ. एक आदरणीय राकेश सिन्हा जी भी हैं. इनका मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला. बाद में वाट्स ऐप कॉल पर बात हो सकी. संतीश पाल मुंजनी और सोनल शांति रूटीन की विज्ञप्ति जारी कर देते हैं. इनका पार्टी के नेताओं से कोई तालमेल हीं नहीं. ऐसे चल रहा कांग्रेस का मीडिया सेल.

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षाः हाईकोर्ट पहुंची जनहित याचिका, परीक्षा रद्द करने की मांग

विनित आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा 21 और 22 सितंबर, 2024 को आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता (सीजीएल) परीक्षा को लेकर गंभीर आरोप लग रहे हैं. परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली होने के आरोप में एक जनहित याचिका झारखंड उच्च न्यायालय में दायर की गई है. याचिकाकर्ता प्रकाश कुमार ने आरोप लगाया है कि परीक्षा में व्यापक धांधली हुई है और उनके पास इस बात के ठोस प्रमाण हैं. याचिका में परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने, सीबीआई जांच शुरू करने या फिर उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक समिति द्वारा मामले की जांच करने की मांग की गई है. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में तर्क दिया है कि परीक्षा में धांधली के व्यापक प्रमाण मौजूद हैं, जिससे परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठते हैं.

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएसी) द्वारा आयोजित यह महत्वपूर्ण परीक्षा राज्य के 823 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी. इसमें झारखंड और आसपास के राज्यों के लगभग तीन लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे. परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए सरकार ने दो दिनों तक राज्य में इंटरनेट सेवाएं भी बंद रखी थीं.

हालांकि, परीक्षा के बाद से ही व्यापक धांधली के आरोप लग रहे हैं. विपक्षी राजनीतिक दलों और छात्र संगठनों ने लगातार परीक्षा में धांधली होने की शिकायत की है. इससे जुड़े कई छात्र संगठनों ने जेएसएससी कार्यालय का घेराव किया था. इसके बाद, कुछ छात्रों के खिलाफ थाने में नामजद प्राथमिकी भी दर्ज की गई है.

याचिका में उठाए गए मुख्य बिंदु

- धांधली के आरोपः याचिका में धांधली के आरोप लगाए गए हैं.
- रद्द करने की मांगः याचिका में परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने की मांग की गई है.
- निष्पक्षता पर सवालः याचिका में परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं.

झारखंड के आजमीन-ए-हज को 21 तक जमा करनी है अग्रिम राशि

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य से हज 2025 में जाने वाले आजमीनों को 21 अक्टूबर तक हज यात्रा की अग्रिम हज राशि 1.30,300 लाख रुपये जमा करना है. राशि जमा करने के लिये हज कमेटी ऑफ इंडिया का पे-स्लिप एवं बैंक रिफरेंस नंबर का इस्तेमाल करना अनिवार्या है. यह राशि हज कमेटी ऑफ इंडिया मुंबई के खाते में जमा करना होगा. झारखंड से वर्ष 2025 में जाने वाले आजमीन ए हज से कहा गया है कि राशि जमा करने के बाद हज संबंधित दस्तावेज भी जमा करें. हज कमेटी कार्यपालक पदाधिकारी आफताब अहमद ने कहा कि हज से संबंधित दस्तावेद झारखंड राज्य हज समिति के कार्यालय में जमा किये जायेंगे. 23 अक्टूबर की संध्या 4 बजे तक दस्तावेज जमा करने हैं. आजमीन ए हज को समय का ख्याल करते हुए अपने हज संबंधित दस्तावेजों को जमा कर देना है. ताकि आगे की कार्यवाई समय के अनुसार पूरी की जा सके.

आजमीन-ए-हज को दस्तावेज में ये देना है

हज आवेदन पत्र, गंभीर घोषणा व वचनबद्धता, जमा भुगता पर्ची, ऑनलाईन रसीद की एक प्रति, मेडिकल स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, वेबसाइट हज कमेटी उपलब्धता प्ररूप के अनुसार पासपोर्ट की सत्यापित प्रति देना है.

तमाड़िया जाति के हैं, नौकरी पाने के लिए दिया था मुंडा जाति का प्रमाण पत्र

जेपीएससी सेकेंड बैच के अफसर को गलत जाति प्रमाण पत्र देना पड़ा महंगा, हो गए बर्खास्त

प्रमुख संवाददाता। रांची

जेपीएससी सेकेंड बैच के अफसर कानू राम नाग को गलत जाति प्रमाण पत्र देना महंगा पड़ गया है. गलत जाति प्रमाण पत्र देकर नौकरी पाने के मामले में राज्य सरकार ने कानू राम नाग को बर्खास्त कर दिया है. कार्मिक ने इसका आदेश भी जारी कर दिया है. नाग ने सेकेंड जेपीएससी में मुंडा जाति का प्रमाण पत्र देकर नौकरी हासिल की थी. जबकि वे तमाड़िया जाति से हैं. तमाड़िया अत्यंत पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में आता है.

जाति छानबीन समिति के रिपोर्ट के कारण हुए थे निलंबन मुक्त : जाति छानबीन समिति का प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया था कि तमाड़िया को मुंडा उपजाति के रूप में होने का प्रमाण है. इस कारण कानू राम नाग तमाड़िया जाति का सदस्य होने के नाते मुंडा जनजाति की अर्हता रखते हैं. इस आधार पर कानू राम नाग को निलंबन मुक्त भी किया गया.

इसके बाद फिर हुई समीक्षा : इसके बाद सरकार ने फिर से इसकी समीक्षा की. विभागीय समीक्षा में पाया गया कि मुंडा की अनेक उपजातियों में से संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश-1950 के तहत मुंडा एवं महली क्रमांक-24 एवं 22 पर अनुसूचित जनजाति के रूप में घोषित है. वर्ष 2003 में मुंडा के बाद पातर को सम्मिलित किया गया है. मुंडा की अन्य उपजातियों, जो सूची में सूचीबद्ध नहीं है, वह संविधान के अनुसार अनुसूचित जनजाति नहीं है. वहीं यह भी स्पष्ट किया गया कि सेकेंड जेपीएससी परीक्षा के अधिसूचना प्रकाशन एवं राज्य सरकार में नाग के योगदान तिथि तक तमाड़िया जाति अनुचित जनजाति के सूची में शामिल नहीं है. उनके द्वारा फर्जी तरीके से इसे मुंडा जाति के उपजाति बता कर अनुचित जनजाति का प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है. कानू राम नाग पलामू में उप निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

मुख्य सचिव, ईडी, सीबीआइ सहित सभी जांच एजेंसियों को लिखा पत्र

चंद्रप्रकाश चौधरी ने पथ विभाग पर लगाया 106.69 करोड़ के टेंडर घोटाला का आरोप

प्रमुख संवाददाता। रांची

गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने पथ निर्माण विभाग में 106.69 करोड़ के टेंडर घोटाले का आरोप लगाया है. उन्होंने टेंडर में बरती गई अनियमतता की कॉपी भी उपलब्ध कराई है. इस मामले को उन्होंने मुख्य सचिव, ईडी, सीबीआई सहित सभी जांच एजेंसियों को पत्र लिखा है. मुख्य सचिव सहित जांच एजेंसियों को लिखे पत्र में कहा है कि वर्तमान में राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग के द्वारा आमंत्रित व आबंटित निविदाओं में अनियमितता बरती जा रही है. इससे सरकार को वित्तीय क्षति हो रही है. विभाग के पदाधिकारियों द्वारा कई निविदाओं में बीओक्यू राशि से ज़्यादा राशि पर कुछ विशेष प्रतिभागी निवेदाकारों को लाभ पहुंचाने के लिए निविदा कार्यों का निस्तारण व आवंटन किया जा रहा है. जिन निविदाकारों के पक्ष में निविदा कार्यों का आवंटन किया गया है उनमे से अधिकतर निविदाकार की न्यूनतम निविदा राशि उस निविदा कार्य के बीओक्यू राशि से अधिक है.

निविदा की भावनाओं के खिलाफ़ हुआ काम : कई निविदाकार जो पथ निर्माण विभाग के तहत समुचित श्रेणी में निबंधित है तथा निविदा आमंत्रण व एसबीडी द्वारा निर्धारित सभी शर्तों व अहर्ताओं को पूर्ण करते है और बीडिंग की प्रक्रिया में शामिल भी हुई हैं, जिनका न्यूनतम निविदित राशि आमंत्रित निविदा के बीओक्यू राशि से भी कम है, उनके पक्ष में निविदा का निस्तारण नहीं किया जा रहा है. इन निविदाकारों की निविदाओं को जान बूझ कर नॉन रेस्पोंसिव घोषित कर एवं बिना उनका पक्ष सुने निरस्त कर दिया जा रहा है.

इन कंपनियों को बीओक्यू की राशि से अधिक का मिला काम

- राजवीर कंस्ट्रक्शन प्रालि. को गोड्डा में 74 करोड़ 81 लाख का काम मिला
- जय माता दी कंस्ट्रक्शन को 30 करोड़ 90 लाख का काम मिला है
- गंगा कंस्ट्रक्शन को 134 करोड़ में काम आवंटित किया गया है
- एडी इंफ्रा को 29 करोड़ 48 लाख में काम आवंटन किया गया है
- राजवीर कंस्ट्रक्शन को दुमका में मिला 89 करोड़ 99 लाख में काम दिया गया है
- मिनी कंस्ट्रक्शन को 50 करोड़ 31 लाख में काम आवंटित किया गया है.
- ड्राइपल को जमशेदपुर में 252 करोड़ में काम आवंटित किया गया है.
- एसआरई एंड एएसएसओ को रांची में 105 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- स्वर्णिम कंस्ट्रक्शन को रामगढ़ में 17 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- पूजा हमिंग वर्ड डीसी नाम की कंपनी को लातेहार में 67 करोड़ का काम मिला है
- चित्रा कंस्ट्रक्शन को विभाग ने 15 करोड़ का काम दिया है
- एसआरई एंड एएसएसओ को रांची में 169 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- भारत वाणिज्य ईस्टर्न प्रा.लि. को 267 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- मोहनलाल जैन को दुमका में मिला 43 करोड़ का काम आवंटित किया गया है.
- वेलजी रतन सोरथिया इन्फ्रा प्रा. लि. को साहिबगंज में 41 करोड़ का काम आवंटित किया गया है
- एसआरएमवी कंस्ट्रक्शन को लोहरदगा में मिला है 68 करोड़ का काम आवंटित किया गया है.

रक्षा राज्यमंत्री के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार की मुहर

ईएसआईसी रांची में खोलेगा मेडिकल कॉलेज

प्रमुख संवाददाता. रांची

ईएसआईसी रांची में मेडिकल कॉलेज खोलेगा. इसकी घोषणा बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं नियोजन मंत्री मनसुख भाई मंडवीय ने की. बताते चलें कि संजय सेठ ने रक्षा राज्य मंत्री बनने के तुरंत बाद नई दिल्ली में इस मामले पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडवीय से मुलाकात की थी. इस मुलाकात के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने उन्हें बताया था कि रांची में ईएसआईसी का एक अस्पताल है, जिसे बड़ा रूप दिए जाने की आवश्यकता है.

रक्षा राज्य मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को प्रस्ताव पर भी विचार करने का आग्रह किया था. इसी आलोक में केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में ईएसआईसी के 194वें बैठक में कई घोषणा की है. जिसमें रांची में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा भी शामिल है.

संजय सेठ ने पीएम के प्रति आभार जताया

इस घोषणा के बाद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया है. सेठ ने कहा कि मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है. मैंने आज से 3 महीने पहले केंद्रीय मंत्री मनसुख भाई मांडवीया को यह सुझाव दिया और अब उसका परिणाम ही सामने आ गया है. रांची में एक और मेडिकल कॉलेज खोलने से जहां मेडिकल के विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई आसान हो सकेगी. उन्हें कई अत्याधुनिक सुविधा और प्रशिक्षण मिल सकेगा, वहीं इस क्षेत्र की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे.

मेडिकल कॉलेज खोलने से संबंधित

जांच करना सीआईडी और झारखंड पुलिस के बस की बात नहीं

ऊर्जा उत्पादन निगम की फर्जी निकासी की जांच करे ईडीः बाबूलाल

- 500 करोड़ से अधिक का हुआ है घोटाला

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि ऊर्जा उत्पादन निगम में हुए फर्जी निकासी की जांच ईडी से कराई जानी चाहिए. उन्होंने ईडी से आग्रह किया है कि इस मामले को हाथ में लेकर तुरंत जांच शुरू करे. झारखंड ऊर्जा उत्पाद निगम लिमिटेड के खाते से 109 करोड़ रुपए की फर्जी निकासी सोची समझी साजिश और गंभीर आर्थिक अपराध है.

सुनियोजित तरीके से दिया गया भ्रष्टाचार को अंजाम : बाबूलाल ने कहा है कि बैंक कर्मियों और अधिकारियों के साथ मिल कर भ्रष्टाचारियों ने बड़े पैमाने पर बिजली विभाग में सुनियोजित तरीके से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है. यह झारखंड में कोई नया मामला नहीं है, इससे पहले भी मिड-डे मील योजना में ठीक इसी तरह का घोटाला सामने आ चुका है. उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा है कि अनौपचारिक रूप से अधिकारियों से हुई बातचीत से यह पता चल रहा है कि क़रीब 500 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी संपत्ति का गबन किये जाने की संभावना है, जो राज्य सरकार की भ्रष्ट नीतियों और लचर प्रशासन का परिणाम है.

बैंक अधिकारी, कर्मचारी और दूसरे राज्य के लोगों की भी सांठगांठ : बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पूरी घटना को क्रमबद्ध तरीके से देखें तो यह बात स्पष्ट होती है कि झारखंड के दूसरे विभागों में भी इस तरह की घोटाले हुए होंगे जो सामने आने बाकी हैं. इसमें बैंक अधिकारी, कर्मचारी तथा दूसरे राज्य के लोग भी मिले हुए हैं. इसलिए इसकी जांच सीआईडी या झारखंड पुलिस के बस की बात नहीं है. सीएम से कहा है कि विभाग के मंत्री होने के नाते अपनी जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकते. इस मामले की तुरंत सीबीआई से जांच नहीं कराई गई, तो यह स्पष्ट होगा कि सरकार खुद इस घोटाले को दबाने और दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है. बिना विलंब किए इस मामले की जांच सीबीआई को हस्तांतरित करें, ताकि घोटाले और घोटालेबाजों के साथ इस षड्यंत्र में शामिल लोगों का खुलासा हो सके. यह भी साफ़ पता चल रहा है कि ये मनी लॉंड्रिंग का भी मामला है.

सीआइडी जांच कराने का नाटक कर रही सरकार : कुछ अधिकारियों पर केस दर्ज करा के राज्य सरकार मामले को सीआईडी जांच करने का नाटक कर रही है. हेमंत सरकार में सीआईडी जांच की विश्वसनीयता हमेशा शक- सवालों के घेरे में रही है. सीआईडी जांच करा के सरकार क्या बड़ी मछलियों को बचाने का प्रयास कर रही है. अरबों रुपए की धोखाधड़ी एवं इसके तार दूसरे राज्यों से जुड़े होने के उद्भेदन के लिए राज्य सरकार अविलंब उक्त मामले की जांच सीबीआई को सौंपे.

झामुमो कार्यकर्ता फर्जी छात्र बन सीजीएल परिणाम जारी करने की कर रहे मांग

रांची। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झामुमो पर आरोप लगाया है. कहा है कि जेएमएम के कार्यकर्ता फर्जी छात्र बन कर जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा का परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं. उन्होंने ट्वीट में लिखा है कि लगभग सात लाख अभ्यर्थियों ने जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा दी है. उनमें से हर कोई यही चाहता है कि पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच हो. जिन छात्रों ने परीक्षा दी है, वे चाहते हैं कि परीक्षा रद्द हो. जिन्होंने कभी जेएसएससी का फॉर्म तक नहीं भरा और कभी परीक्षा नहीं दी, वे चाहते हैं कि इसका रिजल्ट घोषित हो! झामुमो कार्यकर्ता 7 लाख छात्रों को बदनाम करने का षडयंत्र कर रहे हैं. झारखंड के युवा इस साजिश का करारा जवाब देंगे.

पुलिस ने दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा के लिए कर्मियों की छुट्टियां रद्द कीं

संवाददाता। रांची

झारखंड में दुर्गा पूजा पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य भर के सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां आठ अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं. यह निर्णय राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के निर्देश पर लिया गया है. तीन अक्टूबर से शुरू हुए शारदीय नवरात्रि के दौरान, राज्य भर में बड़े पैमाने पर दुर्गा पूजा पंडाल लगते हैं और भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा पंडाल देखने घरों से निकलते हैं. बढ़ती भीड़ और पूजा के दौरान होने वाली गतिविधियों को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने यह कदम उठाया है. इस कदम का उद्देश्य पूजा के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखना है, और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकना है.

अवकाश की विशेष व्यवस्था : हालांकि, सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं, लेकिन आपातकालीन परिस्थितियों के लिए एक विशेष व्यवस्था भी की गई है. इमरजेंसी स्थितियों से निपटने के लिए पुलिस कर्मियों को तैयार रखा जाएगा. इसमें पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शामिल किया गया है. विशेष परिस्थितियों में संबंधित एसपी, डीआईजी और आईजी छुट्टियां स्वीकृत कर सकते हैं. इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपातकालीन प्रतिक्रिया तत्पर रहे.

झारखंड पुलिस दुर्गा पूजा के दौरान राज्य की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही है. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी और विभिन्न गतिविधियों के कारण होने वाली संभावित चुनौतियों के मद्देनजर, यह कदम उठाया गया है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

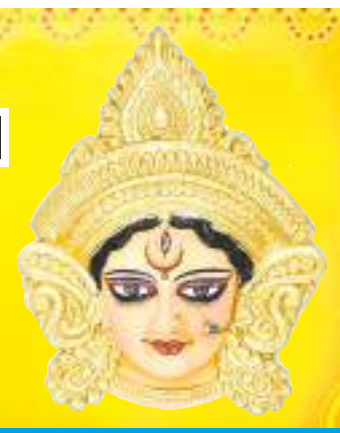

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 182 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नवरात्र आठवां दिन

मां महागौरी की उपासना

श्वेते वृषे समारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव-प्रमोद दा॥

शंख सदृश पूर्णतः गौर वर्णवाली माता महागौरी श्वेत वृषभ पर आरूढ़ हैं, इन्हें वृषारूढा कहा गया. इनके आभूषण और वस्त्र श्वेत हैं. इन्हें श्वेतांबरा भी कहा गया. इनकी चार भुजाएं हैं, जिनमें अभय मुद्रा, त्रिशूल, डमरू और वर मुद्रा धारण करती हैं. शिव के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की. इससे इनका शरीर काला पड़ गया, परन्तु शिव ने इनके शरीर को गंगा जल से धोकर कान्तिमय बना दिया. इनका रूप गौरांग हो गया. इसीलिए महागौरी कहलाईं. नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा का विधान है. नवरात्र के आठवें दिन भगवती दुर्गा के आठवें विग्रह के रूप में महागौरी की उपासना का विधान है. जगदंबा महागौरी अमोघ फलदायिनी हैं और इनकी पूजा से भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं. पूर्वसंचित पाप भी नष्ट हो जाते हैं. महागौरी का पूजन-अर्चन, उपासना-आराधना कल्याणकारी है. इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियां भी प्राप्त होती हैं.- **डॉ. विनय कुमार पाण्डेय**

दुर्गापूजा की खुशी पर भारी पड़ी महंगाई : रिजर्व बैंक ने नहीं किया रेपो रेट में कोई बदलाव

दाल-आटे में लगी आग, होम लोन ईएमआई में कमी नहीं

एजेंसियां। मुंबई

दुर्गापूजा-दिवाली जैसे त्योहारों की खुशी पर महंगाई की मार भारी पड़ रही है. इन त्योहारों में एक तरफ रोजमर्रा के उपयोग की सभी वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि से लोग परेशान हैं, तो उधर रिजर्व बैंक ने भी लगातार दसवीं बार रेपो रेट की दरों में कोई परिवर्तन न कर यह बता दिया है कि अभी होम लोन की बढ़ी दरों से छुटकारा मिलने की कोई संभावना नहीं है. रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने यह निर्णय मिडिल ईस्ट में युद्ध जैसी स्थिति और महंगाई को ध्यान में रखते हुए लिया है.

पेट भरने में जा रहा वेतन : इस समय सब्जी-दाल से लेकर तेल-मसाले तक हर वस्तु की कीमत बहुत ऊंची बनी हुई है. आलू का नया सीजन आ गया है, लेकिन कीमतों में कोई कमी नहीं है. इसकी कीमतें अभी भी 30 से 40 रुपए किलो पर बनी हुई हैं. दाल भी 160-180 रुपए प्रति किलो पर बनी हुई है. आटा बढ़ कर 35 से 40 रुपए किलो हो गया है. यानी आम लोगों के लिए अपनी थाली में भोजन जुगाड़ भी भारी पड़ रहा. लोगों की कमाई पेट भरने में जा रही. वे बचत नहीं कर पा रहे हैं.

इस बीच, आरबीआई ने लोन लेने वालों का ध्यान में रखते हुए फ्लोटिंग रेट वाले टर्म लोन के बंद करने पर फोरक्लोजर चार्जेज पेनल्टी को खत्म कर दिया है. बैंक या एनबीएफसी लोन लेने वाले कस्टमर्स से फ्लोटिंग रेट वाले लोन को बंद करने पर पेनल्टी या क्लोजर चार्ज नहीं वसूल सकेंगे.

होम लोन से छुटकारा नहीं

बढ़ती महंगाई पर लगाम लगाने के लिए रिजर्व बैंक ने फरवरी 2023 में रेपो दरों में लगातार वृद्धि करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर कर दिया था. तभी से लोगों की ईएमआई बढ़ गई है. अलग-अलग होम लोन की राशि के अनुसार लोगों को हर महीने दो हजार से दस हजार रुपए अतिरिक्त चुकाना पड़ रहा है. सभी होम लोन देने वाले बैंकों ने या तो लोगों की प्रति माह जाने वाली ईएमआई बढ़ा दी है, या उसी दर पर कर्ज की समय सीमा 20 साल से बढ़ा कर 25 या 27 साल कर दिया है. यानी अब इसी दर पर उन्हें लगभग अपने पूरे जीवन भर बैंकों की ईएमआई भरनी पड़ेगी.

महंगाई में कमी आने की संभावना नहीं

कर्जदार लोगों को महंगी ईएमआई से छुटकारा तभी मिल सकता है, जब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो दरों में कमी करे और उपभोक्ता बैंक लोगों को ब्याज दरों में छूट दे. जिस तरह इजराइल-ईरान के संकट को देखते हुए महंगाई में कमी आने की संभावना नहीं है, माना जा रहा है कि महंगाई को कंट्रोल में रखने के लिए आरबीआई रेपो दरों को इसी तरह ऊंचा बना कर रखेगा. लेकिन इसका नुकसान आम उपभोक्ताओं को उठाना पड़ेगा.

हर तरह के वाहनों की बिक्री में बड़ी गिरावट

लगातार न्यूज नेटवर्क

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत में सितंबर महीने में ऑटोमोबाइल (कॉमर्शियल वाहन) की बिक्री में 9.26 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है. यह गिरावट गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे प्रमुख त्योहारों के बावजूद देखने को मिली है, जो आमतौर पर ऑटोमोबाइल की बिक्री को बढ़ावा देते हैं.

वाहनों की बिक्री में कमी की तीन वजहें बतायी जा रही है. पहली उच्च ब्याज दरें- बढ़ती ब्याज दरों के कारण वाहन खरीदना महंगा हो गया है, जिससे मांग प्रभावित हुई है. दूसरी महंगाई- बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की आय पर दबाव बढ़ा है, जिससे लोगों की खरीद क्षमता कम हुई है. तीसरी अर्थव्यवस्था की मंदी - वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था की मंदी का भी भारत पर असर पड़ा है, जिससे कारोबार और रोजगार पर असर पड़ा है.

डीलरों पर बढ़ा दबाव : यात्री वाहन डीलरों के पास वर्तमान में 80-85 दिनों के लिए पर्याप्त स्टॉक पड़ा हुआ है, जिसका मूल्य लगभग 79,000 करोड़ रुपये है. इतने बड़े स्टॉक के कारण डीलरों पर वित्तीय दबाव बढ़ गया है. सामान्य स्थिति में स्टॉक 30 दिन तक का होना चाहिए.

सभी श्रेणियों में गिरावट

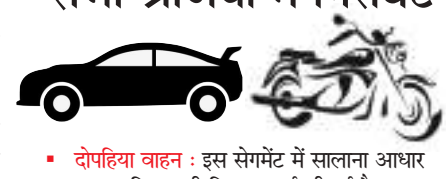

- **दोपहिया वाहन :** इस सेगमेंट में सालाना आधार पर 8.51 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.
- **यात्री वाहन :** यात्री वाहनों की बिक्री में सबसे अधिक गिरावट देखी गई है. इस सेगमेंट में सालाना आधार पर 18.81 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है.
- **कॉमर्शियल वाहन :** कॉमर्शियल वाहनों की बिक्री में भी 10.45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है.

भाजपा की गोगो दीदी के जवाब में अब झामुमो सम्मान योजना

पहले 1000, फिर 2100 अब सीधे 2500 रुपये देने की तैयारी

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में भाजपा की गोगो दीदी सम्मान योजना का जवाब झामुमो सम्मान योजना से देने की तैयारी है. भाजपा जहां हर महीने 2100 रुपए देने की बात कह रही है, वहीं अब झामुमो हर महीने 2500 रुपए देगा. झामुमो ने इसके लिए विधिवत्त रूप से फार्म छपवा कर इसे भरवाए जाने की अनुमति इलेक्शन कमीशन से मांगी है.

पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को राज्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार से मिला. इस मौके पर जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम, हेमलाल मेहता आदि मौजूद थे. कुल मिला कर झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले झामुमो और भाजपा में पैसे बांटने वाली योजनाओं की होड़ लग गई है. हेमंत सरकार ने चुनाव से पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का मास्टर कार्ड खेला. इस योजना के तहत 18 से 50 साल तक की महिलाओं के महीने में एक हजार और साल में 12 हजार रुपए दिये जा रहे हैं. मंईयां सम्मान योजना की सफलता को देख कर बीजेपी में खलबली मच गई. आनन-फानन में उसने दीदी गोगो योजना का दांव खेल दिया. भाजपा ने घोषणा की कि चुनाव के बाद पार्टी की सरकार आती है, तो महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना से 1100 रुपए अधिक यानी 2100 रुपए हर महीने दिये जाएंगे. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई नेता कैंप लगा कर महिलाओं से इस योजना का फॉर्म भी भरवा रहे हैं. अब वापस झामुमो भाजपा के नहले पर दहला का दांव खेलते हुए झामुमो सम्मान योजना शुरू करने जा रही है. इसके तहत महिलाओं को हर महीने 2500 और साल में 30000 रुपए देने की घोषणा की है. - **शेष पेज 11 पर**

झामुमो ने चुनाव आयोग को ही उलझा दिया

झामुमो पहुंचा चुनाव आयोग, कहा-भाजपा को रोकें अन्यथा हमें भी अनुमति दी जाए

झारखंड में बीजेपी की दीदी गोगो योजना को लेकर फार्म भरवाये जाने का झामुमो ने विरोध किया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इसे गलत बताते हुए सभी जिलों को डीसी को निर्देश दिया है, साथ ही चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की मांग की है. चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं होने पर अब झामुमो भी खुल कर मैदान में उतर गया है. झामुमो ने निर्वाचन आयोग से कहा कि अगर बीजेपी द्वारा जारी फॉर्म **"गोगो दीदी योजना"** आपके दिशा-निर्देश के विरुद्ध नहीं है तो हमें भी "झामुमो सम्मान योजना" लागू करने की अनुमति दी जाए. इसको लेकर निर्वाचन आयोग की उलझनें बढ़ गई हैं.

हरियाणा में हार पर कांग्रेस की बयानबाजी पर भड़का चुनाव आयोग, कहा

ये बोलने की आजादी का दुरूपयोग

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिख कर बताया-ऐसा पहले कभी नहीं हुआ

एजेंसियां। नयी दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जाने के बाद मंगलवार को कांग्रेस ने इसे सिरे से नकार दिया था. राज्य में अपनी हार के बाद कांग्रेस का कहना था कि वे चुनाव के नतीजों को स्वीकार नहीं करेंगे. अब कांग्रेस के इस बयान पर चुनाव आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखी है.

अपनी चिट्ठी में चुनाव आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को अस्वीकार करने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बयानों को बोलने की आजादी का दुरूपयोग बताया. आयोग ने कहा कि इस तरह के बयान देश के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास में पहले नहीं सुने गए और ये बोलनेकी स्वतंत्रता से भी परे हैं. हालांकि आयोग ने साथ ही चुनाव परिणामों की समीक्षा के लिए पार्टी प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर सहमति भी जताई है. चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा, इस बीच, आयोग ने आपके और विपक्ष के नेता के बयानों पर गौर किया है, जिसमें हरियाणा के परिणामों को अप्रत्याशित बताया गया है और कांग्रेस इसका विश्लेषण करने और शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है. खरगे को लिखे पत्र में आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं.

कांग्रेस का आरोप-ईवीएम से 'खेला'

हरियाणा के नतीजों पर असंतोष जताते हुए कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की. पार्टी के नेताओं ने अनियमितताओं और ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाए. कांग्रेस ने 20 से अधिक शिकायतों का हवाला देते हुए सात प्रमुख क्षेत्रों से लिखित शिकायतें भी पेश कीं. पार्टी का आरोप है कि कुछ ईवीएम मशीनें 99% क्षमता पर दिख रही थीं, जो सामान्य नहीं है. आयोग से इन मशीनों की जांच और वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम से मिलान कराने की मांग की, ताकि चुनाव की पारदर्शिता पर उठे सवालों का हल हो सके. मीटिंग के बाद पवन खेड़ा ने कहा, केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, जयराम रमेश, अजय माकन, भूपेंद्र सिंह हुड्डा व अन्य ने आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की. हमने आयोग से यह भी कहा कि 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने पेश करेंगे. खेड़ा ने कहा, आयोग ने हमें भरोसा दिया कि वे मामले पर गौर करेंगे और रिटर्निंग अधिकारियों से परामर्श करने के बाद हमें जवाब देंगे. शिकायतें 20 विधानसभा क्षेत्रों से थीं. हमने शिकायतों के दस्तावेज चुनाव आयोग को सौंप दिए हैं. अगले 48 घंटों में 13 और विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतें चुनाव आयोग को सौंपी जाएंगी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,300
चांदी (किलो)	91,000

ब्रीफ खबरें

तीन वैज्ञानिकों को रसायन का नोबेल

जेनेवा। 2024 के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेताओं का ऐलान कर दिया गया है. रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को घोषणा की कि डेविड बेकर, डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को यह सम्मान दिया जाएगा. इन लोगों को प्रोटीन विज्ञान में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए इस अवॉर्ड से नवाजा गया है. अमेरिका के वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन के लिए, जबकि लंदन, यूके स्थित गूगल डीपमाइंड के डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को प्रोटीन संरचना भविष्यवाणी के लिए पुरस्कार दिया गया है.

रतन टाटा की हालत नाजुक, आईसीयू में

मुंबई। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा की हालत नाजुक है. न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने यह दावा किया है. खबर के मुताबिक रतन टाटा मुंबई के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं. उनके स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है. हालांकि, टाटा ग्रुपग्रु की ओर से 86 वर्षीय रतन टाटा के स्वास्थ्य को लेकर आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है. बता दें कि पिछले दिनों भी टाटा के बीमार होने की खबरें आई थीं, जिसका उन्होंने खंडन करते हुए कहा था कि वो ठीक हैं.

खरगे-राहुल से दिल्ली में मिले हेमंत

- झारखंड में मिल कर विस चुनाव लड़ेगा इंडिया गठबंधन, सीएम के साथ कल्पना भी रहीं मौजूद, कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग पर हुई लंबी चर्चा, कई मुद्दों पर सहमति

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को दिल्ली पहुंचे. दिल्ली में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर उनसे मुलाकात की. फिर एक बैठक भी हुई. जिसमें राहुल गांधी और केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे. एक घंटे की बैठक में सीएम के साथ कल्पना सोरेन भी थीं. बैठक में झारखंड में गठबंधन को लेकर चर्चा हुई. कहा कि झारखंड में इंडिया एलायंस साथ में चुनाव लड़ेगा. हरियाणा के नतीजों पर भी चर्चा हुई. कहा गया कि इससे सबक लेते हुए झारखंड में ऐसा न हो और इंडिया एलायंस मजबूती से चुनाव लड़ेगा.

सीएम ने कहा : सीट से अधिक महत्वपूर्ण जीत: बैठक में सोरेन ने आगामी होने वाले विस चुनाव में इंडिया एलायंस

के बीच सीट शेयरिंग, सीटों की अदला-बदली व अन्य साथी दलों को सीट देने आदि के मुद्दे पर बातचीत की. बता दें कि 2019 की तरह कांग्रेस ने इस बार 33 सीटों की डिमांड की है. इस पर सोरेन ने कहा- कौन किस सीट से लड़ेगा, इससे ज्यादा जरूरी है एलायंस ज्यादा से ज्यादा सीट जीते. इसके लिए हमें एक-एक सीट पर बात करनी होगी. इसके बाद सीट वितरण होगा, तो ठीक रहेगा. इस पर कांग्रेस के नेताओं ने भी सहमति जताई. - **शेष पेज 11 पर**

दिल्ली सीएम आवास सील, आतिशी बाहर

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास को सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग ने सील कर दिया है. अवैध इस्तेमाल के आरोप में सीएम हाउस को सील किया गया है. इसके बाद मुख्यमंत्री आतिशी के कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि देश के इतिहास में पहली बार सीएम आवास खाली कराया गया है. साथ ही उन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया है. सीएम आवास को सील करने का कारण हैंडओवर की प्रक्रिया का पालन नहीं करना बताया गया है.

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

2028 तक मिलेगा फ्री अनाज

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बैठक में सरकार ने कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को मंजूरी दे दी है. बैठक में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की आपूर्ति को दिसंबर 2028 तक के लिए बढ़ा दिया गया है. साथ ही कैबिनेट ने सीमावर्ती राज्यों के इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास पर भी जोर दिया है. केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी ने गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत मिड डे मील, मुफ्त राशन, योजना, पीएम पोषण योजना, आईसीडीएस, आकांक्षी की सभी योजनाओं के तहत फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति को जुलाई, 2024 से दिसंबर, 2028 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है.

पीएम ने बैठक में सीमावर्ती इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है. कैबिनेट ने सीमावर्ती राज्य पंजाब और राजस्थान के इलाकों में 4,406 करोड़ रुपए के निवेश से 2,280 किलोमीटर सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है. इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढ़ाना है और यहां के लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाना है. शेष राजमार्ग नेटवर्क के साथ कनेक्टिविटी बनाना है. केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित किया जाएगा मंजूरी दी है. इस प्रस्ताव का मकसद समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है.

गरीबों को मुफ्त में मिलेंगे चावल : अप्रैल 2022 में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने मार्च 2024 तक चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में चावल फोर्टिफिकेशन पहल को लागू करने का फैसला किया था. अभी तक यह तीन चरणों में सफलतापूर्वक लागू हो चुका है. उन्होंने कहा कि गरीबों को मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति से एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी कम होगी. 2019 और 2021 के बीच किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, एनीमिया भारत में बड़ी समस्या बनी हुई है, जो बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को प्रभावित करती है. केंद्र सरकार यह योजना ऐसा समय में लाई है, जब बीजेपी को हरियाणा विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत मिली है.

श्रद्धा-भक्ति | धनबाद के झरिया में एक परंपरा की उम्र पांच सौ साल पुरानी, जो अब तक निभाई जा रही...

राजमहल छोड़ झोपड़ी में रानी खुद बनाती थीं माता का प्रसाद

रिजवान शम्स । धनबाद

पश्चिम बंगाल हो या फिर झारखंड... परंपराएं, संस्कृति और अनूठी रस्में, मां दुर्गा की भक्ति को और भी अनोखी बनाती हैं. मां दुर्गा के प्रति आस्था से जुड़ी अनूठी परंपराओं को निभाने में झरिया का राज परिवार की रानी का भी नाम शामिल है. ये परंपरा सदियों से आज तक वैसी ही निभाई जा रही हैं, जैसे सबसे पहली बार निभाई गई थी. तब झरिया राजपरिवार के नाम का यश जब पड़ोसी राज्यों तक फैला था, खुद रानी साहिबा राजमहल छोड़ कर चार दिनों तक घास-फूस की झोपड़ी में रह कर माता का प्रसाद मिट्टी के चूल्हे पर खुद अपने हाथों से बनाती थीं. इस परंपरा की उम्र अब 500 साल से भी अधिक हो चुकी है.

ऐसे शुरू हुई थी परंपरा : इस परंपरा के पीछे एक कहानी है. बताया जाता है कि रिवा रियासत से आए राजा संग्राम सिंह ने झरिया के तत्कालीन डोम राजा को जंग में हरा दिया था. जंग को जीतने के बाद भी राजा के हाथ से तलवार नहीं छूट रही थी. तब राजपरिवार की तरफ से मां दुर्गा की पूजा की गई. प्रसाद बनाया गया और फिर तलवार हाथ से छूटी थी. इसके बाद झरिया में मां दुर्गा की पूजा धूमधाम से शुरू हुई. राज परिवार के इस मंदिर को राजा दुर्गा प्रसाद सिंह ने भव्य रूप दिया. इसके बाद राजा काली प्रसाद सिंह और राजा शिव प्रसाद के कार्यकाल में भी भव्य आयोजन होता रहा.

- सिर्फ चार दिनों के लिए खुलता है झोपड़ी का पट, झोपड़ी में मिट्टी के चूल्हे पर तैयार होता है प्रसाद
- झरिया राज परिवार की रानी खुद बनाती थीं प्रसाद, राजपरिवार की बहू अब भी निभाती हैं परंपरा

पुआ व घटरा का चढ़ता है प्रसाद : राज परिवार की बहुएं अब भी यहां पुआ व घटरा पकवान बना कर परंपरा के अनुसार मां दुर्गा को भोग लगाती हैं. सप्तमी से दशमी तक मंदिर में तीन दिन व रात अखंड दीप जलता है. महाअष्टमी को बलि दी जाती है.

पुराना राजगढ़ में है मां दुर्गा का मंदिर

मां दुर्गा का यह मंदिर पुराना राजगढ़ में है. यहीं आज भी राज परिवार के लोग पूजा अर्चना और प्रसाद बनाते हैं. न सिर्फ राज परिवार, बल्कि यहां के लोगों में भी इस मंदिर को लेकर बेहद आस्था है. हर वर्ष पूजा के दौरान यहां साज-सज्जा, रंग-रोगन आदि का कार्य होता है. इसके बाद विधिवत सारे विधान किए जाते हैं. बलि से लेकर विर्सजन कर सारे विधानों में राजपरिवार के सदस्य मौजूद रहते हैं. यहां पूजा के बाद राजा तालाब में प्रतिमा विसर्जित होती है.

साल में चार दिनों के लिए ही खुलता है पट

जिस मंदिर में राज परिवार की रानी प्रसाद बनाती थी. वो मंदिर साल में महज चार दिनों के लिए खोला जाता है. दुर्गापूजा के दौरान ही उसकी मरम्मत या अन्य कार्य किए जाते हैं. इसके बाद उक्त कमरा का पट बंद कर दिया जाता है. इस कारण मंगलवार की देर शाम तक वहां का कार्य जारी था. यहां काम में जुटी पुतुल कालिंदी बताती हैं कि करीब एक दशक से हर साल उक्त मंदिर को पूजा के दौरान साफ-सफाई या अन्य कार्य उनके द्वारा किए जाते हैं. इससे पूर्व उनके पिता को यह जिम्मेवारी दी जाती थी. उन्होंने करीब पचास साल तक उक्त मंदिर की देखरेख की थी. बताती हैं कि काफी श्रद्धाभाव से बिना चप्पल पहने ही वे लोग मंदिर (कमरे) के अंदर जाती हैं.

ब्रीफ खबरें

पूर्व सांसद ने किया कई पूजा पंडालों का भ्रमण

पाटन (पलामू)। पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार आज छतरपुर के विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण किया. इस दौरान पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार ने पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया.कमिटी के लोगो से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की.इस क्रम में पूर्व सांसद ने रुदवा के ओकराहा में श्रद्धालुओं के साथ कलश यात्रा में शामिल हुए.इस दौरान पूर्व सांसद भाजपा नेता मनोज कुमार ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि माता रानी की महान आस्था का यह त्यौहार हमारी संस्कृति का जीवंत हिस्सा है जो हमें अंधकार से प्रकाश की और ले जाता है.

बीडीओ ने पूजा पंडालों का निरीक्षण किया

पांडू (पलामू)। पांडू प्रखंड विकास पदाधिकारी क्षेत्र के सत्र पूजा पंडाल का निरीक्षण किया. सभी पूजा पंडाल के अध्यक्ष को निर्देश दिया. सभी पूजा पंडाल में बिजली, पानी, सीसी कैमरा ,अग्निशमन संबंधी एवं वोलेंटियर को सजग रखें की शांति भंग ना हो. उन्होंने पांडू पूजा समिति के कोषाध्यक्ष श्याम नारायण केसरी एवं पूजा समिति के सदस्य देवेंद्र पांडे पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष बृजभूषण सिंह, व्यापारी शिवनाथ प्रसाद को सामूहिक निर्देश दिया किसी भी परिस्थिति में बाजार एरिया में शांति भंग नहीं हो .

नित्यांगनी डांस एकेडमी का हुआ भव्य उदघाटन

मेदिनीनगर। महेंद्र आर्केड मैं नित्यांगनी डांस एकेडमी का उद्घाटन बुधवार को हुआ.उद्घाटन समारोह में सोनू नामधारी के पुत्र साहेब जी नामधारी ने एकेडमी के डायरेक्टर राजन वर्मा को दी बधाई ।साहेब जी नामधारी ने बताया राजन वर्मा एक एक्सपर्ट नृत्य अध्यापक है . काफ़ी लोग इनके नृत्य से प्रभावित है , राजन वर्मा ने कहा कि कला की दुनिया और भी विस्तार ले रही है. आज गीत नृत्य संगीत प्रत्येक व्यक्ति के जीवन से जुड़ा हुआ है. बच्चों में बचपन से ही कला के प्रति रुचि जागृत करने सहित कला के क्षेत्र में अपने सुंदर भविष्य के लिए प्रशिक्षण बहुत ही कारगर साबित होता है.

वाहन की चपेट में आने से सुपरवाइजर की मौत

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के मगध कोलियरी के 45 नंबर स्टॉक के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है. जानकारी के अनुसार, मृतक युवक जय मां अम्बे कंपनी में सुपरवाइजर का काम करता है. स्टॉक के पास वह खड़ा होकर कोयला हाइवा में लोड करवा रहा था. इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घटना के बाद युवक के शव को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है.

संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ायें: उपायुक्त

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी. बैठक में उपायुक्त ने एएनसी एवं संस्थागत प्रसव की संख्या की जानकारी सिविल सर्जन से लिया. उन्होने संस्थागत प्रसव का प्रतिशत बढ़ाने का निर्देश दिया. वैसे क्षेत्रों को चिंहित करने का निर्देश दिया है, जहां संस्थागत प्रसव का प्रतिशत कम है. उपायुक्त ने एक माह के अंदर कार्य मे सुधार लाते हुए गर्भवती महिलाओं का एएनसी शत प्रतिशत कराने का निर्देश दिया.

सांप्रदायिक सौहार्द्र :लातेहार के अंबाकोठी में जहां मस्जिद है, वहां नहीं है एक भी मुस्लिम परिवार

एक साथ सड़क के इस पार मानस पाठ तो उस पार अजान

- पिछले 50 सालों से हो रहा है आयोजन
- आज तक नहीं हुआ कोई तनाव : बैद्यनाथ राम

आशीष टैगोर । लातेहार

अंबाकोठी में में सड़क के एक तरफ मंदिरव दूसरी तरफ मस्जिद.

अगर यह कहा जाये कि लातेहार प्रारंभ से ही सांप्रदायिक व सामाजिक सोहार्द की मिसाल पेश करता आया है तो गलत नहीं होगा. शायद ही किसी को याद हो कि जिला मुख्यालय में कभी कोई सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हुआ हो. यहां सड़क के इस पार श्रीरामचरित मानस के श्लोक और शंख की आवाज गुंजती हैं तो सड़क के उस पार से अजान की आवाज आती है. अगर गंगा-जमुनी तहजीब देखना हो तो लातेहार एक बार अवश्य आयें. शहर के ठीक बीचों चीच स्थित अंबाकोठी में शारदीय नवरात्र पर श्रीरामचरित मानस नवाह्न परायण पाठ के 51 वां अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है. इसी महायज्ञ स्थल के ठीक सामने सड़क के उस पार मात्र 15 फीट की दूरी पर शहर का जामा मस्जिद स्थित है.

50 सालों से साप्रंदायिक सोहार्द की मिशाल पेश कर रहे हैं : दोनो समुदाय के एक दूसरे के धर्म व मजहब का सम्मान करते हुए पिछले 50 वर्षों से सांप्रदायिक सदभावना मिशाल की पेश कर रहे हैं. शारदीय नवरात्र के मौके पर जब भी किसी शुक्रवार को जामा मस्जिद में नमाज का वक्त होता है, महायज्ञ समिति के द्वारा मानस पाठ की लाउडस्पीकर की आवाज को या तो धीमी कर दी जाती है या फिर उसे बंद कर दी जाती है, ताकि मुस्लिम धर्मावलंबियों को नमाज पढ़ने में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो.

मस्जिद के पास एक भी मुस्लिम परिवार नहीं : आम तौर पर देखा जाता है कि मस्जिदें मुस्लिम बहुल इलाके में ही है. लेकिन लातेहार में जिस स्थान पर जामा मस्जिद है, वहां आसपास के आधे किलोमीटर के दायरे में मुस्लिम समुदाय का एक भी परिवार नहीं है. बावजूद इसके प्रत्येक शुक्रवार को यहां काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग यहां नमाज पढ़ने आते हैं. आज तक यहां किसी प्रकार की कोई छोटी सी भी अप्रिय घटना नहीं हुई है. कभी अगर ईद के मौके पर मानस पाठ हो रहा हो तो मानस महायज्ञ समिति के लोग आगे बढ़ कर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की मुबारकबाद देते है. मुस्लिम समाज के लोग भी इसकी प्रशंसा करते हैं. स्थायी लोक अदालत के सदस्य मो शकील अख्तर ने कहा कि लातेहार सांप्रदायिक सोहार्द की एक मिशाल है.

1974 में शुरू हुआ था आयोजन

महायज्ञ समिति के मुख्य संरक्षक सह स्थानीय विधायक व मंत्री बैद्यनाथ राम और समिति के अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह ने बताया कि साल 1974 में इस आयोजन का शुभारंभ किया गया था. तब से ले कर आज तक यहां किसी प्रकार का कोई तनाव या मतभेद नहीं हुआ है. दोनो समुदाय एक दूसरे के धर्म का सम्मान करते हुए अजान या मानस पाठ करते हैं. शुक्रवार को काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग यहां नमाज पढ़ने आते हैं, उन्हें किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो इसका ख्याल महायज्ञ समिति के द्वारा रखा जाता है.

बंगीय दुर्गाबाड़ी में नाटक, गीत, नृत्य समेत कई कार्यक्रम होंगे

बेलवरण के साथ दुर्गा बाड़ी में महाषष्ठी संपन्न, सप्तमी पूजा आज

- बारिश से बचने के लिए किये जा रहे हैं उपाय

प्रतिनिधि, मेदिनीनगर

बंगीय दुर्गाबाड़ी में बेलवरण पूजा में शामिल श्रद्धालु.

बेलवरण पूजा के साथ बुधवार की सुबह बंगीय दुर्गाबाड़ी में महाषष्ठी पूजा शुरू की गयी . दुर्गा बाड़ी सञ्चालन समिति के अध्यक्ष देवेश मोइत्रा व सचिव दिवेन्दु गुप्ता ने बताया की इस वर्ष चूंकि बारिश हो सकती है तो पूजा के दौरान भक्तो को कोई दिक्कत न हो इसका प्रयास किया जा रहा है. दोनों पदाधिकारियों ने बताया की दुर्गा बाड़ी के भवन को अत्याधुनिक बनाने का काम शुरू कर दिया गया है, इसके निर्माण में सहयोग करने में इच्छुक लोगो के लिए अलग काउंटर बनाया गया है जहां वे संपर्क कर सकते है. इसके लिए देवाशीष सेनगुप्ता को कोश संग्रह प्रभारी बनाया गया है. दोनों पदाधिकारियों ने बताया की पूजा को लेकर सभी तैयारियां कर ली गई है. इसके लिए सुबह और शाम की अलग अलग पाली बनाया गया है. जिसमे अलग अलग सदस्यों को जिम्मेदारी दी गयी है. बेलपूजन कार्यक्रम सतेंद्रनाथ भट्टाचार्य, दीपक बागची, देवी प्रसाद बनर्जी, नीलकमल भट्टाचार्य के द्वारा किया गया. इस कार्यक्रम में बासुदेव गोस्वामी, कुसुमिता मुखोपाध्याय व प्रशांत भट्टाचार्य ने सहयोग किया. बंगीय दुर्गाबाड़ी के पूजा समिति के अध्यक्ष आशीष दाशगुप्ता व सचिव जयंत विश्वास ने बताया की इस वर्ष सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी को कई कार्यक्रम किये जायेंगे. उन्होंने बताया की इस वर्ष कहीं-कहीं 12 अक्टूबर दिन शनिवार को दशमी पूजा व विसर्जन किया जा रहा है, दुर्गा बाड़ी में 13 अक्टूबर दिन रविवार को विसर्जन किया जायेगा. इसी दिन दोपहर को सिंदूर खेला होगा. 10 को सप्तमी, 11 को अष्टमी व 12 अक्टूबर को नवमी मनाया जायेगा. 12 अक्टूबर को ही शाम में खिचड़ी भोग वितरण होगा. इसके अलावा तीनो दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे. सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रभारी सुमित भट्टाचार्या और मुनमुन चक्रवर्ती ने बताया की सप्तमी को मासूम आर्ट ग्रुप के द्वारा हिंदी नाटक प्यार की फुलझड़ी प्रस्तुत किया जायेगा, जो एक हास्य नाटक है. अष्टमी को कोलकाता के कलाकारों द्वारा गीत संगीत का कार्यक्रम होगा, इसके साथ स्थानीय कलाकार राजा सिन्हा के नेतृत्व में अपनी प्रस्तुति देंगे. नवमी की शाम को भी कोलकाता व स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति होगी. इसी के साथ बंगाली समुदाय के बच्चों के बीच कई तरह के प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी. सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी बच्चे भाग लेंगे. इसे सफल बनाने के लिए अलग-अलग उप समितियां बनाई गई है. पूजा आयोजन को सफल बनाने में प्रसेनजित दाशगुप्ता, सौभिक दत्ता, शिवेश मोइत्रा, अमर कुमार भांजा, गौतम घोष, बिपुल दत्ता, सुमित डे, दीपू साहा, रोबिन साहा, दिलीप साहा, जयदीप साहा, सौभिक बोराल, नयन गोस्वामी, शिवनाथ चटर्जी, शुभंकर चक्रवर्ती आदि का सराहनीय योगदान रहा.

सतबरवा में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

सतबरवा (पलामू)। दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार ने पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के पोलपोल,झाबर, लहलहे, बारी, खामडीह, सतबरवा, बकोरिया समेत कई गांवों में फ्लैग मार्च किया. इस मौके पर थाना प्रभारी अंचित कुमार ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कृत संकल्पित है. शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लोगों से सुझाव मिल रहें हैं,उस पर पुलिस अमल कर रही है. पुजा कमेटी से भी पुलिस लगातार संपर्क में है. साथ ही सभी समुदायों का सहयोग पुलिस को मिल रहा है. किसी प्रकार की अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस 24 घंटा तैयार है.इस फ्लैग मार्च में एस आई विश्वनाथ राणा, गणेश मुंडा, बशंत महतो, सुबोध कुमार, कुमार निरज समेत दर्जनों पुलिस बल के जवान शामिल थे.

उपभोक्ता आयोग से मिला न्याय

लातेहार। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष अजीत कुमार की पीठ ने शिकायतकर्ता निसात अहमद की पिटीशन पर सुनवाई करते हुए अपना निर्णय दिया है. जानकारी के अनुसार अमवाटीकर निवासी निशात अहमद ने एडीडास कंपनी से एक शर्ट खरीद था, जिसमें कुछ खराबी थी. कंपनी से इसे बदलने की शिकायत किया लेकिन कंपनी उनकी एक नहीं सुनी. अंततोगत्वा उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में अधिवक्ता वासुदेव पाण्डेय ने शिकायत दायर कराया. अध्यक्ष श्री कुमार, सदस्य वीणा कुमारी एवं उमेश सिंह की अदालत ने सुनवाई करते हुए एडीडास कंपनी को डिफिशिएंसी इन सर्विस का आरोपी पाया.

स्वच्छता के आधार पर तीन सर्वश्रेष्ठ पंडाल होंगे पुरस्कृत

नगर निगम आयोजित करेगा स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता

संवाददाता। मेदिनीनगर

दुर्गा पूजा के अवसर पर मेदिनीनगर नगर निगम स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन करेगा. स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर आयोजित यह प्रतियोगिता 80 अंकों का होगा. जिसमें 8 बिंदु शामिल है. सभी बिंदु के 10 अंक निर्धारित हैं. निकाय द्वारा गठित टीम के सदस्य 10, 11 व 12 अक्टूबर को पंडालों का निरीक्षण करेंगे और जिस पंडाल में गाइडलाइन के अनुरूप सबसे बेहतर व्यवस्था पाई जाएगी. उसी के अनुरूप उसे नंबर प्रदान किया जायेगा. इसी नंबर के आधार पर सर्वश्रेष्ठ तीन पंडालों को पुरस्कृत किया जाएगा. निगम के पदाधिकारी ने बताया कि पूजा एवं त्योहारों के मौके पर अक्सर श्रद्धालुओं की भीड़ द्वारा पंडालों के समीप खाद्य पदार्थों एवं अन्य ठोस अपशिष्ट का बढ़ना आम बात है जिससे गंदगी फैलती है. बेहतर सफाई के प्रबंधन का उत्तरदायित्व आयोजनकर्ता, स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं का भी है. इस प्रयास को प्रभावी बनाने व स्वच्छता के प्रति शहरवासियों को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए नगर निगम के एसबीएम कोषांग के मो नंबर:7277311538 पर कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है.

पुलिस ने कार से 320 लीटर स्प्रिट किया जब्त

हरिहरगंज(पलामू)। पीपरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक मारुति स्विफ्ट डिजायर कार से 320 लीटर स्प्रिट जब्त किया है. इस संबंध में पीपरा थाना प्रभारी बिमल कुमार ने बताया कि सूचना के बाद थाना क्षेत्र अंतर्गत देवगन रोड की तरफ भितिहा गांव के पास पहुंचने पर एक सफेद रंग का मारुति स्विफ्ट डिजायर रोड से नीचे पहाडी एवं खेत तरफ जाते हुए दिखाई दिया. पीछा करने पर उक्त गाडी का चालक गाडी को भितिहा गांव के पास खेत के पास खड़ा कर पहाडी एवं खेत के रास्ते भाग गया. कार की तलाशी लेने पर उसके अंदर नीले रंग का आठ प्लास्टिक गैलन रखा हुआ दिखाई दिया, जिसमें स्प्रिट जैसा तरल पदार्थ भरा हुआ पाया गया. सभी गैलन में 40-40 लीटर कुल 320 लीटर स्प्रिंट जैसा तरल पदार्थ जप्त किया गया. उन्होंने बताया कि सभी जप्त सामानो को थाना लाया गया.

दुर्गा पंडालों के पट खुले, श्रद्धालुओं ने किये माता के दर्शन

संवाददाता। लातेहार

शारदीय नवरात्र के सप्तमी तिथि बुधवार को शहर के सभी दुर्गा पूजा पंडालों के पट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिये गये. सप्तमी तिथि को पूजा समितियों के द्वारा पूजा अर्चना की गयी. इससे पहले समितियों के द्वारा गंगा पूजन और माता का आह्वन किया गया. शहर के श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर में पंडित त्रिभुवन पांडेय व पंडित रामानुज उपाध्याय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण किया. मौके पर मुख्य यजमान के रुप में संजय प्रसाद व राजेश प्रसाद सप्तनीक मौजूद थे. यहां बंगाल के कारिगर के द्वारा प्रतिमाओं का निर्माण कराया गया है. मौके पर संरक्षक अभिनंदन प्रसाद, सचिव आशीष टैगोर, उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद, सह सचिव रंजीत कुमार, रविंद्र प्रजापति, कोषाध्यक्ष राजू रंजन सिंह, उज्जवल साहू, आकाश जायसवाल, संजय कुमार आदि

मौजूद थे.शहर के बीचोबीच स्थित राजा दुर्गा बाड़ी में भी आकर्षक पंडाल बनाया गया है.

यहां सूर्यदेव उपाध्यक्ष के सानिध्य में भानू प्रताप सिंह, मुकेश पांडेय व हरिओम पांडेय सपत्नी पूजा किया. यहां अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह, अश्विनी सिंह, अमर विश्वकर्मा, अंकित पांडेय आदि सक्रिय हैं. काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति के द्वारा 50 स्थापना दिवस मनाया जा रहा है. सप्तमी तिथि को समिति के द्वारा कलश यात्रा नि काली गयी. प्रखंड एवं वन परिसर पूजा पंडाल दर्शनाथ खोल दिये गये. रेलवे स्टेशन क्षेत्र के नवयुवक संघ नवरंग चौक में आकर्षक पंडाल बनाया गया है. सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति डुरुआ बाजार में मां की आकर्षक प्रतिमा का निर्माण कराया गया है. अध्यक्ष असीम बाग समेत समिति के सदस्य सक्रिय हैं. रेलवे कॉलनी में बंगाली रीति रिवाज पूजा अर्चना प्रारंभ की गयी. शहर से सटे करकट व होटवाग ग्राम में भी आकर्षक पंडाल व विद्युत सज्जा की गयी है.

दर्शन के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़

हुसैनाबाद (पलामू)। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति महावीर जी भवन में मां शक्ति स्वरूपा के पूजा पंडाल का पट भक्तों के दर्शन लिए खुल गया है, पंडाल का पट खुलते ही शक्ति की अधिष्ठात्री देवी मां दुर्गा की दिव्य स्वरूप के दर्शन को पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा. पूजा पंडाल का पट खोलने के पूर्व पुरोहित गोपाल पाठक के द्वारा वैदिक मंत्रोचारण के साथ मां शक्ति स्वरूपा की आराधना की गई. तदपश्चात उपस्थित अतिथियों सूर्या सोनल सिंह, रविंद्र कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह आरएसएस जिला संघ चालक दिनेश कश्यप, प्रतिष्ठित व्यवसाई प्रकाश लाल अग्रवाल, अभिमन्यु अग्रवाल सार्वजानिक पूजा समिती के अध्यक्ष मिंटू अग्रवाल आदि के द्वारा पूजा पंडाल का पट खोला गया.

आस्था

कई राज्यों से प्रेत बाधा से ग्रसित लोग पहुंचने लगे हैं हैदरनगर देवीधाम

हैदरनगर देवी मंदिर परिसर में भक्तों की उमड़ी भीड़

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

हैदरनगर देवी धाम परिसर में शारदीय नवरात्र मेला एकम तिथि से प्रारंभ हो गया है. मेला में बिहार और झारखंड से कथित प्रेत बाधा से ग्रसित लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं. सरकार ने कानून तो बनाया मगर उन मंदिरों में कथित प्रेत बाधा से ग्रसित लोगों को लेकर आने वाले ओझा गुणियों की सुरक्षा का स्वयं प्रशासन प्रबंध करती है. हैदरनगर स्थित प्रसिद्ध मां भगवती देवी धाम पर वर्षों पुरानी परंपरा व आस्था के साथ शारदीय नवरात्र की पूजा के साथ श्रद्धालुओं का आना शुरू हो जाता है. मंदिर में पूजा को लेकर बडी.संख्या में कथित प्रेत बाधा से पीड़ित लोग पहुंचने लगे हैं. ओझा गुणियों के साथ अधिक संख्या महिलाओं की होती है. उनमें भी वैसी महिलायें अधिक होती हैं, जो अशिक्षित पिछड़ी जाति से आती हैं. उन भोले भाले लोगों को ओझा गुणी अपने जाल में फंसाकर अंधविश्वास की दलदल में झोंक दिया करते हैं. मंदिर में आश्विन शुक्ल पक्ष एकम् से पूर्णिमा तक चलता है. मंदिर में पूजा शुरू होने के साथ ही ओझा गुणी व प्रेत बाधा से ग्रसित पीड़ित लोग अपना डेरा जमा लिए है. मां भगवती के गीतों के साथ ढोल व तासा की ध्वनि से गुंजायमान है. मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं से हैदरनगर शहर में चहल पहल बढ़ गई है. पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में डूब गया है. देवी धाम के पुजारी सुरेन्द्र दास त्यागी ने बताया कि सरकार के निर्देश पर मेला का आयोजन किया गया है. इस वर्ष मंदिर में पूजा करने वाले भक्तो की संख्या काफी अधिक है. उन्होंने कहा कि हर साल मेला में आने वाले लोगों की काफी भीड़ बढ़ गई है. उन्होंने कहा कि मां भगवती मंदिर में पहुंचने से भक्तों की मन्नत पूरी होती है. श्रद्धालुओं ने बताया कि मां भगवती की इस माह में महिमा बढ जाती है. भक्तों का आना जाना दिनों दिन बढ़ रहा है. मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से श्रदालुओं का पूरा ख्याल रखा गया है. मंदिर में आने वाले भक्तों को सुविधा ज्यादा से ज्यादा मिले इसका पूरा प्रयास समिति करती है. देवी धाम परिसर में श्री रामजानकी मंदिर, भगवान शिव के मंदिर के अलावा सबसे बड़ी बात है कि इसी परिसर में जिन्न बाबा का स्थान, चबूतरा है. राम रहीम की यह संस्कृति अद्भुत व बेमिशाल है. श्रदालु मां भगवती की पूजा अर्चना के बाद सामान्य रूप से जिन्न स्थान में फातेहा कराते और चादर चढाते एवं मुर्गो को दाना चरवाते है. वैसे यह सिलसिला सालों भर चलता रहता है. इसके बाद मां की पूजा के बाद प्रेत बाधा से ग्रसित लोग सामान्य रूप से भाई बिगहा स्थित कर्बला में भी अनुष्ठान को पूरा कराने जाते हैं.

दुर्गा पूजा को लेकर फ्लैग मार्च निकला

संवाददाता। लातेहार

दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था को दुरूस्त करने को ले कर जिला मुख्यालय में पुलिस ने फ्लेग मार्च किया. इसका नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक ने किया. मौके पर एसडीपीओ अरविंद कुमार, अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो व थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा शामिल थे. फ्लेग मार्च शहर के सदर थाना से प्रारंभ हुई और शहर के मेन रोड होते हुए समाहरणालय पहुंची. इस दौरान लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से दुर्गा पूजा मनाने की अपील की. शुभम संदेश से बातचीत के क्रम में एसडीओ श्री रजक ने कहा कि प्रशासन दुर्गा पूजा मे विधि व्यवस्था कायम रखने के लिए पूरी तरह से तत्पर है. उन्होने कहा कि असमाजिक तत्वो को चिन्हित किया गया और उन्हें नोटिस भी जारी किया गया है. उन्होने सोशल मीडिया मे सांप्रदायिक या भ्रामक खबरें पोस्ट करने पर कार्रवाई करने की बात कही. कहा कि अगर कहीं से कोई अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त होती है तो नजदीकी थाना को सूचित करें. उन्होने प्रतिमाओं का विसर्जन तय रूट से ही करने की बात कही. गारू(लातेहार)। गारू में दुर्गा पूजा को ले कर अंचलाधिकारी दिनेश मिश्रा और थाना प्रभारी सोनू कुमार के नेतृत्व में फ्लेग मार्च निकाला गया. अधिकारियों ने पंडालों का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. गारू, कोटाम और सरयू के पंडाल का निरीक्षण के दौरान उन्होंने पूजा आयोजकों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया और सुरक्षा के इंतजाम मुक्कमल रखने का निर्देश दिया.

न्यूज अपडेट

पाटन में निकाली गयी कलश यात्रा में विधायक शामिल

पाटन(पलामू)। पाटन मां दुर्गा पूजा समिति ने बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाला. कलश यात्रा में विधायक श्रीमति पुष्पा देवी एक आम नागरिक की तरह शामिल हुई. पूरा इलाका माता रानी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा था. इस मौके पर सेमरी पंचायत के पूर्व मुखिया शिव शंकर प्रसाद, जिला कार्यसमिति सदस्य अशोक तिवारी, श्रवण मिश्रा, युवा नेता विक्रम कुमार, भाजयुमो अध्यक्ष अभिषेक सिंह, मां दुर्गा समिति के अध्यक्ष बबल साह, जमुना प्रसाद, ओमप्रकाश पांडे सुजीत साहू, राजन प्रसाद, रिकी साहू गोल्डन कुमार, अजय सोनी,अरविंद प्रसाद आदि शामिल थे.

महुगांई में निकाली गई भव्य कलश यात्रा,उमड़ी भीड़

पांकी(पलामू)। दुर्गा पूजा के सप्तमी के दिन पलामू जिले के पांकी प्रखंड के हूरलौंग पंचायत के महुगांई गांव में गाजे-बाजे के साथ भव्य तरीके से कलश यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया. जयकारे के नारे से पूरा क्षेत्र गूंज रहा था. पांकी विधानसभा क्षेत्र के भावी विधायक प्रत्याशी बिनोद सिन्हा, भाजपा नेत्री लवली गुप्ता, हूरलौंग पंचायत के मुखिया बिंदा देवी, पंचायत समिति के पति पिंटू गुप्ता समेत पूजा कमेटी ने संयुक्त रूप से कलश का वितरण किया. कलश यात्रा महुगांई दुर्गा बाड़ी से निकाली गई जो सगालीम के कलोली नदी पंहुचा. जहां पं आकाश पांडेय ने वैदिक पूजा अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के कलश में जल भरवाया गया. जल भरने के बाद श्रद्धालु पुनः दुर्गा बाड़ी पहुंचकर कलश की स्थापना की. मौके पर पूजा कमेटी के अध्यक्ष अरविंद प्रजापति, सचिव बिजली साव, कोषाध्यक्ष संजय राम, उपाध्यक्ष सुपेंद्र साव उर्फ दुबे साव, उप कोषाध्यक्ष कौशल मेहता मौजूद रहे.

नवरात्र में मां दुर्गे की कृपा बरसती है : दिलीप नामधारी

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के अंतर्गत पंचायत कौड़िया के तीनकोनिया टोला में यंग जागृति संघ ने दुर्गा पूजा को लेकर भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया. मौके पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भग लिये. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डालटनगंज-चैनपुर-भंडरिया विस क्षेत्र के प्रत्याशी सह युवा नेता दिलीप सिंह नामधारी कलश यात्रा में शामिल हुए. इसके पूर्व पूजा समिति ने श्री नामधारी को माला पहनाकर स्वागत किया. मौके पर श्री नामधारी ने कहा कि कौड़िया की जनता जब मुझे याद करेगी तब मैं उनकी सेवा के लिए हाजिर रहेंगे. कलश यात्रा में शामिल होना गौरव की बात है. कहा कि नवरात्र में मां दुर्गे की कृपा बरसती है. उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख व समृद्धि की कामना की. कलश यात्रा में जिप सदस्य बासो देवी, पूर्व जिला परिषद अर्जुन सिंह, मुख्य संरक्षक अजय चौधरी, अध्यक्ष सुबोध विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, सचिव छोटू विश्वकर्मा, पंसस अजीत सिंह, उप सचिव नारियल सिंह, कोषाध्यक्ष संतोष प्रसाद, उप कोषाध्यक्ष राजेश सिंह, महामंत्री अनुप सिंह, मंत्री रवि सिंह, उप संरक्षक प्रेम प्रकाश ठाकुर, विजयमल सिंह, सुनील गुप्ता, शिक्षक रविंद्र सिंह सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे.

अष्टमी पूजा को लेकर असमंजस खत्म

लातेहार। नवरात्र के दौरान अष्टमी पूजा को लेकर असमंजस खत्म हो चुकी है. दरअसल, नवरात्र के दौरान अष्टमी और नवमीं तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी है. अष्टमी गुरुवार को मनाई जाएगी या शुक्रवार को, इसको लेकर लोगों में संशय है. जानकारों का मानना है कि उदया तिथि के कारण ऐसी भ्रम की स्थिति बनी हैं. शुभम संदेश व लगातार.इन ने इस संबंध में मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर के पुजारी त्रिभुवन पांडेय से बात की. उन्होने बताया कि सप्तमी और अष्टमी एक साथ होने के कारण 10 अक्टूबर को उपवास नहीं करना है. अगले दिन यानी शुक्रवार को सुबह 4:30 से अष्टमी पूजन का शुभारंभ होगा. सुबह 6:30 बजे में 108 दीप का प्रज्जवलन किया जायेगा. शुक्रवार को उपवास करने की बात उन्होंने कही. कहा कि 11 अक्टूबर को अष्टमी के बाद नवमी तिथि प्रवेश होगा. इस दौरान कन्या पूजन, कन्या भोज और महागौरी के आगमन पूजा होगी. दरअसल इस बार नवरात्रि पूरे नौ दिन की है. कोई भी दिन खंडित तिथि नहीं है. 11 अक्टूबर को दुर्गा नवमी, पाठ पारायण,व्रत,पूजा, उपवास और पूर्णाहुति की जाएगी. 12 अक्टूबर शनिवार को विजयादशमी मनाया जायेगा.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 08, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 182 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

समय पर नहीं मिली एंबुलेंस, बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत

रांची। सही समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने से एक व्यक्ति की इलाज के अभाव में हार्ट अटैक से मौत हो गयी. यह घटना करम टोली चौक की है.
बुधवार की सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति को अचानक हार्ट अटैक आया. इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने एंबुलेंस को कॉल किया, लेकिन सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाई. इसके बाद उस व्यक्ति को ऑटो से नजदीकी अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया लेकिन बुजुर्ग व्यक्ति की बीच रास्ते मे ही मौत हो गई.

अप्रैल में हुई शादी, अक्टूबर में गर्भवती मिंकी की हुई मौत

पवन सिंह। हुसैनाबाद (पलामू)

मृतका मिंकी की फाइल फोटो.

हुसैनाबाद

- **मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ित कर मारने का लगाया आरोप**
- **पिता ने पलामू एसपी से हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की**

नबीनगर थाना क्षेत्र के दूधेश्वर प्रसाद गुप्ता ने पलामू के पुलिस अधीक्षक को मांग पत्र देकर उनकी पुत्री मिंकी कुमारी की हत्या का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया है. उन्होंने हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है. दूधेश्वर प्रसाद ने बताया कि उनकी पुत्री मिंकी कुमारी की शादी 20 अप्रैल 2024 को पलामू के हरिहरगंज के सतगनवां निवासी सूर्यदेव साव के पुत्र सौरभ कुमार गुप्ता के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई थी. लगातार ससुराल के लोग मिंकी को प्रताड़ित करने लगे. उनका कहना था की तुम मायके से चार चक्का गाड़ी, पांच लाख रुपया और सोने का चैन मांगो तभी तुम्हे ठीक से रहने दिया जाएगा. उन्होंने मिंकी कुमारी को मायके भेज दिया. घर के लोग फोन पर गाड़ी चैन और पैसे की मांग करने लगे.उन्होंने कहा कि जबतक यह सब नहीं मिलेगा. लड़की को नहीं ले जायेंगे. काफी आरजू मिन्नत के बाद वह घर आए तो बोले की स्टांप पेपर पर लिख कर दें की हम यह सभी समान और नगद इतना दिन में देंगे तभी लड़की को ले जायेंगे. वह लड़की को ले जाने को तैयार हुए. एक अक्तूबर 2024 को दामाद सौरभ कुमार गुप्ता ने मिंकी के भाई रोहित कुमार गुड्डू को फोन पर बोला की मिंकी का डेहरी से इलाज करा कर लौट रहे हैं. अपलोग हरिहरगंज पहुंचिए. आने पर देखा की उनकी पुत्री मिंकी कुमारी दो तल्ला पर कमरे में मृत पड़ी थी. थाना जाकर थाना को सूचना देने पर पुलिस घटना स्थल पहुंच कर छान बीन की व शव को पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल भेज दिया. उन्होंने बताया कि हरिहरगंज थाना में मृतका मिंकी कुमारी के पति सौरभ कुमार गुप्ता, ससुर सूर्यदेव साव, सास मुन्नी देवी, दामाद के भाई प्रफुल्ल प्रसाद, संध्या देवी एवं देवर के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराया है. उन्होंने कहा कि मेरी पुत्री चार महीने की गर्भवती थी. जिसे इन दरिंदों ने बेरहमी से जान ले ली है.

मृतका के पिता ने पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में कहा है कि उनकी पुत्री के हत्यारों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है. उन्होंने हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग पुलिस अधीक्षक से की है. मृतका के परिजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल का चक्कर लगा रहे हैं. पोस्टमॉर्टम के बाद चिकित्सकों ने परिजनों से हत्या की बात भी कही थी.

वज्रपात में चार मजदूरों की मौत

संवाददाता। लातेहार

बुधवार की शाम तकरीबन पांच-छह बजे अचानक हुई वज्रपात में चार मजदूरों की मौत हो गई. घटना जिले के महुआडांड़ प्रखंड के ओरसा पंचायत की है. इस घटना में दो लोग घायल भी हो गए. मृतकों में संजय नगेसिया, लालू नगेसिया, रविशंकर नगेसिया, जितेंद्र लोहरा शामिल हैं. राजेश नगेसिया, पंचम लोहरा गंभीर रूप से घायल हैं. महुआडांड़ थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने मजदूरों की मौत की पुष्टि की है. बताया जा रहा है की मजदूर काम कर अपने गांव ओरसा लौट रहे थे. इसी बीच अचानक बारिश शुरू हो गई. बारिश से बचने के लिए सभी मजदूर पास में ही एक पुलिया के नीचे छिप गए. इसी दौरान अचानक वज्रपात हो गया. जिसमें सभी लोग घायल हो गए. स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल लाया गया. डॉक्टरों ने चार मजदूरों को मृत घोषित कर दिया. दो घायल मजदूरों का इलाज चल रहा है. बताया जाता है कि वज्रपात के बाद सभी घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए तुरंत एंबुलेंस को बुलाया गया. लेकिन सड़क नही रहने के कारण एंबुलेंस का गांव तक पहुंच नहीं पाया. घायलों को गांव से ही एक निजी वाहन में बैठा कर नदी किनारे लाया गया. उसके बाद एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया.

अस्पताल पहुंचे विधायक रामचंद्र सिंह : घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक रामचंद्र महुआडांड़ अस्पताल पहुंचे और मृतक व घायलों के परिजनों से मुलाकात की. विधायक ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि वे परिजनों को हर संभव मदद मुहैया कराएंगे.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा पूजा पर कूरियर सेवाएं बंद रहेंगी

रांची। झारखंड कोरियर एसोसिएशन के पदाधिकारियो की एक बैठक बुधवार को संगठन के अध्यक्ष प्रेम मित्तल की अध्यक्षता में हुई. बैठक में मुख्य रूप से दुर्गा पूजा के अवसर पर अवकाश पर चर्चा हुई. निर्णय लिया गया कि अष्टमी- नवमी- दशमी यानी 10 अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक कोरियर कंपनियां पूर्णतः बंद रहेंगी. प्रेम मित्तल ने बताया कि अगला दिन रविवार है. इस कारण कूरियर सेवाएं गुरुवार से चार दिनों तक बंद रहेंगी. बैठक में प्रेम मित्तल के अलावा सचिव प्रदीप राजगढ़िया, बसंत मुरारका, सुरेश शर्मा , दीपक कुमार पंकज, गंगेश ठाकुर, राजीव सिंह, अमरिंदर सिंह पप्पू व अन्य उपस्थित थे.

हेमंत कैबिनेट की अगली बैठक 14 को

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 14 अक्टूबर सोमवार को बुलाई गई है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में राज्य के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे. बैठक दिन के 12 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी. यह माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लगने वाले आदर्श आचार संहिता के पहले यह आखिरी बैठक होगी. राज्य सरकार इस दिन कई लोकलुभावन निर्णय ले सकती है. कैबिनेट की बैठक संबंधी आदेश मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने जारी कर दिया है.

कतरास में छापा, 12 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त

कतरास। दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस ने मंगलवार की देर रात सलानपुर बस्ती पंखा घर में संयुक्त रूप से छापामारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब व बियर की बोतलें जब्त की. पुलिस ने धंधेबाज राजकुमार चौहान को गिरफ्तार कर लिया. उसे रामकनाली ओपी ले जा कर पूछताछ की गई. पुलिस अवैध शराब के धंधे में लिप्त बड़े कारोबारी को पकड़ने की जुगत में जुट गई है.

छोटे कारोबारियों के लिए तबाही लेकर आई बारिश, लाखों की क्षति

कर्ज लेकर दुकान लगानेवालों को सता रही चिंता, कैसे चुकाएंगे कर्ज

बसंत मुंडा। रांची

दुर्गा पूजा के दौरान छोटे कारोबारियों का 20 करोड़ का होता रहा है कारोबार

बारिश के कारण से ठंड का अहसास, आईसक्रीम-कोल्ड ड्रिंक्स की बिक्री घटी

दुर्गापूजा के दौरान सड़क किनारें दुकानें सजा कर कोल्ड ड्रिंक्स व आईसक्रीम बेचनेवाले छोटे कारोबारियों ने पर्याप्त स्टॉक मंगा कर रखा था, लेकिन दोपहर बाद से ही बारिश शुरू हो जाने के कारण बिक्री प्रबावित हुई है. कास कर बारिश की वजह से ठंड का अहसान भी होने लगा है, ऐसे में पैकट बंद आइसक्रीम के साथ- साथ कोल्ड ड्रिंक्स के ग्राहक नहीं मिल रहे. पूजा के दौरान होटलों मे भीड़ रहा करती थी, लेकिन दो दिन से उनका कारोबार भी लगभग ठप है. बारिशकी वजह से चूंकि लोग घरों से निकले ही नहीं, तो कारोबार पर असर पड़ना स्वाभाविक है.

दुर्गा पूजा शुरू होते ही मंगलवार शाम तेज आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश राज्य भर के छोटे कारोबारियों पर आफत बन कर बरसी. वैसे तो मां दुर्गा की आराधना के चौथे दिन रविवार की शाम भी राजधानी रांची सहित राज्य के कई इलाकों में कहीं हल्की, तो कहीं तेज बारिश हुई थी. लेकिन मंगलवार और बुधवार को हुई भारी बारिश ने ज्यादा तबाही मचाई. दुर्गा पूजा में शहर की मुख्य सड़कों के किनारे और पूजा पंडाल के आसपास पावभाजी, बर्गर, मोमो, फुचका, चाउमिन, झालमूढ़ी, समोसा, चाट सहित खाने-पीने के सामान बेचने और खिलौना सहित अन्य घरेलू उपयोग के सामान बेचने के लिए ठेला, गुमटी, टेंट-तंबू लगाये दुकानदारों पर आंधी-बारिश ने कहर बरपाया है. सेठ-महाजन से कर्ज लेकर दुर्गा पूजा में दुकान सजाये छोटे कारोबारी मौसम की बेरूखी से खासा परेशान हैं.

बारिश की वजह से टेंट, तंबू से बनाया गया दुकान ध्वस्त हो गया और पूजा के दौरान उमड़नेवाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए जो काने-पीने के सामान तैयार किये गये ते, सारे के सारे के बेकार हो गये. उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि इसी तरह पूरे पूजा के दौरान बारिश होती रही, तो उनका कारोबार तो चौपट होगा ही, कर्ज लेकर जो पूंजी लगाई थी, वह भी निकल पाएगा. ऐसे में उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि आखिर कर्ज कैसे सधा पाएंगे. दो दिन की बारिश में छोटे कारोबारियों को लाखों का नुकसान हो चुका है. खाने-पीने के सामान बेचने वाले तो सामान खराब होने के कारण परेशान हो रहे हैं, वहीं पूजा पंडाल के पास पूजा समिति से जगह किराये पर लेकर टेंट-तंबू में दुकानें सजाईं, लेकिन किराया तक पैसा नहीं निकल पाने की चिता इन छोटे कारोबारियों को सता रही है. अकेले रांची में छोटे करोबारियों का 20 करोड़ का कारोबार हुआ करता था, जो ठप पड़ जाएगा. इसके अलावा छोटे होटलों ने भी तैयारी कर रखी है, लेकिन बारिश से लोगों के कम संख्या में निकलने के कारण दो दिन में उन्हें भी हजारों का नुकसान हुआ है.

खिलौने बेचनेवालों की चिंता, दो दिन से बोहनी तक नहीं हुई, क्या करें...

पूजा के दौरान सड़क किनारे फुटपाथ पर खिलौने, बैलून सहित ठेलों पर घरेलू सामान की बिक्री करनेवाला का कारोबार लगभग ठप है. पूजा के दौरान जो लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ घूमने निकला करते थे, वे बच्चों के लिए खिलौने की खरीदारी किया करते थे, लेकिन बारिश के कारण घरों में ही कैद हो गये. बारिश में भींग कर पूजा घूमने के बजाये घरों में रहना ही बेहतर समझा. मेन रोड दुर्गा मंदिर के पास तंबू लगाकर खिलौने की दुकान लगाए राजू चौरसिया का कहना है कि 20 हजार रुपये कर्ज लेकर खिलौनों की दुकान सजायी थी, लेकिन दो दिन की बारिश ने सारा का सारा कारोबार चौपट कर दिया. दो दिन में बोहनी तक नहीं हुई.

होटलों और मिठाई दुकानों के सामान खराब होने का डर

पूजा में उमड़नेवाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए शहर के छोटे होटलों व मिठाई दुकान वालों ने मिठाइयों का स्टॉक तैयार रखा है, लेकिन बारिश के कारण दो दिन से ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे मिठाइयां खराब होने का डर सता रहा है. सूखी मिठाइयां तो फिर भी कुछ दिनों तक चल जाएंगी, लेकिन गीली व रसवाली मिठाइयां खराब हो जाएंगी,तो ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा. वैसे कुछ होटलों में समोसा, कचौरी, आलूचाप, वेजीटेबल चाप बनाने के लिए ज्यादा मात्रा में आलू-सब्जियां आदि उबाल कर रख लिया गया है, लेकिन बिक्री कम होने से माल की खपत कम हुई, तो उबाली सब्जियां खराब होने के कारण भी नुकसान पड़ा.

फुचका कारोबारी मदन गुप्ता बोले- पूंजियो डूब जाई

किशोरगंज चौक के पास ठेले पर फुचका बेंचनेवाले छोटे कारोबारी मदन प्रसाद गुप्ता बताते हैं कि महाजन से 20 हजार रुपया कर्ज लेकर फुचका तैयार कर रखा था. पूजा में बंपर बिक्री की उम्मीद थी, लेकिन मंगलवार को बारिश के कारण आधा से ज्यादा माल पड़ा ही रह गया. रात 12 बजे बजे तक ग्राहकों के इंतजार में ठेला लगाये रहे, लेकिन बारिश के कारण लोग कम ही निकले. आधा माल मेहरा गया, जिसका कोई मोल ही नहीं रहा. घर पर भी पर्याप्त मात्रा में फुचका छानकर तैयार रखा है. यदि बारिश ऐसे ही होती रही, तो सारा तैयार पुचका मेहरा कर बेकार हो जाएगा. दो दिन से खोंमचे में ऊपर ताक प्लास्टिक में पैक कर फुचका ला रहे हैं, लेकिन बिक्री कम होने के कारण आधा माल लौटा कर ले जाना पड़ता है. बार-बार प्लास्टिक हटाने से फुचका मेहरा भी जा रही है

260 ग्राम अफीम के साथ तस्कर धराया

संवाददाता। मेदिनीनगर

तस्कर की गिरफ्तारी की जानकारी देते एसडीपीओ.

जिले में पुलिस ने लाखों की अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार इजराइल आलम उर्फ गोल्डन पर अफीम की तस्करी का आरोप है. पुलिस ने इजराइल के पास से लाखों की अफीम की एक बड़ी खेप भी बरामद की है. पुलिस पूछताछ में उसने कई बड़े खुलासे किए हैं. जिसके बाद पुलिस आगे का अभियान चला रही है.

इजराइल अपने जूते में अफीम छुपाए हुए था. सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि टाउन थाना क्षेत्र के कचरवा डैम के पास अफीम की खरीद बिक्री होने वाली है. इसी सूचना के आलोक में टाउन थाना की पुलिस ने मौके पर रेड की और सर्च अभियान शुरू किया. पुलिस के सर्च अभियान को देख कर एक युवक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था. पुलिस ने भाग रहे युवक को दौड़ा कर पकड़ा और उससे पूछताछ की. एसडीपीओ ने बताया कि जूते में अफीम छुपाई गई थी, जिसका वजन 260.36 ग्राम है. पुलिस को कई जानकारी मिली है एवं एक व्यक्ति का नाम भी सामने आया है. इजराइल उर्फ गोल्डन तरहसी थाना क्षेत्र के जमना गांव का रहने वाला है. उसने पुलिस को बताया कि सदर थाना क्षेत्र के जमना के रहने वाले एक व्यक्ति ने उसे अफीम दी थी. छापेमारी में एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, टाउन थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार और इंस्पेक्टर सोनू कुमार आदि शामिल थे. एसडीपीओ ने बताया कि जूते में अफीम की खेप को छुपाया गया था, जिसका वजन 260.36 ग्राम है.

टीपीसी कमांडर हरेंद्र गंझू समेत दो उग्रवादी ढेर, एके 47 बरामद

चतरा। चतरा पुलिस और टीपीसी उग्रवादी के बीच मुठभेड़ हुई. यह घटना बुधवार की रात वशिष्ठनगर जोरी थाना क्षेत्र के बॉर्डर पर स्थित गनियोतरी जंगल में हुई. जहां एसपी विकास पांडेय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में सर्च अभियान पर निकली पुलिस टीम का सबजोनल कमांडर हरेंद्र गंझू दस्ते के मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलीबारी हुई. जिसमें हरेंद्र गंझू और ईश्वरी गंझू नाम का दो उग्रवादी मारे गए. इन उग्रवादियों के पास से एक एके 47 और एक देशी कट्टा बरामद हुआ है.

दो जवानों की हत्या में शामिल था हरेंद्र: चतरा में आठ फरवरी 2024 शाम टीपीसी उग्रवादियों और पुलिस के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी. यह मुठभेड़ हरेंद्र गंझू के दस्ते साथ हुई थी.इसमें पुलिस के दो जवान शहीद हो गए, जबकि तीन जवान जख्मी हो गए थे.शहीद जवानों में सुकन राम पलामू के तरहसी, जबकि सिकंदर सिंह गया के वजीरगंज के रहने वाले थे.

कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी को बरी किया

पलामू न्यायालय परिसर से बाहर निकलते केएन त्रिपाठी

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिला एमपी एमएलए कोर्ट के स्पेशल मजिस्ट्रेट अमित आकाश सिन्हा की कोर्ट ने चैनपुर थाना कांड संख्या 307/ 2019 के आरोपी पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. त्रिपाठी के विरुद्ध पथ निर्माण विभाग डाल्टनगंज के जेई राजीव रंजन ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी. जो चैनपुर थाना कांड संख्या 307/2019 तिथि 30 नवम्बर 2019 को भादवि की धारा 188 व 134 बी लोक प्रतिनिधित्व एक्ट के तहत दर्ज किया गया था.

दर्ज प्राथमिकी में त्रिपाठी पर आरोप था कि सूचक कोशियारा बूथ नम्बर 73,72,71,74,75 व 76 की डयूटी कर रहा था. इतने में 10:40 बजे केएन त्रिपाठी जो कांग्रेस के प्रत्याशी थे, बूथ पर आए, लोगों से पूछा- कैसी वोटिंग चल रही है. इसपर वोट करने वालों ने कहा ठीक है. तब उन्होंने कहा, देखेंगे इस पर लोग उग्र हो गए. उन्हें वापस जाने के लिए कहने लगे. जब त्रिपाठी ने जनता का उग्र रूप देखा तो उन्होंने अपनी पिस्टल निकाल ली. बोले- कोई हमसे नहीं सटेगा. इस पर लोगों ने उन्हें दौड़ा दिया. वह भागकर वहां से चले गए. कांगेस प्रत्याशी त्रिपाठी ने आचार संहिता का उल्लंघन किया तथा इनके द्वारा हथियार का प्रदर्शन किया गया. इस केस में 10 गवाहों की गवाही हुई. परन्तु अभियोजन आरोप साबित करने में असफल रहा. कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में निर्दोष पाते हुए केएन त्रिपाठी को बरी कर दिया.

केस से बरी होने पर त्रिपाठी ने कहा कि घटना के दिन मैंने कोई गोलीबारी नही की. झूठा आरोप मेरे ऊपर लगाया गया. मेरी गाड़ी पर हमला हुआ. जान मारने का प्रयास हुआ. फर्जी केस कर जनता को गुमराह किया. अंगरक्षकों ने मुझे बचाया. कोर्ट से मुझे न्याय मिला. सब दूध का दूध व पानी का पानी कर दिया.अब मुझे न्यायालय से न्याय मिल गया है.अब जनता के न्याय बाकी है.

प्रदर्शन अपनी मांगों को लेकर पांच अक्टूबर से राज्य की सेविका-सहायिकाएं हैं हड़ताल पर

38 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में लटके ताले, वोट बहिष्कार की धमकी

विशेष संवाददाता। रांची

रांची में प्रदर्शन करतीं आगनबाड़ी सेविकाएं-सहायिकाएं.

काम अधिक और पैसा सुविधा कम का नारे को लेकर पूरे राज्य भर के आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाएं हड़ताल पर हैं. राज्य के 38432 आंगनबाड़ी केंद्रों में विगत पांच अक्टूबर से ताले लटक गए हैं. इन्हें आशा थी कि आठ अक्टूबर को कैबिनेट की बैठक में राज्य की हेमंत सोरेन सरकार उनकी मांगों पर विचार करेगी और कोई निर्णय लेगी. मगर सरकार ने कोई विचार नहीं किया गया.

इससे नाराज आंगनबाड़ी केंद्रों के सहायिका और सहायिकाएं आर-पार के मूड में नजर आ रही हैं. झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका संयुक्त मोर्चा के रांची जिला अध्यक्ष सुमन कुमारी ने बताया कि अगर विधानसभा चुनाव की घोषणा के पूर्व सरकार कोई निर्णय नहीं लेती है तो इसका खमियाजा सरकार को उठाना पड़ेगा. चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा. उन्होंने बताया कि विगत 16 सितंबर को वे लोग मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी मांग को रखा.

सेविका और सहायिकाएं की ये हैं मांगे

- विभाग द्वारा जारी सेवा शर्त नियमावली की अधिसूचना संख्या 2238एवं 2239 दिनांक 30/09/2022 में आंशिक संसोधन के लिए पूर्व समर्पित आवेदन पर अविलंब विचार हो.
- **सहायक अध्यापक, पारा शिक्षकों के समान सेविका- सहायिका को मानदेय वेतनमान मिले. वृद्धि की जटिलताओं को दूर किया जाये ताकि समय पर बार्षिक मानदेय वृद्धि में कोई परेशानी नहीं हो.**
- मानदेय का भुकतान केंद्रांश एवं राज्यांश मद की राशि एक साथ ससमय हो तथा इसके समय पर भुगतान के लिए चक्रिय कोष की व्यवस्था हो.
- **सेवा निवृति के बाद सेविका को 10 लाख एवं सहायिका को 5 लाख एक मुस्त सेवा निवृति का लाभ भुगतान हो तथा अंतिम मानदेय का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में भुगतान की स्वीकृति दी जाए.**
- महिला पर्यवेक्षिका के पद पर शत प्रतिशत वरीयता के आधार पर आंगनबाड़ी सेविका को प्रोन्नति दी जाए.

फर्जी कागजात पर सिम कार्ड बेचने वाला गिरफ्तार

संवाददाता। चतरा

- आपराधिक समूहों द्वारा उपयोग किए जाने की पुष्टि के बाद की गई कार्रवाई

गांव निवासी वासुदेव यादव को पकड़ा गया.

सदर थाना पुलिस ने फर्जी कागजातों से सिम कार्ड विक्रेता को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान रूपेश कुमार, पिता बिगन रविदास, प्रखंड हंटरगंज, गांव चकला के रूप में हुई है. वह दूसरे के नाम पर सिम कार्ड लेकर ऊंची कीमत पर अन्य दूसरे व्यक्ति को बेचता था.

इस संबंध में सदर थानेदार विपिन कुमार ने बताया, डीआईजी उत्तरी छोटानागपुर द्वारा जिले में आपराधिक समूहों द्वारा की जा रही वारदातों की समीक्षा की गयी थी, जिसमें ऐसे कांडो में प्रयोग किये गये मोबाइल नंबरों को फर्जी कागजातों के आधार पर निर्गत किये जाने की पुष्टि हुई. उनका प्रयोग रंगदारी वसूलने में में किया जा रहा है. इसके विरुद्ध कार्रवाई के लिए अभियान चलाया गया. इस दौरान एक घटना में प्रयोग किया गया मोबाइल नंबर के धारक हंटरगंज थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव निवासी वासुदेव यादव को पकड़ा गया. उसने पुलिस को बताया कि सिम कार्ड विक्रेता द्वारा जालसाजी कर मेरे नाम का आवंटित सिमकार्ड किसी अन्य व्यक्ति को दे दिया गया है. उनके बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गयी.

इसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए सिम विक्रेता चकला निवासी रूपेश कुमार को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधी रूपेश कुमार को जेल भेज दिया गया है. छापामारी टीम में थाना प्रभारी के अलावा पुलिस अवर निरीक्षक हरीशचंद्र तिवारी व जिला बल के जवान शामिल थे.

ऐसे करता था जलसाजी : थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि सिम कार्ड विक्रता रूपेश अपनी दुकान में सिम लेने आने वाले व्यक्ति के साथ जालसाजी करता था. कोई एक सिम लेने पहुंचा तो उसका दो बार फिंगर प्रिंट ले लेता था. उसके नाम से दो सिम कार्ड निर्गत कर लेता था. इसके बाद उस व्यक्ति को एक सिम कार्ड देता था, और एक सिम ऊंची कीमत पर किसी अन्य व्यक्ति को बेचा करता था.

उसी सिम का उपयोग नक्सली व आपराधिक घटनाओं में उपयोग किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि इस तरह करने वाले सिम कार्ड विक्रेता व फर्जी सिम कार्ड का उपयोग करने वाले व्यक्ति को किसी भी हाल में नहीं बख्शा जाएगा.

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में नवरात्रि गरबा का आयोजन, कुलसचिव ने किया उद्घाटन

छात्र-छात्राओं ने जमकर किया डांडिया नृत्य

संवाददाता। हजारीबाग

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस सभागार में बुधवार को नवरात्रि गरबा का आयोजन आयोजन किया गया. इसकी शुरुआत कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने किया. इसके बाद विश्वविद्यालय के प्राध्यापक - प्रध्यापिकाओं व कर्मियों के अलावा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जमकर डांडिया नृत्य किया. कार्यक्रम में 50 से भी अधिक वैसे प्रशिक्षणार्थियों को भी शामिल किया गया था, जो आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित निशुल्क डांडिया कार्यशाला के हिस्सा थे.

कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि दुर्गोत्सव हमें यह सीख देता है कि अधर्म चाहे कितना भी बलशाली क्यों न हो, एक दिन वह धर्म के आगे घुटने जरूर टेकता है. उन्होंने बताया कि नवरात्रि में डांडिया और गरबा का विशेष महत्व होता है. साथ ही कहा कि ऐसे आयोजन से धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है और भाईचारे का संदेश भी फैलता है. बता दें कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जय अम्बे जगदम्बे मां गीत पर आकर्षक डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया. इसके बाद राम आएंगे, शहनाई-शहनाई, अंगना पधारो महारानी शारदा भवानी जैसे गीतों के शानदार प्रस्तुति पर सभी मौजूद लोगों के पांव जमकर थिरके. कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ प्रीति व्यास, कुमारी सीमा, डॉ रोजीकांत, डॉ रितेश कुमार, डॉ अरविंद कुमार, रविकांत, सबिता कुमारी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा. मौके पर प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं व कर्मियों में डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, सहायक कुलसचिव ललित मालवीय, एचआर राज तिवारी, एएफओ सौरभ सरकार, पीआरओ मो शमीम अहमद, माधवी मेहता, डॉ पूनम चन्द्रा मुकेश कुमार, विशाखा बाला, राहुल राजवार, पंकज प्रज्ञा, नागेश्वरी कुमारी, डॉ गीता कुमारी, डॉ जयदीप सन्याल, एसएनके उपाध्याय, सबा प्रवीण, डॉ दीपा गोस्वामी, संजय कुमार दांगी, डॉ ओमप्रकाश दास, डॉ सत्यप्रकाश विश्वकर्मा, प्रभात किरण, फरहीन सिद्दीकी, प्रतिभा हेंब्रम, उदय रंजन, प्रभात कुमार, राहुल कुमार, विजय लाल, प्रीति वर्मा, डॉ आलोक राय, यशवंत कुमार, कुंवरजीत कुमार, रोहित लाल, डॉ रंजीत कुमार, राजेश कुमार, मीना कुमारी, नीना कुमारी, ज्योति कुमारी, शुभा कुमारी, रोहित राणा, मनोज कुमार, शिवांजली के अलावा विद्यार्थियों में क्रांति, सुहानी, शहनवाज, काजल, विद्या, सचिन, ऋतिक, आर्यन, पम्मी आदि मौजूद थे.

राजा कुमार महेन्द्र नाथ सिंह ने पहली बार की थी मां दुर्गा की पूजा

105 वर्ष पुराना है नेभी गांव में दुर्गा पूजा का इतिहास

संवाददाता। चतरा

जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत एघारा पंचायत के बिहार सीमा पर स्थित नेभी गांव में 105 वर्षों से मां दुर्गा की पूजा की जा रही है. पुरोहित महेन्द्र मिश्रा तथा सहयोगी पुरोहित सौरभ कुमार मिश्रा द्वारा मुख्य श्रोता देवन यादव सहित कुल 20 श्रोता द्वारा विधिवत पाठ का श्रवण और अखंड दीप जलाया जा रहा है. दस दिन तक चलने वाले दुर्गा सप्तशती पाठ से नेभी गांव भक्तिमय हो गया है.

इस संबंध में मुख्य श्रोता व पूजा का नेतृत्व कर रहे देवन यादव ने बताया कि नेभी गांव में पहली बार वर्ष 1919 में राजा कुमार महेन्द्र नाथ सिंह द्वारा मां दुर्गा सप्तसती पाठ की शुरुआत की गई थी. इसके बाद उनके वंशज उपेन्द्रनाथ सिंह, भानुप्रताप सिंह, श्यामबिहारी सिंह व पुष्पेन्द्रनाथ सिंह की देखरेख में पाठ किया गया. इनके बाद यहां के बुद्धिजीवी, समाजसेवी, गणमान्य लोगों व युवाओं द्वारा संयुक्त रूप से मां दुर्गा सप्तसती का पाठ किया जा रहा है. इस पाठ में मुख्य श्रोता के आलावे अर्चना देवी, रिन्कु देवी, मनीता कुमारी, सोनम कुमारी, रूपा कुमारी, मंदीप कुमार, ऋषि कुमार, दीपक कुमार, नीतिश कुमार, मंदीप कुमार, अखिलेश कुमार, रोहित कुमार, मनीष कुमार, श्याम कुमार, सुप्रिया कुमारी, शोभा कुमारी, अभिषेक कुमार, सुमन कुमारी शामिल हैं. महा अष्टमी एवं नवमी तिथि को 24 घंटे का अखंड कीर्तन, हवन, कन्या पूजन के बाद महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष भुनेश्वर यादव, सचिव सुदामा मिस्त्री, कोषाध्यक्ष रामस्वरूप साव, रामसेवक साहु, रामप्रित साहु, कारू यादव, उमेश यादव, राजेश साहु, विकास साहु, राकेश कुमार यादव, विकास कुमार, मनोज दास, त्रिवेणी साव, राजु साहु, रामचन्द्र दास, गोबिन्द दास, अनुज कुमार, महेन्द्र साव, बिनोद यादव, प्रमोद साव, प्रदुमन साव, कपिल साव योगदान व सहयोग दे रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

आरएसएस के स्वयंसेवकों ने की शस्त्रों की पूजा

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत जोरी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 100वां स्थापना दिवस सह शस्त्र पूजन का विशेष कार्यक्रम बीच बाजार स्थित बड़ा मंदिर में मनाया गया. स्वयंसेवकों द्वारा शस्त्रों की पूजा की गई. मौके पर विशेष आमंत्रित सदस्य पंकज गुप्ता, झारखंड प्रांत मुख्य मार्ग प्रमुख नित्यानंद उपाध्याय, खंड कार्यवाह सतेंद्र यादव, प्रमुख कार्यकर्ता मनोज सिंह, कपिल रजक, रवि बजरंगी, अरविंद केसरी, परमानंद सरस, बिनोद तमोली, मुरारी आदि मौजूद थे.

पूजा पंडालों के पट खुले, मां देवी ने दिया दर्शन

रामगढ़। रजरप्पा कोयलांचल व चितरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में शारदीय नवरात्र के सप्तमी तिथि को विभिन्न पंडालों के पट खोल दिए गए हैं. इससे पूर्व रजरप्पा आवासीय कॉलोनी में बने भव्य पंडाल का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी व विशिष्ट अतिथि रामगढ़ जिप अध्यक्ष सुधा देवी, रजरप्पा जीएम कल्याणजी प्रसाद, पीओ आरके सिंह, एसओपी मनोज कुमार, मुखिया किरण कुमारी ने किया.

अरविंद बने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

चतरा। जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत बरवाडीह निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद कुमार ठाकुर को भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य मनोनीत किया गया है. इस आशय से संबंधित साहू ने पत्र जारी कर की है. उनका मनोनयन भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार साहू ने किया है. भाजपा नेता अरविंद ठाकुर को प्रदेश कार्य समिति सदस्य मनोनीत किए जाने पर ठाकुर को पत्थलगड़ा मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है.

सुरेखा प्रकाश भाई स्कूल बना चैंपियन

चौपारण। नवभारत जागृति केंद्र की ओर से संचालित प्रखंड के सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में चैंपियनशिप आयोजित की गई. इसका उद्घाटन डायरेक्टर ऑफ रायल औरकिट बरही अनुप कुमार, डायरेक्टर ऑफ श्रीदास इंटरनेशनल स्कूल देवचन्दा के रोहित कुमार एवं सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल के प्राचार्य रीना पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया. सुरेखा के खिलाड़ियों ने 42 स्वर्ण पदक जीत कर खिताब पर कब्जा जमाया. उपविजेता श्रीदास के खिलाड़ियों ने 25 स्वर्ण पदक जीते.

जुआरियों को लूटने आए थे अपराधी, सरगना गिरफ्तार, शेष फरार

अपराधियों की गोलीबारी में दो जुआरी घायल, एक रेफर

संवाददाता। हजारीबाग

इचाक क्षेत्र में अपराधियों का मनोबल ऊंचा

गंभीर रूप से घायल एक जुआरी अस्पताल में उपचाराधीन.

जिले के इचाक थाना क्षेत्र के चंदा दलित मोहल्ला के पास जर्जर आंगनबाड़ी भवन में जुआरियों को लूटने आए अपराधियों की गोलीबारी में दो जुआरी घायल हो गए. घटना मंगलवार बुधवार रात साढ़े 11 बजे की है. इस वारदात में चंदा गांव के शंकर प्रसाद मेहता (50) और अरुण मेहता उर्फ महतो (46) घायल हो गए. शंकर प्रसाद मेहता को पेट में गोली लगी है, जबकि अरुण उर्फ महतो की जांघ को छूती हुए गोली निकल गई गंभीर रूप से घायल शंकर को परिजन तत्काल सदर अस्पताल ले गए जहां से उन्हें रिम्स रेफर किया गया है. अरुण उर्फ महतो का इलाज स्थानीय स्तर पर किया गया.

घटना की सूचना मिलने पर इचाक पुलिस गश्ती दल में शामिल थाना प्रभारी संतोष कुमार, विरसा टूटी सुनील शर्मा, हवलदार संजय कुमार सिंह, आरक्षी आलोक कुमार सिंह, चौकीदार प्रकाश राम और धनेश्वर ठाकुर ने घटनास्थल पहुंचकर घटना की जानकारी ली. इस दौरान ग्रामीण ने बताया कि अपराधियों का सरगना भोला महतो झाड़ी में छुपा है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने भोला महतो के पास से 9 एमएम की एक देसी पिस्तौल, जबकि घटनास्थल से दो कारतूस 7.65 एमएम, जबकि 3.15 एमएम का एक खोखा बरामद किया गया है. इंस्पेक्टर शहीद रजा और थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि अपराधी सात की संख्या थे, जिनमें से तीन के पास हथियार थे. सरगना भोला महतो को गिरफ्तार किया गया है, जबकि छह अपराधी भाग निकले. बताया कि तीन अपराधियों की पहचान पुलिस ने कर ली है. शेष तीन अपराधियों की पहचान करने में पुलिस जुटी है. मामले में केस दर्ज करते हुए अपराधियों के सरगना भोला महतो को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. बताया कि भोला महतो के खिलाफ इचाक और थाना में लुट, चोरी, छिनतई और मारपीट के पांच मामले दर्ज हैं. वह हाल में ही जेल से छूटा था. बताया कि छह अपराधियों में दो रामगढ़, दो बख्तियारपुर बिहार और शेष इचाक के बताया जा रहे हैं, जो भोला के बुलावे पर जुआरियों लूटने आए थे. बता दें कि पुलिस की सुस्ती के कारण इचाक क्षेत्र में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है जिससे पुलिस की कार्यशैली पर उंगली उठने लगी है. हालांकि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि कुछ जुआरी जुआ खेल रहे थे और आपस में भीड़ गए. इसके बाद एक पक्ष ने गोली चलाकर घायल कर दिया है. हालांकि पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है एवं दो अन्य आरोपी फरार है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. जल्द फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा.

झामुमो युवा मोर्चा का गठन, अध्यक्ष बने संदीप करमाली

रामगढ़। सीसीएल रजरप्पा स्थित श्रमिक क्लब में झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक हुई. इसमें मुख्य रूप से मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष विनोद किस्कू व जिला उपाध्यक्ष चित्रगुप्त महतो मौजूद थे. बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा के साथ ही झामुमो चितरपुर युवा मोर्चा का गठन किया गया. इसमें प्रखंड अध्यक्ष संदीप करमाली, उपाध्यक्ष पिंटू कुशवाहा, सचिव सुभाष कुमार व कोषाध्यक्ष मो शफीक को बनाया गया.. जिलाध्यक्ष ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में झामुमो की सरकार बनेगी. राज्य की जनता वर्तमान सरकार से खुश है.

विकास योजनाओं का भूमि पूजन और शिलान्यास

रामगढ़। क्षेत्रीय विधायक सुनीता चौधरी ने मंगलवार को चितरपुर प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न विकास योजनाओं का भूमि पूजन कर उनका शिलान्यास किया. बड़कीपोना पंचायत के नव प्राथमिक विद्यालय फुलवार डुड़गी में चहारदीवारी एवं गेट, चितरपुर उत्तरी पंचायत के एनएच - 23 से सपन उपाध्याय के घर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. इन योजनाओं का निर्माण डीएमएफटी मद और जिला परिषद मद से किया जा रहा है. मौके पर रमेश दांगी, नरेंद्र दांगी, पंसस शंभु कुमार, सरिता देवी, अमृत कुमार, सुकेश उपाध्याय आदि मौजूद थे.

घंघरी से मां कुलेश्वरी तक पथ का होगा जीर्णोद्धार

चतरा जिले के प्रखंड हंटरगंज अंतर्गत घंघरी से वाया कटैया, पैनीकला, गारा, परमाचक, दंतार, कुसुम्भा, लेढो होते अंतरराष्ट्रीय धार्मिक सह पर्यटन स्थल मां कुलेश्वरी पर्वत तक जाने वाली 10.935 किलोमीटर पथ का जीर्णोद्धार 43.56437 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा. इसके लिए ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए पथ का चौड़ीकरण 5.5 मीटर करने, पथ में पड़ने वाले पुलों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा भू अर्जन सहित के लिए उपरोक्त राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है. सड़क का निर्माण हो जाने के बाद देश विदेश से आने वाले धर्म प्रेमियों के लिए यह सबसे सुगम मार्ग हो जाएगा. फिलहाल अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटक हंटरगंज होकर हटवरिया तक सड़क मार्ग से जाते हैं, उसके बाद 3 किलोमीटर की लंबी पहाड़ी चढ़ाई चढ़ने के बाद मां कुलेश्वरी का दर्शन करते हैं. ज्ञात हो कि मां कुलेश्वरी पर्वत तीन धर्म का संगम स्थल है.

डीसी ने दिया महिलाओं को पोषण के पंच-सूत्र का संदेश

हजारीबाग। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत बुधवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में उपायुक्त नैन्सी सहाय ने 25 नवजात बेटियों को नव वस्त्र, बेबी केयर किट तथा उनकी माताओं के पोषण हेतु अन्न और पौष्टिक आहार की टोकरी भेंट कर पोषण के पंच-सूत्र का संदेश दिया. उपायुक्त ने इस दौरान माताओं को अपने स्वास्थ्य तथा बच्चियों के स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया. साथ ही सरकार द्वारा बेटियों के कल्याणार्थ चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए उनका लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा, सिविल सर्जन सरयु प्रसाद, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल अधीक्षक विनोद कुमार आदि उपस्थित थे.

अनीश चेस अकादमी का पहले सेमिनार का समापन

हजारीबाग। डीवीसी चौक स्थित डीवीसी क्लब में अनिस चेस अकादमी का पहला सेमिनार और पुस्तक विमोचन कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हुआ. इसमें मुख्य अतिथि संजय कुमार, निदेशक, भूमि सरंक्षण, डीवीसी, विशेष अतिथि श्री विजय सिंह, पूर्व डीएसपी और अध्यक्ष, एचडीसीए, अमित कुमार सील, वरीय महाप्रबंधक, टीएससी, डीवीसी और अतिथि अफजल अनिस, प्रदेश महासचिव, यूनाइटेड मिल्ली फोरम और पूर्व अध्यक्ष, बीडीसीए मौजूद रहे. कार्यक्रम का मंच संचालन जेरंगडीह के बलेश्वर नृत्य, आशीष, और आकाश नायक ने किया. आशीष और आकाश नायक ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया. इसके बाद फिडे रेटिंग प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिनमें वेदांत राजेश (धनबाद) - 1602 रेटिंग, वन्या (गुरुग्राम)- 1400 रेटिंग, बिदुषी (जमशेदपुर) - 1521 रेटिंग, कमल शेख (बोकारो) - 1420 रेटिंग, विग्नेश साहू (बोकारो) - 1590 रेटिंग शामिल थे. बेस्ट अनरेटेड परफॉर्मर का पुरस्कार मो. गुलजार अंसारी को प्रदान किया गया.

झारखंड-बंगाल सीमा पर बनी गोशाला में भेजा जा रहा है उत्तरप्रदेश में जब्त मवेशियों को

संवाददाता। चौपारण

पशु तस्करों का नया खेल, बड़ा सवाल क्या उत्तर प्रदेश में नहीं है गोशाला

जीटी रोड पर एक बार फिर से पशु तस्कर सक्रिय हो गए हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रतिदिन रात के अंधेरे में लगभग दो दर्जन से अधिक गाड़ियों से अवैध पशुओं की तस्करी की सूचना मिल रही है. तस्करी में हजारीबाग के एक पशु तस्कर का बड़ा हाथ होने की बात दबे जुबान से कही जा रही है. मंगलवार रात को जीटी रोड में एक बड़ा मामला प्रकाश में आया, जो कई सवालों को जन्म दे रहा है.

दरअसल प्रखंड के जीटी रोड के पास दो डीसीएम में जानवर लदे देख कुछ लोगों ने वाहनों को रुकवाया तो ट्रक के चालक ने ऐसे कागजात दिखाए कि सभी की आंखें फंटी की फंटी रह गईं. पश्चिम बंगाल के डीसीएम नम्बर गाड़ी संख्या डब्लू बी 23 डी 0044 के चालक ब्रह्मदेव राम, ग्राम पोस्ट-जहांगीरपुर, थाना-महुआ, जिला वैशाली, बिहार ने बताया कि सभी पशुओं को झारखंड बॉर्डर स्थित चाकुलिया गोशाला लेकर जा रहे हैं. चालक द्वारा यूपी के चंदौली जिला के अलीनगर थाना का एक एफआईआर कॉपी भी दिखाई गई, जिसमें केस संख्या 0251, दिनांक 30/09/2024 गोहत्या निवारण अधिनियम उत्तर प्रदेश की धारा 3/5ए/8 और पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1960 धारा 11 और भारतीय न्याय संहिता बीएनएस धारा 325 के तहत मामला दर्ज किया गया है. उसके आठ दिन बाद 8 सितंबर को 24 गोवंशीय पशुओं (दो गाय और 22 बैल) की मेडिकल रिपोर्ट भी दिखाई गई. अलीनगर थाने का सुपुर्दनामा भी दिखाया गया, जिसमें पकड़े गए सभी पशुओं को ध्यान फाउंडेशन (दिल्ली) चकौलिया गौशाला झारखंड को सुपुर्द करने की बात दर्ज है. ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये उठता है कि यूपी में भी कई गोशाला हैं, लेकिन उन नजदीकी गोशालाओं में पकड़े गए पशुओं को न भेजकर झारखंड बॉर्डर पर चौकिलया गोशाला में भेजने का पेपर जारी करने का क्या मतलब है. ऐसे में गहनता से जांच होने पर पूरी सत्यता सामने आ सकती है.

उपेंद्र नाथ वर्मा इंटर महाविद्यालय के कर्मियों ने मानदेय वृद्धि की मांग उठाई

शिक्षा पदाधिकारी और प्राचार्य पर उठे सवाल

संवाददाता। चतरा

उपेंद्र नाथ वर्मा इंटर महाविद्यालय के कर्मियों ने मानदेय वृद्धि को लेकर सांसद, मंत्री और उपायुक्त से गुहार लगाई है. कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी मेहनत को अनदेखा किया जा रहा है और वे अत्यंत कम मानदेय पर काम कर रहे हैं. इससे उनके पारिवारिक भरण पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.

कर्मियों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से शासी निकाय की बैठक में मानदेय वृद्धि का मुद्दा उठाया जा रहा है. कर्मियों ने जानकारी दी कि जिला शिक्षा पदाधिकारी जो कि इस प्रक्रिया के प्रमुख हैं, बार-बार इसे टालते आ रहे हैं. हाल ही में प्राचार्य ने स्पष्ट किया कि अप्रैल 2024 से मानदेय का भुगतान रोक दिया गया है, जब तक मानदेय में वृद्धि नहीं की जाती यह स्थिति कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय है. क्योंकि वे अपनी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं. परिवार को संभालने के लिए आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. 16 अगस्त को कर्मचारियों ने हड़ताल का सहारा लिया था, लेकिन जिला शिक्षा पदाधिकारी ने इस मुद्दे पर कोई सकारात्मक पहल नहीं की. कर्मियों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के मद्देनजर उनके मानदेय में तत्काल वृद्धि की जानी चाहिए.

इस मामले में झारखंड सरकार के मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने जुलाई 2024 में तदर्थ कमेटी की बैठक का आयोजन किया था और सभी मांगों का शीघ्र निष्पादन करने का आश्वासन दिया था. इसके बावजूद जिला शिक्षा पदाधिकारी और प्राचार्य ने इसे गंभीरता से नहीं लिया. कर्मचारियों का आरोप है कि शिक्षा पदाधिकारी जानबूझकर मामले को लटका रहे हैं.

दुर्गा पूजा में सहायक अध्यापकों को मानदेय भुगतान पर संशय

चतरा। दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर जिले में कार्यरत लगभग 3200 सहायक अध्यापकों के घरों के किचन फीकी रहने की संभावना है. सहायक अध्यापकों का मानदेय दुर्गा पूजा में अभी तक नहीं मिला है. इसके साथ ही गुरुवार से सरकारी छुट्टी घोषित है.। ऐसे में मानदेय नहीं मिलने की पूरी संभावना बनी हुई है, जिससे सहायक अध्यापकों के साथ ही परिजनों व बच्चों को दुर्गा पूजा में मिठाई भी नसीब नहीं होने वाली है.

कई सहायक अध्यापकों ने बताया कि दुर्गा पूजा में भी मानदेय नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है. जिला अध्यक्ष कृष्णा पासवान ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार सहायक अध्यापकों का दुर्गा पूजा में मानदेय भुगतान को लेकर जिला शिक्षा परियोजना कार्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति सरकार के पोर्टल पर अपलोड किए जाने का काम जारी है. आज दोपहर तक अगर उपस्थिति अपलोड हो जाता है, और ऐसा ही राज्य के सभी 24 जिलों से अपलोड करने का काम किया जाता है तो राज्य सरकार के द्वारा अध्यापक उपस्थिति के अनुसार मानदेय का एडवाइस बनाकर संबंधित बैंकों को भेज दिया जाएगा. अगर ऐसा आज नहीं हो सका तब दुर्गा पूजा में मानदेय मिलने की संभावना नहीं के बराबर है. इस तरह मानदेय भुगतान को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है.

अच्छी पहल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपायुक्त नैंसी सहाय का सार्थक प्रयास ला रहा रंग

सैंकड़ो ऑपरेशन से नित्य बन रहे नए-नए कीर्तिमान

संवाददाता। हजारीबाग

डीएमएफटी मद के सदुपयोग से हर क्षेत्र में हो सकता है विकास : उपायुक्त

डीएमएफटी मद से जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा किया गया सार्थक प्रयास अब रंग ला रहा है. शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक विभाग में अब तक कुल 49 हिप रिप्लेसमेंट (कूल्हा प्रत्यारोपण) और 21 टोटल नी रिप्लेसमेंट (घुटना प्रत्यारोपण) ऑपरेशन किए गए हैं. पहले इस तरह के ऑपरेशन की सुविधा रांची और बड़े शहरों में ही उपलब्ध थी. डीएमएफटी की ओर से ऑर्थोपेडिक विभाग में सभी सुविधाओं वाला आधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर बनवाया गया है, ताकि हजारीबाग और आसपास के जिलों के लोगों को हड्डी से संबंधित सभी तरह के इलाज की सुविधा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ही मिल सके.

गायनोकोलॉजी विभाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के गायनोकोलॉजी विभाग में इस वर्ष सितंबर तक सफ़लतापूर्वक 301 सिजेरियन ऑपरेशन और 500 से अधिक नॉर्मल डिलीवरी हुई है जो निश्चय ही उल्लेखनीय कार्य है. बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जिले के कई स्वास्थ्य केंद्र सम्मानित भी हुए हैं. मैटर्निटी ओटी और लेबर रूम प्रमाणीकरण प्रक्रियाधीन हैं. सभी दस्तावेजीकरण किया जा रहा है और आंतरिक मूल्यांकन में दोनों विभागों का स्कोर 80 प्रतिशत से अधिक है. डीएमएफटी मद से दोनों विभागों का नवीनीकरण किया है एवं गायनोकोलॉजिस्ट, स्टाफ नर्स, ओटी सहायक और पैरामेडिक्स आदि रिक्त पदों पर कर्मी उपलब्ध कराए गए हैं. उपायुक्त और उप विकास आयुक्त द्वारा सीएसआर फंड का उपयोग करके पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक मॉड्यूलर ओटी का निर्माण कराया जा रहा हैं ताकि हजारीबाग और आसपास के जिलों के लोगों को गायनोकोलॉजी से संबंधित उपचार शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ही मिल सके.

ईएनटी विभाग: शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग के ईएनटी विभाग में ईएनटी से संबंधित 28 बड़े ऑपरेशन किए गए, जिनमें टिम्पेनोप्लास्टी, मास्टोइडेक्टोमी, राइनोलिथ, प्रीऑरिकुलर साइनस और थायरोग्लोसल सिस्ट शामिल हैं. डीएमएफटी मद से ईएनटी विभाग में एक ईएनटी विशेषज्ञ, स्टाफ नर्स और ऑडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था की है, ताकि हजारीबाग और आसपास के जिलों के लोगों को ईएनटी से संबंधित बड़े ऑपरेशन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग में उपलब्ध हो सकें.

शोभा कुमारी ने स्वर्ण पदक पर जमाया कब्जा

- प्लस टू हाई स्कूल कटकमसांडी के वूशु खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जलवा बिखेरा

संवाददाता। हजारीबाग

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची की ओर से रांची खेल गांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव स्टेडियम में 7 और 8 अक्टूबर को आयोजित वूशु के राज्य स्तरीय स्कूली एसजीएफआई खेल प्रतियोगिता में प्लस टू हाई स्कूल कटकमसांडी के खिलाड़ियों ने अंडर 17/19 बालक- बालिका के विभिन्न भारवर्ग में 1 स्वर्ण, 6 रजत, 4 कांस्य के साथ कुल 11 पदक विद्यालय की झोली में डाला. शारीरिक शिक्षा के शिक्षक सह कोच सरोज मालाकार ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में हमारे 16 वूशु खिलाड़ियों ने भाग लिया था. हमारे खिलाड़ी कम सुविधा होने के बावजूद राज्य में अपना परचम लहरा रहे हैं. वहीं प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय कुमार मसीह विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जिस वूशु खेल को 5 साल पहले इस क्षेत्र के ग्रामीण खिलाड़ी जानते भी नहीं थे, आज राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपना जीत का परचम लहरा रहे हैं जो एक बड़ी बात है. पदक विजेता खिलाड़ियों में अंडर 17 बालिका शोभा कुमारी स्वर्ण, सोनम कुमारी रजत, अंजली कुमारी कांस्य, अंडर-19 बालिका राखी कुमारी रजत, अंडर 17 बालक में अमन कुमार रजत, अमित सांगा कांस्य, अंडर -19 बालक में विकास कुमार को रजत, मो.सैफ अंसारी रजत, नीलकमल शर्मा रजत, धनराज कुमार कांस्य, पतरस नाग को कांस्य पदक मिला. स्वर्ण और रजत पदक विजेता 7 खिलाड़ी राज्य स्तरीय वूशु कैंप में भाग लेंगे, जहां फाइनल चयन के बाद राष्ट्रीय स्कूली वूशु प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे.

ब्रीफ खबरें

शस्त्र पूजन सह पथ संचलन आयोजित

सिमडेगा। कोलेबिरा में मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी के द्वारा आयोजित शस्त्र पूजन सह पथ संचलन कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न हुआ. इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया, जिन्होंने शस्त्रों के साथ शोभा यात्रा निकाली. यह यात्रा थाना मोड, कोलेबिरा से शुरू होकर बानो रोड स्थित बरवाडीह मोड़ तक पहुंची. इस कार्यक्रम में महिलाओं ने शक्ति का प्रदर्शन करते हुए समाज में सुरक्षा और शक्ति का संदेश दिया. कोलेबिरा में नारी शक्ति स्वरूपा दुर्गा वाहिनी की अगुवाई में शस्त्र पूजा और पदयात्रा का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया गया.

टेंसेर भंडारटोली में दुर्गा मंडप की हुई प्राण प्रतिष्ठा

सिमडेगा/ केरसई। केरसई प्रखंड के टेंसेर पंचायत अंतर्गत भण्डारटोली में दुर्गा मंडप का प्राण प्रतिष्ठा किया गया. प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व सैकड़ो की संख्या में महिलाओं द्वारा बेलधोवा नदी से जल उठाकर कलश यात्रा भी की गयी साथ ही आचार्य परमेश्वर पंडा द्वारा पूजन हवन कर साथ ही समाजसेवी हरि प्रसाद द्वारा नारियल फोड़ कर दुर्गा मंडप का प्राण प्रतिष्ठा किया गया जिसमें यजमान के रूप में पूजा में बैठे थे.प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कई राजस्व ग्राम के पहान भी मौजूद थे.

ट्रैक्टर दुर्घटना में कई लोग घायल

मझिआंव। थाना क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुरा मुख्य पथ पर करुई गांव में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल में टक्कर मारते हुए खाई में चली गई. जानकारी के अनुसार करुई उप स्वास्थ्य केन्द्र में कार्यरत एएनएम निलू कुमारी मामूली रूप से घायल हो गई एवं ट्रैक्टर पर सवार दो मजदूर बिहार के बेगूसराय जिला निवासी वीर सिंह के पुत्र मुकेश कुमार एवं मुन्नीलाल सिंह के पुत्र धर्मेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. वहीं घायलों को मझिआंव अस्पताल में प्राथमिक उपचार करते हुए गंभीर रूप से घायल मुकेश कुमार एवं धर्मेंद्र कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु जिला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

कांडी में मनरेगा कर्मियों ने की बैठक

कांडी। प्रखंड कार्यालय के सभागार कक्ष में बुधवार को प्रखंड के सभी मनरेगा कर्मियों की बैठक बीपीओ कमलेश कुमार की अध्यक्षता में की गई. बैठक में मनरेगा योजना संबंधित कई बिंदुओं पर गहनता से चर्चा की गई. बैठक में उपस्थित रोजगार सेवकों को बीपीओ ने कई दिशा निर्देश दिया. जिसमें लंबित योजना तथा पूर्ण हो चुके टीसीबी मेढ़बंदी या अन्य योजना को अविलंब बंद करना, तथा आम बागवानी तथा अबुआ आवास योजना में मजदूरों की भुगतान कराए जाने का निर्देश दिया गया. मौके पर कनीय अभियंता योगेंद्र यादव आदि शामिल थे.

एसडीपीओ के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च

रमना। एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह, पुलिस निरीक्षक रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी अनिमेष शान्तिकारी ने बुधवार रमना थाना मोड़ से मड़वानिया पंचायत भवन तक फ्लैग मार्च निकाला. फ्लैग मार्च थाना मोड़ से आरंभ हुआ जो मुर्ति टोला, रमना बाजार, बाईबाकी मोड़ मुख्य पथ होते चटनिया, सर्वेश्वरी चौक, हरिगणेश मोड़, भगत सिंह चौक होते थाना परिसर मे पहुंच कर समाप्त हुआ. इस दौरान एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह ने पूजा पंडालो में सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लेते हुए आयोजन समिति को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार के दौरान भ्रामक सूचनाओं के प्रचार-प्रसार से बचे.

उंटारी रोड में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

उंटारी रोड। उंटारी रोड थाना क्षेत्र के जोगा गांव निवासी ओम कुमार गुप्ता (18) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. जानकारी के अनुसार मृतक ओम कुमार गुप्ता मंगलवार की रात खाना खाकर अपने रूम मे सोने चला गया. बुधवार की सुबह गांव के दुर्गा पूजा पंडाल से पूजा कर घर लौटे उसके पिता मनोज कुमार गुप्ता व माता ने ओम कुमार के नहीं जगने पर जब बंद दरवाजे के बगल से देखा तो ओम फांसी के फंदे से झूल रहा था.परिजनों ने घटना की सूचना उंटारी रोड पुलिस व आसपास के लोगों को दी. सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को फांसी के फंदे से उतारा.

वित्त मंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सांसद ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना 13 सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

सुविधाओं का विस्तार करना हमारी प्राथमिकता: रामेश्वर

संवाददाता। लोहरदगा

13 सड़कों का शिलान्यास करते मंत्री व पूर्व राज्यसभा सांसद.

स्थानीय विधायक सह वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू लोहरदगा विधानसभा अंतर्गत मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 13 सड़को का शिलान्यास किया जिसमें कुड़ू प्रखंड ग्राम फुलसुरी मोड़ कुडु प्रखंड अंतर्गत फूलसूरी कोठी टोला मोड़ से मदीना नगर तक पथ निर्माण 1.15 किमी, ग्राम जोंजरो कुडु प्रखंड अंतर्गत ग्राम जोंजरों से नाम नगर तक पथ निर्माण 2.30 किमी, ग्राम सढाबे कैरो प्रखंड अंतर्गत सढाबे बेल कुंवर देव आदिवासी मसना से कोयल नदी तक पथ निर्माण 1.30 किमी, ग्राम बक्सी कैरो प्रखंड अंतर्गत ग्राम बख्शी से ग्राम गोपालगंज तक पथ निर्माण 1.25 किलोमीटर, ग्राम नगजुआ कैरो प्रखंड अंतर्गत पीडब्ल्यूडी रोड़ अमानत के घर से रेलवे स्टेशन तक पथ निर्माण 1 किलोमीटर, ग्राम नरौली मोड कैरो प्रखंड अंतर्गत पीडब्ल्यूडी रोड़ से नरौली मोड़ से गराडीह तक पथ निर्माण 1.30 किलोमीटर, ग्राम कुम्हरिया अम्बा टोली भंडरा प्रखंड अंतर्गत कुम्हरिया अम्बा टोली से ग्राम कसपुर तक पथ निर्माण 1.20 किलो, ग्राम कचमची भंड़रा प्रखंड अंतर्गत कचमची मुख्य पथ का सुदृढीकरण कार्य ग्राम अरकोसा लोहरदगा प्रखंड अंतर्गत अरकोसा मुख्य पथ का सुदृढीकरण कार्य, ग्राम किस्को प्रखंड अंतर्गत ग्राम चरहु में सोहन साहू के घर से फुलझर नदी तक पथ निर्माण1.66 किलोमीटर ग्राम पतरातु किस्को प्रखंड अंतर्गत पतरातू देवी मंडप से महतो टोली तक पथ निर्माण 1.70 किलोमीटर ग्राम सलगी गरभु टोली कूडू प्रखंड अंतर्गत सलगी मुख्य पथ से गर्भु टोली राजकुमार भगत के घर तक पथ निर्माण 1.35 किलोमीटर, कोलसिमरी कूडू प्रखंड अंतर्गत ग्राम कोलसिमरी से ग्राम लवागाई तक 1.55 किलोमीटर सड़कों के निर्माण कार्य शुभारंभ होगा. इस अवसर पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि काफी दिनों से लोहरदगा कि जनता की मांग की थी गांव से प्रखंडों को जोड़ने वाली सड़कें क्षतिग्रस्त थी जिससे आवागमन बाधित होती थी एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी जिस पर हमने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन पर संज्ञान लिया और सड़कों के निर्माण कार्य के लिए विभाग में आवश्यक कदम उठाए फलस्वरूप. आज लोहरदगा जिले में 13 पथों का शिलान्यास किया जा रहा, ज़िले की बुनियादी सुविधाओं का विकास करना हमारी प्राथमिकता है इसके लिए मैं प्रयासरत हूं. मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, प्रदेश प्रतिनिधि डॉ अजय शाहदेव आदि शामिल थे.

15 करोड़ की लागत से बनेगा मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी गढ़वा की पहचान : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

खास बातें

- स्पोर्ट्स हब बनने की दिशा में अग्रसर है गढ़वा, मिली बड़ी उपलब्धि
- स्विमिंग पूल, वॉलीबॉल कोर्ट, बैडमिंटन हॉल, टीटी की मिलेगी सुविधा

गढ़वा स्पोर्ट्स हब बनने की ओर तेजी से अग्रसर है. इस दिशा में जिले को बहुत बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है. खेल एवं खिलाड़ियों के लिए गढ़वा को दशहरा का बहुत बड़ा तोहफा मिला है. जिला मुख्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय परिसर में तीन एकड़ भूमि में लगभग 15 करोड़ रुपए की लागत से मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कंपलेक्स का निर्माण किया जाएगा. इसमें कई खेलों की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की जाने की भी सुविधा उपलब्ध होगी. पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है. यह पलामू प्रमंडल सहित पूरे झारखंड, पड़ोसी राज्यों बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश आदि के लिए गढ़वा खेल का केंद्र बनेगा.

जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि इस मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंडोर एवं आउटडोर खेलों की सुविधा होगी. खिलाड़ियों के अलावा सभी उम्र के अन्य लोगों के लिए फिटनेस एवं खेल प्रतियोगिता की भी व्यवस्था होगी. आउटडोर गेम में राष्ट्रीय स्तर का वॉलीबॉल कोर्ट, नेट सिस्टम, मार्किंग एवं सीटिंग एरिया सहित खिलाड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर हाई क्वालिटी का फ्लोरिंग होगा. इंडोर गेम में बैडमिंटन हॉल होगा. इसमें कई कोर्ट बनेंगे. इसमें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भी आयोजित की जा सकेगी. साथ ही यहां राष्ट्रीय स्तर का अत्याधुनिक स्विमिंग पूल बनाया जाएगा. इसमें प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता आयोजन की व्यवस्था, चेंजिंग रूम, सवार फैसिलिटी, गेमिंग, दर्शकों के लिए गैलरी होगा. यह स्विमिंग पूल पूरी तरह से कवर्ड होगा. इसमें राष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की जा सकेगी. इस परिसर में सर्व सुविधा संपन्न जिम की व्यवस्था होगी. वर्कआउट के लिए अत्याधुनिक मशीन, फ्री वेट कार्डियो इक्विपमेंट के साथ ग्रुप फिटनेस क्लास की भी व्यवस्था होगी. इसमें सर्टिफाइड ट्रेनर होंगे. साथ ही इंडोर गेम में टेबल टेनिस सेक्शन होगा. इसमें मल्टीपल टेबल होंगे. यहां टीटी की राष्ट्रीय स्तर की भी प्रतियोगिता आयोजित की जा सकेगी. कुश्ती एवं बॉक्सिंग एरिना बनेगा. इसमें सभी सेफ्टी इक्विपमेंट के साथ बॉक्सिंग रिंग, रेसलिंग मैट बनाए जाएंगे.

जरूरतमंदों की सेवा करना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य : मंत्री

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने नवरात्र के पावन मौके पर बुधवार को अपने आवास पर दिव्यांगो के बीच ई-ट्राई साइकिल का वितरण किया. मंत्री श्री ठाकुर ने विभिन्न प्रखंडों के 30 गरीब दिव्यांग जनों को ई-ट्राई साइकिल एवं हेलमेट प्रदान किया. तत्पश्चात उन्हें मिठाई खिलाकर एवं हरी झंडी दिखाकर अपने-अपने घर के लिए रवाना किया. बैटरी चालित यह ई-ट्राई साइकिल एक घंटे की फुल चार्जिंग में लंबी दूरी तय करेगी. मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गरीब, असहाय एवं जरूरतमंदों की सेवा करना बहुत बड़ा पुणीत कार्य है. शुरू से ही वे इस प्रकार के कार्यां में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं. नवरात्र के पावन मौके पर झामुमो जिला कमिटी ने अपने सेवा कार्यां के तहत दिव्यांग जनों के बीच ई-ट्राई साइकिल वितरण करने का निर्णय लिया. इसके आलोक में आज 30 लोगों के बीच वितरित किया गया. आगे भी आवश्यकतानुसार अन्य जरूरतमंद दिव्यांगों को उपलब्ध कराया जाएगा. इस ई-ट्राई साइकिल से इनका जीवन शैली काफी आसान हो जाएगा. वे अपने गांव सहित शहर में भी सुगमतापूर्वक आवागमन कर सकते हैं. अपने दैनिक कार्यां के निष्पादन में इन्हें काफी सहुलियत होगी.

कोयल मिस्त रेस्टोरेंट व होटल का हुआ उद्घघाटन

लोहरदगा। मिशन चौक स्थित टाइनी टास्क के निकट कोयल मिस्त रेस्टोरेंट और होटल का उद्घाटन किया गया. इस बीच रेस्टोरेंट का उद्घाटन पूर्व राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू द्वारा फीता काटकर किया गया. इस उद्घाटन समारोह में रेस्टोरेंट और होटल के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रवीण कुमार सिंह और उनकी धर्म पत्नी विद्या सिंह, टाइनी टास्क के डायरेक्टर आजातशत्रु और जाह्नवी सिंह, झारखंड भाजपा कार्यसमिति सदस्य ओम प्रकाश सिंह, डॉ गणेश प्रसाद, डॉ रीता चौधरी, देवाशीष कॉर, शिशिर केशरी निशीथ जायसवाल, चंद्र किशोर प्रसाद सुनील अग्रवाल भास्कर सिंन्हा एसके झा रघुवीर शर्मा अशोक पोद्दार विपिन कुमार सिंह प्रणव सिंह मनोज जायसवाल सहित भारी संख्या में नगर के गण्यमान जन उपस्थित थे

रमना में निकाली गई कलश यात्रा,उमड़ी भीड़

रमना। प्रखंड में सभी पूजा पंडालों के पट सप्तमी की पूजा के बाद खुल गए. सिलीदाग दुर्गा मंदिर, नव युवक संघ दुर्गा मंदिर, मानस मंदिर रमना, मगरा पूजा समिति, भागोडीह दुर्गा पूजा समिति, कर्णपुरा दुर्गा मंदिर, रमना सूर्या क्लब दुर्गा पूजा समिति, रमना बाजार दुर्गा मंदिर, रमना बीचे दुर्गा पूजा समिति, छापरदागा दुर्गा पूजा समिति, बुलका दुर्गा पूजा, गम्हरिया दुर्गा क्लब, सहित कई जगहों पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां दुर्गे के स्थापित प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई. रमना दुर्गा मंदिर पूजा समिति ने कलश यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई और मुख्य सड़क होते हुए झुरहा नदी गई. जहां सभी ने नदी का पवित्र जल वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद कलश में भरा और कलश यात्रा अपने मंदिर परिसर में पहुंचे. कलश यात्रा में बबलू पांडेय, उमेश पाठक एवं कमेटी सिलीदाग पंचायत के लोग शामिल थे.

पदाधिकारियों ने किया पूजा पंडालों का निरीक्षण

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

भंडरा बीडीओ प्रतीमा कुमारी, सीओ दुर्गा कुमार और भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दुर्गा पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था तथा तैयारी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया. इधर बीडीओ प्रतिमा कुमारी सीओ दुर्गा कुमार व थाना प्रभारी अरविंद सिंह के द्वारा पुलिस बल के साथ प्रखंड क्षेत्र के सभी दुर्गा पूजा पंडालों व अन्य जगहों में स्थापित हो रही दुर्गा प्रतिमाओं और पंडाल का जायजा लिया गया. इस बीच पदाधिकारियों के द्वारा पूजा समिति को भी आवश्यक निर्देश देते हुए पूजा पंडाल के पास नियंत्रण कक्ष बनाने के साथ-साथ अग्निशमन वाहन की व्यवस्था, जनरेटर के लूज तार को दुरुस्त करने के साथ-साथ कई अन्य निर्देश दिये बीडीओ ने बताया कि दशहरा के दौरान प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों जगहों पर पूजा अर्चना की जाती है .

आदिवासी जमीन बचाओ अभियान ने समाहरणालय का घेराव किया

संवाददाता। लातेहार

बुधवार को जिला पहड़ा एवं आदिवासी संगठनों के द्वारा आदिवासी जमीन बचाओ अभियान के तहत समाहरणालय का घेराव किया गया. इसकी अध्यक्षता पहड़ा राजा प्रभु दयाल सिंह ने किया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री देव कुमार धान शामिल हुए. उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की जमीन को लूटा जा रहा है. जमीन की प्रवृति को बदल कर आदिवासियों की जमीन हड़पी जा रही है. बीजेपी, कांग्रेस और झामुमो आदिवासियों की रक्षा की बात तो करते है, लेकिन वे ही आदिवासियों की जमीन को लूट रहे हैं.उन्होने इसकी सीबीआई जांच कराने की मांग की. कहा कि कोई भी जमीन बिना ग्राम सभा की अधिग्रहण नहीं किया जा सकता है. उन्होने सामाजिक और धार्मिक सरोकार की जमीन जैसे पहनई, मुंडारी,पुजार, महतोई कोटवारी आदि जमीन की चिन्हित कर रक्षा करने की मांग की. जिला पहड़ा राजा प्रभु दयाल सिंह ने कहा कि वर्ष 1989-90 में हुए सर्वे में 75 प्रतिशत जमीन में गड़बड़ी हुई है. इसका पुनः सर्वे करा कर सुधार करना आवश्यक है.

धरना के वजह से वापस लौटे डीसी

समाहरणालय के मुख्य द्वार में धरना प्रदर्शन होने के की वजह से जिले के आला अधिकारियों को कार्यालय जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. डीसी उत्कर्ष गुप्ता अपने कार्यालय से आवास के लिए निकले, लेकिन धरना प्रदर्शन देख पुन: कार्यालय चले गए. डीडीसी सुरजीत कुमार सिंह को पैदल अपने आवास जाते देखा गया. कई अधिकारी भी को दूसरे रास्ते से आवागमन किया.

एसडीओ व पूर्व मंत्री में हुई बहस

सूचना मिलने के बाद एसडीओ अजय रजक समाहरणालय पहुंचे. उन्होने धरना समाप्त करने का आग्रह किया. इस पर पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने कहा कि आदिवासी अपने हक और अधिकार की लड़ाई के लिए आंदोलन कर रहे हैं. धरना की सूचना पूर्व में दी जा चुकी है .इस पर एसडीओ अजय रजक ने कहा कि धरना की कोई सूचना पहले नहीं मिली है.

बिश्रामपुर विस रायशुमारी और परिवर्तन यात्रा के बाद मात्र दो नामों को भेजा गया

रामाशीष या डॉ ईश्वर के नाम पर लग सकती है मुहर

संवाददाता। मेदिनीनगर

खास बातें

- रायशुमारी में विधायक के पुत्र का हुआ था विरोध
- रामाशीष यादव लगातार लोगों के बीच करते रहे काम

भाजपा ने आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं. सूत्रों का कहना है कि झारखंड बीजेपी यूनिट ने झारखंड के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से तीन-तीन उम्मीदवारों की सूची तैयार की है. इस सूची में शामिल नामों में से एक नाम पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह राज्य यूनिट की अहम बैठक में अंतिम मुहर लगा सकती है. हालांकि बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से सिर्फ दो नामों को फाइनल किया गया है. एक युवा नेता रामाशीष यादव एवं दूसरा नाम वर्तमान विधायक रामचन्द्र चंद्रवंशी के बेटे डॉ ईश्वर सागर चन्द्रवंशी का है. जहां एक ओर रामाशीष यादव अपने सेवा कार्य, जबरदस्त जनसमर्थन एवं अपने लोकप्रिय छवि की बदौलत टिकट की मांग कर रहे हैं, तो वहीं चंद्रवंशी अपने पिता के विधायकी के भरोसे टिकट की आस में बैठे हैं. दरअसल रामचन्द्र चंद्रवंशी पिछले दस सालों से बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं. इन दस सालों में उनके नाम कोई बड़ी या खास उपलब्धि नहीं रही है.

विकास कार्य या अन्य सामाजिक कार्यों से वे लगातार दूरी बनाए रखे थे. जनता से उनका सीधा संपर्क रहा ही नहीं. जनता के बीच में उनकी लोकप्रियता खत्म हो चुकी है. अब चुनाव के वक्त में उनका भारी विरोध शुरू हो चुका है. खुद पार्टी के कई सदस्य एवं बिश्रामपुर के वरिष्ठ नेतागण उनका विरोध कर रहे हैं और बिश्रामपुर से नए चेहरे की मांग कर रहे हैं. दो दिनों पहले पार्टी के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नेता रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय के समक्ष विरोध में धरना-प्रदर्शन करने पहुंचे थे. यह नाजुक स्थिति है. ऐसे में पार्टी का विरोध होने का भी खतरा हो सकता है और भाजपा यह जोखिम नहीं लेगी.वहीं रामाशीष यादव मजबूत दावेदारी पेश करते नजर आ रहे हैं.

न्यूज अपडेट

सीओ के नेतृत्व में भंडरा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

भंडरा/लोहरदगा। दुर्गा पूजा को लेकर भंडरा पुलिस प्रशासन ने आज बुधवार को सीओ दुर्गा कुमार और थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाली. फ्लैग मार्च भंडरा थाना से निकलकर कुंबाटोली होते हुए कोढ़ी चौक, विवेक नौडीहा चौक, होते चट्टी बाजार पहुंच समाप्त किया. लोगों को निर्देश देते हुए सीओं दुर्गा कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं आपसी सौहार्द बनाए रखें. आपस में किसी से उलझे नहीं. साथ ही थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने कहा कि मेंन रोड और सभी पूजा पंडाल में बाइकर की ऊपर पैनी नजर रहेगी सड़कों पर वाहन धीरे चलाएं. पुलिस द्वारा निकाली गई फ्लैग मार्च में भंडरा थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी एसआई पप्पू कुमार, एसआई शाकिर अली, एएसआई राजीव कुमार आदि शामिल थे.

समाजसेवी किशोर भगत निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव

कैरो/लोहरदगा। कैरो प्रखंड क्षेत्र के सढाबे निवासी समाज सेवी किशोर भगत 2024 विधानसभा चुनाव में लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनवा लड़ने को लेकर तैयारी में जुटे.उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बाहरी को तरजीह देते है. जिससे पार्टी में असंतोष बढ़ता जा रहा है .इस परिस्थिति में क्षेत्र की जनता तीसरा विकल्प के रूप में प्रत्याशी ढूंढ रही है. जिसमें मैं खरा उतरने का प्रयास करूंगा. उन्होंने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कैरो परखण्ड से जिला परिषद चुनाव में 8000 हजार मतदाताओं ने भरोसा जताया था.अब मैं निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधानसभा चुनाव लड़क़र चुनाव जीत कर पूरे जिला का सेवा करना चाहता हूं.

नवरात्र नारी सम्मान का प्रतीक है: बलराम साहू

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र अंतर्गत थाना टोली के बगल पर चंद्रशेखर आजाद चौक तेतरतर दुर्गा पूजा समिति पंडाल का फीता काटकर व मां की आरती कर विधिवत रूप से उद्घाटन आजीवन संरक्षक बलराम साहू के द्वारा किया गया. मौके पर भक्तजनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा जैसे सार्वजनिक आयोजन से सामाजिकता बढ़ती है. बलराम साहू ने कहा कि पूजा पाठ के साथ लोग एक-दूसरे से मिलते हैं. यह पर्व त्योहार हमारी सभ्यता, संस्कृति के अलावा भाईचारे का भी प्रतीक है और हम सभी इस शक्ति की पूजा करते हैं. उन्होंने कहा कि नौ दिनों तक दुर्गा की भक्तजन पूजा अर्चना करते हैं, इसलिए कि माता अत्याचार, दुराचार से समाज को बिगाड़ने वाले तत्वों का संहार करती है. इस बीच पंडाल उद्घाटन में चंद्रशेखर मिश्रा, दिलीप कास्यंकार, गोपी कुंवर, रामजतन साहू, रामकुमार साहू, विकास वर्मा, रणधीर सिन्हा, संजय गुप्ता, सुरेंद्र साहू आदि शामिल थे.

लोहरदगा में बड़े शहरों की तर्ज पर बनाये गये पंडाल

लोहरदगा। जिले में नवरात्र के बाद दुर्गोत्सव को लेकर आयोजन समिति की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. यहां पर शहरी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में एक से बढ़कर एक पूजा पंडाल बन कर तैयार है.अधिकांश का उदघाटन हो चुका है,कुछ का आज होगा. दुर्गोत्सव को लेकर किस्को प्रखंड क्षेत्र में लोगों का उत्साह चरम पर है.बता दें कि किस्को प्रखंड के ग्राम किस्को, अरेया, पतगेच्छा, नवाडीह, खरचा एवं जनवल में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जा रही है. प्रखंड क्षेत्र में दुर्गा पूजा का इतिहास काफी पुराना है. नवाडीह गांव में दुर्गा पूजा की शुरुआत विगत साल 1967 से प्रभु साहू द्वारा की गई थी जो आज तक पूरी निष्ठा और लगन के साथ दुर्गा पूजा मनाने का कार्यक्रम जारी है. पूर्वजों के अनुसार नवाडीह में साल 1967 से 1995 तक प्रभु साहू द्वारा पूजा की जिम्मेवारी ली जाती थी.

टाउनशिप दुर्गा मंदिर पूजा समिति ने निकाली कलश यात्रा

भवनाथपुर। प्रखंड में सभी पूजा पंडालों के पट सप्तमी की पूजा के बाद खुल गए. टाउनशिप दुर्गा मंदिर, सीडी दुर्गा मंदिर, रेलवे साइडिंग पूजा समिति, झुमरी पूजा समिति, सिंदूरिया दुर्गा पूजा समिति,अरसली उतरी दुर्गा मंदिर, कोन मंडरा दुर्गा पूजा समिति, भवनाथपुर बाजार दुर्गा मंदिर, सिंधीताली दुर्गा पूजा समिति, बनखेता दुर्गा पूजा समिति, झगड़ाखाड दुर्गा पूजा, जय माँ भवानी क्लब प्रखंड परिसर, बुका लगड़ी समिति सहित कई जगहों पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां दुर्गे के स्थापित प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई. टाउनशिप दुर्गा मंदिर पूजा समिति ने कलश यात्रा निकाली. कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ हुई और मुख्य सड़क होते हुए सिंदुरिया नदी गई. जहां सभी ने नदी का पवित्र जल वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद कलश में भरा और कलश यात्रा अपने मंदिर परिसर में पहुंचे.

मिशन वात्सल्य योजना एक परिचय पर कार्यशाला आयोजित

लोहरदगा। लोहरदगा प्रखंड कार्यालय में मिशन वात्सल्य योजना एक परिचय विषय पर मुख्य अतिथि सेन्हा जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की की अध्यक्षता में संपन्न हुई. सेन्हा प्रखंड जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की के द्वारा संबंधित कार्यशाला में उद्बोधन कि आज हमारे समाज में बाल सुरक्षा अति महत्वपूर्ण विषय है. परवेज आलम संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थानिक देखरेख , लोहरदगा के द्वारा कार्यक्रम में मिशन वात्सल्य अंतर्गत बाल संरक्षण एवं बाल अधिकार विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान देते हुए कहा कि बाल सुरक्षा व बाल अधिकार हेतु भारत सरकार के द्वारा प्रतिबद्ध रूप से एक कानून किशोर न्याय अधिनियम तहत मिशन वात्सल्य योजना लागू है. जिसके अंतर्गत जिला में जिला प्रशासन ,पुलिस प्रशासन एवं न्यायिक प्रशासन के माध्यम से कटिबंध रूप से कार्य किया जा रहा है.

भारतीय संस्कृति में विवाह एक संस्कार है:प्रेमलता

पाटन (पलामू)। पाटन प्रखंड के सकल दीपा में 40 वा चरित्र मानस नवाह पारायण यज्ञ सह दुर्गा पूजा में प्रवचन कन्याएं प्रेमलता मध्य प्रदेश भोपाल प्रवचन के दौरान कहां की भारतीय संस्कृति में विवाह एक संस्कार है. हमारे यहां हस्बैंड वाइफ सोहर बेगम नहीं है .बल्कि कन्या लक्ष्मी की रूप है और बार विष्णु का रूप है लक्ष्मी और विष्णु का मिलन ही बर कन्या का मिलन है. सत्य और शक्तिमान का भक्ति और ज्ञान का मिलन ही सीताराम का मिलन है. सीता जी जनक के हल चलाने से उत्पन्न हुई भगवान श्री राम जब दूल्हा के रूप में आए तो अनेक लोगों ने उनको देखा ब्रह्मा की आठ आंख है .फिर भी वह पश्चाताप कर रहे हैं .जब तूने सोचना चाहिए था कि दो आंख वाले भी स्वामी कार्तिकेय 12 आंख से देख रहे हैं.

विधायक प्रतिनिधि ने ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया

सिमडेगा। कोलेबिरा विधायक प्रतिनिधि सुलभ नेल्सन डुंगडुंग श्यामलाल प्रसाद मंडल अध्यक्ष राकेश कोनगाडी ने ग्रामीणों के साथ फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया. कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत डॉन बॉस्को स्कूल जामटोली में विधायक कोलेबिरा के पहल से ट्रांसफार्मर लगाया गया तथा उनके प्रतिनिधियों कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी के द्वारा फीता काट कर उद्घाटन किया गया ग्रामीणों के द्वारा पार्टी के पदाधिकारी को सूचित किया गया था पिछले 1 माह से ट्रांसफार्मर खराब था जिसके चलते विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही थी और ग्रामीणों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा था.मौके पर कोलेबिरा विधानसभा यूथ अध्यक्ष अमृत डुंगडुंग राकेश कोनगाडी डॉन बॉस्को फादर ज्योतिष किंडो अनिल मुंडा कुलदीप टेटे अनूप सोरेंग तथा ग्रामीण उपस्थित रहे.

दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ भव्य उद्घाटन

आपका हुनर तय करता है आपकी तरक्की: हुसैन

संवाददाता। किस्को/लोहरदगा

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते उद्घाटन कर्ता हुसैन अंसारी व अन्य.

किस्को प्रखंड के ग्राम पंचायत नवाडीह के नीनी फुटबॉल मैदान पर आइडियल फुटबॉल क्लब का दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता का उद्घाटन कर्ता हिंदी दैनिक अखबार शुभम संदेश के लोहरदगा जिला ब्यूरो चीफ हुसैन अंसारी, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी नुसरत अंसारी, कनवर लाल खान, टूर्नामेंट के अध्यक्ष जसीम अंसारी, तबारक हुसैन अंसारी, रामा उरांव व अन्य के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया. यहां पर उद्घाटन मुकाबला नूर क्लब बाला टोली और रामपुर के बीच में खेला गया, जिसमें नूर क्लब बाला टोली की टीम अपने प्रतिद्वंद्वी रामपुर को 0-1 शून्य से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया. टूर्नामेंट के उद्घाटन कर्ता हिंदी दैनिक अखबार शुभम संदेश के लोहरदगा ब्यूरो चीफ हुसैन अंसारी ने कहा कि खिलाड़ी अनुशासित तरीके से प्रदर्शन करें तो निश्चित रूप से कामयाबी हासिल होगी. उन्होंने कहा कि अनुशासन सफलता की असली कूंजी होती है,लक्ष्य निर्धारित कर प्रदर्शित करने से मंजिल हर हाल में हासिल होती है. वहीं विशिष्ट समाजसेवी नुसरत अंसारी ने खिलाड़ियों और आयोजन

अभिव्यक्ति का अधिकार

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है. निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये राहतकारी है जो राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर होने पर दमन का शिकार बने. कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई. कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं. निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह का शिकार बने हैं. ये आने वाला वक्त बताएगा कि कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में सरकारें अपनी रीति-नीतियों में कितना बदलाव करती हैं. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की. शीर्ष अदालत ने इस तरह उन सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया जो आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं. देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे. बाकायदा संसद में विपक्षी सांसद अखबार की प्रतियां लहराकर खुली बहस की मांग किया करते थे. यही वजह है कि हालिया टिप्पणी के दौरान शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े संविधान के अनुच्छेद की याद दिलायी. इस तरह कोर्ट ने बेबाकी से सत्ता की निरंकुशता के खिलाफ मुखर रहे पत्रकारों को संबल ही प्रदान किया है. यह विडंबना है कि कई राज्यों में सत्ताधीशों ने तल्ख आलोचना, कार्टून बनाने तथा सोशल मीडिया पर की गई आलोचना को लेकर दुराग्रह दिखाया. इसमें मुकदमे दर्ज करने , गिरफ्तारी और जेल के सीखचों के पीछे डालने के मामले भी सामने आए. राजनेताओं में अब आलोचना के प्रति वह सहिष्णुता नजर नहीं आती, जो समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं की अपरिहार्य शर्त है.हाल के वर्षों में देखा गया है कि राजनेता किसी आलोचनात्मक टिप्पणी के बाद आक्रामक मुद्रा में आ जाते हैं. यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं. हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं. ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है. निश्चित तौर पर ऐसे कदम दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं. विगत के वर्षों में शीर्ष अदालत व्यापक संदर्भों में कह चुकी है कि सरकार की आलोचना करने को राष्ट्रद्रोह की संज्ञा नहीं दी जा सकती. इसके बावजूद निरंकुश सत्ताधीश अपनी हरकतों से बाज नहीं आते.

> उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह का शिकार बने हैं. ये आने वाला वक्त बताएगा कि कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में सरकारें अपनी रीति-नीतियों में कितना बदलाव करती हैं.

सुभाषित

शब्दात्मिका सुविमलर्ग्यजुषां निधानमुद्गीथरम्यपदपाठवतां च साम्नाम्।
देवी त्रयी भगवती भवभावनायवार्ता च सर्वजगतां परमार्तिहन्त्री॥

आप शब्दरूपा हैं, अत्यन्त निर्मल ऋग्वेद, यजुर्वेद तथा उद्गीथ के मनोहर पदों के पाठ से युक्त सामवेद का भी आधार आप ही हैं. आप देवी, त्रयी (तीनों वेद) और भगवती (छहों ऐश्वर्योंसे युक्त) हैं. इस विश्वकी उत्पत्ति एवं पालनके लिये आप ही वार्ता (खेती एवं आजीविका) के रूपमें प्रकट हुई हैं . आप सम्पूर्ण जगत् की घोर पीड़ाका नाश करनेवाली हैं.

सामाजिक जीवन में कोहराम के रूबरू

भारत में एक और अनेक का द्वंद्व बहुत पुराना है. दुनिया भर के तर्क-वितर्क के बाद भी एक देववाद या अद्वैतवाद दार्शनिक रूप से सिद्ध और मान्य हो जाने के बाद भी व्यवहार में बहुदेववाद की ही प्रतिष्ठा कायम रही है. भारत की संस्कृति, जीवनयापन शैली, प्रकृति आदि में विविधता का स्वाभाविक विन्यास रहा है. यहां राजनीतिक रूप से अनेकता में एकता की बात तो, बहुत की जाती है.

• देश-काल

प्रफुल्ल कोलख्यान

अभी भारत के राजनीतिक वातावरण में कई तरह की प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही हैं. इन प्रतिध्वनियों का संबंध भारत के इतिहास के अनसुलझे सवालों, अनसुनी आवाजों के टकरावों से तो है ही, सुलझाये जा चुके सवालों को वर्तमान में फिर से उलझाने, सम्मानजनक तरीके से समायोजित आवाजों में नई उग्रता भरने से भी कम नहीं है. इन आवाजों से सामाजिक जीवन में भीतरी उथल-पुथल मच रही है. इस उथल-पुथल का कोहराम सतह पर भी जब-न-तब दिख जाता है.

आज खड़ी की जा रही कई समस्याओं की गुत्थियों को खोलने की कोशिश से इन आवाजों में पैदा की गई अतिरिक्त संवेदनशीलता के राजनीतिक मर्म को समझा जा सकता है. कई आवाजों में एक आवाज हिंदू-मुसलमान से संबंधित है, एक आवाज वर्ण-व्यवस्था से संबंधित है, एक आवाज भारत-राज्य के संघात्मक ढांचा से संबंधित है. 'इंडियन नेशन' और 'इंडियन स्टेट' के फर्क को मिटा देने या एक का दूसरे का एवजी बनाने और बताये जाने का दुर्निवार बुरा असर संघात्मक ढांचा पर पड़ना अनिवार्य है. जाहिर है कि भारत सुलझे हुए सवालों के उलझावों के नये षड़यंत्र में फंसकर अपनी ऊर्जा का अधिकांश बर्बाद कर रहा है.

भारत में एक और अनेक का द्वंद्व बहुत पुराना है. दुनिया भर के तर्क-वितर्क के बाद भी एक देववाद या अद्वैतवाद दार्शनिक रूप से सिद्ध और मान्य हो जाने के बाद भी व्यवहार में बहुदेववाद की ही प्रतिष्ठा कायम रही है. भारत की संस्कृति, जीवनयापन शैली, प्रकृति आदि में विविधता का स्वाभाविक विन्यास रहा है. यहां राजनीतिक रूप से अनेकता में एकता की बात तो, बहुत की जाती है. एकता में अनेकता के सम्मान की बात इन दिनों थोड़ी कम ही की जाती है.

मूल बात यह है कि 'एकता' की रक्षा के लिए ही अनेकता में एकता के तत्वों की तलाश की जा सकती है. एकता का मकसद अनेकता को समाप्त करना नहीं हो सकता है; ऐसा मकसद होने की आशंका मात्र से भारत की अनेकता भारत की एकता के विरुद्ध हो सकती है. कहने का आशय यह है कि अनेकता की स्वीकृति एकता की शर्त है. अनेकता को खंडित करने की कोई भी दृष्टि भारत की एक को ही खंडित करने की स्वीकृति की तरफ ले जाती है.

यह ठीक है कि आधुनिक भारत का गठन 'नेशन स्टेट' के रूप में हुआ है, फिर भी 'नेशन' और 'स्टेट' यानी 'राष्ट्र' और 'राज्य' के वास्तविक फर्क को भुलाया नहीं जा सकता है. माना जा सकता है कि राष्ट्र में भी बहुत सारे राजनीतिक तत्व घुल-मिल गये हैं, और राज्य में भी बहुत सारे सांस्कृतिक तत्व घुल-मिल गये हैं. इस घुलने-मिलने से कुछ सकारात्मक तत्व भी हासिल होते हैं, तो कुछ तत्व नकारात्मक भी होते हैं.

घुलने-मिलने के सकारात्मक तत्वों के सक्रिय होने से ही भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति की धार फूटती है. यह तब होता है जब घुलने-मिलने की यह प्रक्रिया स्वचालित और स्वाभाविक ढंग से चलती रहती है. इस में किसी भी तरह से राजकीय हस्तक्षेप होने लगे तो सहमिलानी गंगा-जमुनी संस्कृति में संकट के निकट होने का लक्षण दिखने लगता है; कोई लक्षण दिख रहा क्या! नहीं दिख रहा! दिखता है क्या!

समझना जाना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र और राज्य के तत्वों के घुलने-मिलने की स्वचालित और स्वाभाविक प्रक्रिया में बार-बार राजकीय हस्तक्षेप की कोशिश कर रहे हैं. इस हस्तक्षेप से घुलने-मिलने का नकारात्मक तत्व अधिक सक्रिय हो जा रहा है. राष्ट्रीय स्वयं-सेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की राजकीय कोशिश से भारत-राज्य में संस्कृति के तत्वों के लिए जगह बनाई जा रही है और भारत-राष्ट्र में राजनीति के तत्वों के लिए जगह बनाई जा रही है.

यह नहीं भूलना चाहिए कि राष्ट्र मूलतः प्रकृति के साहचर्य और सहमेल में बनी नृवंशीय संरचना होता है. इस संरचना में जीवंत और मृत दोनों तत्व होते हैं. राष्ट्र और राज्य के आंतरिक संबंध को समझने में विक्रम-बेताल का रूपक बहुत कारगर हो सकता है. इस रूपक में जीवित-तत्व पर मृत-तत्व लदा हुआ रहता है. न्याय का सवाल मृत-तत्व के पास होता है और जवाब जीवित-तत्व को देना होता है. जीवित-तत्व के जवाब से संतुष्ट होकर मृत-तत्व फिर से नृवंशीय वृक्ष पर. रूपक का इस्तेमाल सिर्फ समझने-समझाने के लिए ही किया जाता है, उसे किसी भी अर्थ में हूबहू और एक ही नहीं माना जा सकता है. इस से समझने में मदद मिलती है, बस इतना ही.

राष्ट्र की आंतरिक शक्ति का मूल स्रोत इतिहास और इतिहास के प्रति लिखित-अलिखित जन-धारणा में होता है. राज्य का संबंध इतिहास से नहीं भविष्य की काल्पनिकताओं और योजनाओं से होता है. जिस प्रकार से इतिहास का मृत-तत्व वर्तमान को बहुत परेशान करता है, उसी तरह से भविष्य की काल्पनिकताओं का निष्फल-तत्व भी बहुत परेशान करता है. परेशानी इतिहास से जुड़ी हो या भविष्य से, उस का निश्चित संबंध किसी-न-किसी प्रकार के भ्रम से जरूर होता है.

इस भ्रम को अधिक घनीभूत करने के लिए इतिहास को भविष्य की तरह से और भविष्य को इतिहास की तरह से पेश किया जाता है. राष्ट्र और राज्य को विक्रम-बेताल के रूपक के माध्यम से थोड़ा-सा ठहरकर ठीक-ठीक समझ लेने के बाद, यह भी माना जा सकता है कि लदे होने के बावजूद विक्रम और बेताल का फर्क बना रहता है. विक्रम को बेताल और बेताल को विक्रम नहीं माना जा सकता है. जाहिर है कि राष्ट्र और राज्य को एक नहीं माना जा सकता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | डॉ. मयंक मुरारी

सृजनधर्मा प्रकृति की आराधना

शक्ति की साधना सृजनधर्मा प्रकृति की आराधना है. अस्तित्व में सृजनशील प्रकृति को मातृशक्ति, आद्यशक्ति, भगवती देवी के रूप में उपासना जगत में रस की धारा की खोज है, जो जड़ों से जोड़ती है और समष्टि की सोई चेतना को जागृत करती है. इस कारण भारतीय जीवन में वाग्देवी, पृथ्वी, लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा, अंबा, भारती, इड़ा जलदेवी, रात्रिदेवी, वनदेवी, अरण्यानी, उषा (सुबह), संध्या (शाम) आदि विभिन्न रूप में प्रकृति को व्यक्त और अव्यक्त करनेवाली देवियां हैं. सृजन करनेवाली पृथ्वी माता है, धन-धान्य देनेवाली लक्ष्मी का रूप ऐश्वर्य का है, विद्या देनेवाली सरस्वती अपने शुद्ध सात्विक रूप में और बल तथा शक्ति देनेवाली काली सदैव करुणा बरसाने वाली और अहंकार का दमन करनेवाली रूप में रहती है. यह दुर्गा अपने विविध रूपों में चामुंडा, काली, वाराही, वैष्णवी, पार्वती होती है. यह नव दुर्गा के रूप में जयंती, मंगला, काली, कपालिनी, दुर्गा, शिवा, क्षमा, धात्री, स्वाहा, स्वधा होती है. वहीं शक्ति कभी दशविद्या के रूप, कभी महाशोडषी के रूप में प्रतिष्ठित होती है. माता का रूप अनंत है. जब वह शिव के साथ कैलाश पर विराजती है, तब वह पर्वत पुत्री पार्वती का रूप धारण करती है. वही जब शिव के साथ समाज निर्माण और व्यवस्था के लिए काशी नगरी में गृहस्थ के रूप में रहती है, तब उन्होंने अन्न की भगवती अन्नपूर्णा का रूप धारण किया. सृष्टिकत्री एवं वनस्पतियों की अधिष्ठात्री के रूप में, उर्वरता के रूप में, जीवन और सृजन तथा प्रगति के रूप में मातृदेवी के प्रति निष्ठा और प्रतिष्ठा सदैव ही भारतीय जनमन का केंद्रीय भाव रहा है. प्रकृति की शक्ति सदैव हमको जगाती है. अस्तित्व की ऊर्जा हर क्षण प्रवाहित हो रही है. लेकिन हमारा अंतर्जगत सुप्तावस्था में रहता है. ऋतु संक्रमण के माध्यम से शक्ति अपनी ऊर्जा को जागरण का कारण बनाती है. अस्तित्व की वह ऊर्जा ही शक्ति का निनाद है. वह निनाद हमारे अंतर्नाद को चोट करता है. वह अवसर प्रदान करता है कि हम जगत के सौंदर्य को पहचाने. अस्तित्व की खिलावट को महसूस करे. जगतजननी की अनुकंपा जब बरसने लगती है, तब हमारे अंदर पात्रता का भाव आता है. देवी पाठ के माध्यम से ध्वनि के द्वारा अपने भीतर हम नाद पैदा करते हैं. इससे हमारी ऊर्जा को विस्तार मिलता है. मार्यकण्डेय पुराण में वर्णित ये सात सौ श्लोक अपने शब्द संयोजन की ध्वनि से हमारे अंदर के तिमिर का नाश कर उसे अक्षत आलोक से उदभाषित करते हैं.

युवाओं के सपनों से खेल रही है बढ़ती बेरोजगारी

• बेरोजगारी

सत्य नारायण

भारत में बेरोज़गारी तेजी से बढ़ रही है. भले ही लोगों का विकास नहीं हो रहा हो, पर बेरोज़गारी में लगातार 'विकास' देखने को मिल रहा है. करोड़ों मज़दूर और पढ़े-लिखे नौजवान, जो शरीर और मन से दुरुस्त हैं और काम करने के लिए तैयार हैं, उन्हें काम के अवसर से वंचित कर दिया गया है और मरने, भीख मांगने या अपराधी बन जाने के लिए सड़कों पर धकेल दिया गया है. आर्थिक संकट के ग़हराने के साथ हर दिन बेरोज़गारों की तादाद में बढ़ोत्तरी होती जा रही है. बहुत बड़ी आबादी ऐसे लोगों की है, जिन्हें बेरोज़गारी के आंकड़ों में गिना ही नहीं जाता लेकिन वास्तव में उनके पास साल में कुछ दिन ही रोज़गार रहता है या फिर कई तरह के छोटे-मोटे काम करके भी वे मुश्किल से जीने लायक कमा पाते हैं. हमारे देश में काम करने वालों की कमी नहीं है, प्राकृतिक संसाधनों की कोई कमी नहीं है, जीवन के हर क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास और रोज़गार के अवसर पैदा करने की अनन्त सम्भावनाएँ मौजूद हैं, फिर भी आज देश में बेरोज़गारी आसमान छू रही है.

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे हो चुके हैं. मोदी सरकार ने बेरोज़गारी के आंकड़े जारी करने पर तो बहुत पहले रोक लगा दी थी और अब सरकार ने रोज़गार के सवाल पर बात करना भी बन्द कर दिया है. इसके बावजूद तमाम कोशिशों के बाद भी सरकार सच्चाई को नहीं छुपा पा रही है. आई.एल.ओ की रिपोर्ट की माने तो हर साल लगभग 70-80 लाख युवा श्रम बल में शामिल होते हैं, लेकिन 2012 और 2019 के बीच, रोज़गार में वृद्धि लगभग न के बराबर हुई – केवल 0.01 प्रतिशत. वहीं, इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि 2022 में शहरी युवाओं (17.2 प्रतिशत) के साथ-साथ ग्रामीण युवाओं (10.6 प्रतिशत) के बीच भी बेरोज़गारी दर बहुत अधिक है. शहरी क्षेत्रों में महिला बेरोज़गारी दर 21.6 प्रतिशत के साथ काफ़ी अधिक है. आई.एल.ओ की इस रिपोर्ट से पता चलता है कि मोदी सरकार ने कम वेतन वाले अनौपचारिक क्षेत्र के रोज़गार का प्रतिशत बढ़ा दिया है, जिनमें किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा नहीं होती है. 2019-22 तक औपचारिक रोज़गार 10.5 प्रतिशत से घटकर 9.7 प्रतिशत हो गयी. इसके अलावा, भारत की केवल 21 प्रतिशत कार्य शक्ति के पास नियमित वेतन वाली नौकरी है, जो कि कोविड के पहले के समय से 24 प्रतिशत थी.

> आज किसी भी औद्योगिक इलाक़े में जाकर देखें तो कारख़ानों के गेट पर 'हेल्पर/कारीगर चाहिए' की तख़्ती लटकती दिख जायेगी. रोज़ सुबह गेट पर मज़दूरों की भीड़ इकट्ठा होती है जिसमें से ठेकेदार या फोरमैन कम से कम मज़दूरी पर काम कराने के लिए कुछ लोगों को चुनकर बाक़ी को वापस भेज देते हैं.

आज किसी भी औद्योगिक इलाक़े में जाकर देखें तो कारख़ानों के गेट पर 'हेल्पर/कारीगर चाहिए' की तख़्ती लटकती दिख जायेगी. रोज़ सुबह गेट पर मज़दूरों की भीड़ इकट्ठा होती है जिसमें से ठेकेदार या फोरमैन कम से कम मज़दूरी पर काम कराने के लिए कुछ लोगों को चुनकर बाक़ी को वापस भेज देते हैं. शहरों में 'लेबर चौक' पर मज़दूरों की मण्डियां लगती हैं, जिसमें खड़े होने वाले मज़दूरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, और काम न मिलने पर निराश वापस जाने वालों की भी तादाद पहले से बहुत ज़्यादा है. बढ़ती बेरोज़गारी का आलम यह है कि इन मज़दूर मण्डियों में अच्छी-खासी डिग्रियां लिये हुए नौजवान भी खड़े मिल जाते हैं. पूंजीपति बेरोज़गार मज़दूरों की मौजूदगी को काम पर लगे हुए मज़दूरों का शोषण-उत्पीड़न बढ़ाने के लिए 'ट्रम्प कार्ड' के रूप में इस्तेमाल करता है. पूंजीपतियों और उनके चमचों के मुंह से ऐसी बातें अक्सर सुनी जा सकती हैं : "सौ मज़दूरों का इन्तज़ाम करने से ज़्यादा मुश्किल है सौ कुत्ते ढूंढ़ना." या, "इतने पर काम नहीं करना है, तो भाग जाओ, बाहर एक के बदले दस खड़े हैं लाइन में." पूंजीपति इतना आक्रामक क्यों है? क्योंकि कारख़ाने के गेट के बाहर हज़ारों-हज़ार बेरोज़गार मज़दूर मौजूद हैं. पूंजीपति कारख़ाने के अन्दर के मज़दूरों को धमकाने और उनकी मज़दूरी कम करने के लिए इन बेरोज़गारों का इस्तेमाल करता है.

पूंजीवादी व्यवस्था के अन्दर लोगों का एक हिस्सा हमेशा बेरोज़गार ही रहता है. बेरोज़गारी की यह स्थिति पूंजीपतियों के लिए फ़ायदेमन्द साबित होती है क्यूंकि जितने ज़्यादा मज़दूर रोज़गार के लिए क़तारों में खड़े होंगे, पूँजीपति उजरतों को तय करने की सौदेबाजी में अपना पक्ष उतना ही मज़बूत करने में सफल होते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

चुनावी बांड : क्या सच कभी उजागर होगा

• चुनाव

राजेन्द्र शर्मा

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके सह-आरोपी बनाए गए कर्नाटक के भाजपा के नेताओं तथा ईडी अधिकारियों ने बेशक राहत की सांस ली होगी. कर्नाटक हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ चुनावी बांड के नाम पर, अवैध हफ्ता वसूली के आरोपों की जांच पर अपने अंतरिम आदेश के जरिए फिलहाल रोक लगा दी है. आरोपियों में से एक, भाजपा नेता नलिन कुमार कतील की याचिका पर, अंतरिम आदेश में हाईकोर्ट के एकल पीठ ने उन्हें उक्त राहत दी है. याचिका में उस प्राथमिकी को ही चुनौती दी गयी है, जिसमें कतील व अन्य को नामजद किया गया है. याद रहे कि एक गैर-सरकारी संगठन की याचिका पर, एक विशेष अदालत के आदेश पर ही, निर्मला सीतारमण व अन्य के खिलाफ चुनावी बांड के नाम पर अवैध वसूली के आरोपों में कर्नाटक में एफआईआर दर्ज की गयी थी. स्वाभाविक है अगले कदम के रूप में आरोपों के संबंध में जांच शुरू होनी चाहिए थी, जिसे फिलहाल हाई कोर्ट के आदेश ने कम से कम अगली सुनवाई तक के लिए रोक दिया है.

बहरहाल, इस तात्कालिक राहत से सुश्री सीतारमण और उनसे बढ़कर उनकी पार्टी के नेतृत्व के चेहरों पर मुस्कुराहट लौट आएगी, यह मानना मुश्किल है. इसकी वजहें दो हैं. पहली तो यह कि यह राहत फौरी यानी अस्थायी राहत ही है. अदालत से इस तरह की अस्थायी राहत मिलना तो आसान है, लेकिन एक अदालती आदेश के फलस्वरूप दर्ज की गयी एफआईआर को ही निरस्त करने का अदालती फैसला हासिल करना, लगभग नामुकिन है. यानी आरोपों पर जांच का वास्तव में आगे बढ़ना नहीं बढ़ना अपनी जगह, लेकिन इतना तय है कि यह प्रसंग आसानी से ठंडा पड़ने वाला नहीं है और यहीं से भाजपा की परेशानी की दूसरी वजह शुरू होती है. इसका संबंध इस तथ्य से है कि इस पूरे प्रसंग ने, सत्ता के बल पर किए गए एक बड़े घोटाले के रूप में, चुनावी बांड के मुद्दे को फिर से नया कर दिया है.

कहने की जरूरत नहीं है कि सत्ताधारी भाजपा और उसके संघ परिवार ने कितनी मेहनत कर के और कितने संसाधनों को झोंककर, चुनावी बांड के मुद्दे का धीरे-धीरे सार्वजनिक बहस से गायब ही हो जाना सुनिश्चित किया था. जाहिर है कि इसमें सत्ताधारी दल की सबसे ज्यादा मदद तो सर्वोच्च अदालत ने ही की थी, जिसने अपने ऐतिहासिक फैसले में चुनावी बांड की पूरी की पूरी व्यवस्था को असंवैधानिक तथा गैर-कानूनी करार देकर खारिज तो किया था और इसके जरिए क्विड प्रो क्वो यानी चंदा लाओ और लाभ पाओ की व्यवस्था चल रही की संभावना मानी भी थी, लेकिन इसके बावजूद उसने अपने ही फैसले से उजागर हुई आर्थिक गड़बड़ियों की आगे किसी जांच का रास्ता खोलने से इंकार कर दिया.

> केंद्रीय एजेंसियों की छापों समेत विभिन्न कार्रवाइयों और चुनावी बांड के जरिए चंदे के कई अलग-अलग पैटर्नों की भी पहचान की गयी थी. जहां कुछ मामलों में केंद्रीय एजेंसियों के छापे/ कार्रवाई के फौरन बाद, संबंधित कंपनियों द्वारा सत्ताधारी भाजपा को चंदा दिया जाना शुरू कर दिया गया था.

यह इसके बावजूद था कि स्टेट बैंक के चुनावी बांड के जरिए पैसे की यात्रा की पूरी ट्रेल जाहिर करने में असमर्थता जताने के बावजूद, चुनावी बांडों के सिलसिले में, इन बांडों की खरीद तथा राजनीतिक पार्टियों द्वारा उनके प्राप्त किए जाने की जानकारियों को उनके संदर्भ में रखकर, मीडिया में अनेक जानकार विश्लेषकों ने बड़े विस्तार से, सटीक जानकारियों व साक्ष्यों के साथ, गड़बड़ी के बेशुमार मामले उजागर किए थे. इसी क्रम में अवैध चंदा वसूली के लिए, जिसे मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने, जानी-पहचानी 'हफ्ता वसूली' का ही एक रूप बताया था, केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी, आयकर आदि के दुरुपयोग के भी कितने ही मामले सामने आए थे. केंद्रीय एजेंसियों की छापों समेत विभिन्न कार्रवाइयों और चुनावी बांड के जरिए चंदे के कई अलग-अलग पैटर्नों की भी पहचान की गयी थी. जहां कुछ मामलों में केंद्रीय एजेंसियों के छापे/ कार्रवाई के फौरन बाद, संबंधित कंपनियों द्वारा सत्ताधारी भाजपा को चंदा दिया जाना शुरू कर दिया गया था, वहीं कुछ और मामलों में पहले से चंदा दे रही कंपनियों ने छापे के बाद, उल्लेखनीय रूप से ज्यादा चंदा देना शुरू कर दिया था. और कुछ और मामलों में बार-बार छापे के जरिए कंपनियों से बार-बार पैसे की वसूली की जा रही थी. बेशक, यह सब उस सामान्य या सद्ांभावनापूर्ण वातावरण में हो रहे लेन-देन के ऊपर से था, जिसे 'चंदा दो और धंधा लो' कहा जा सकता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

सीखने की राह : पीएम इंटर्नशिप योजना

बिना किसी शोर-शराबे के, केंद्र सरकार ने एक ऐसे ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की, जो देश के बेरोजगारों और काफी हद तक बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए बजट में की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक को लागू करने के एक मंच के रूप में काम करेगा. पीएम इंटर्नशिप योजना, जो रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और पांच सालों में 4.1 करोड़ युवाओं को कौशल प्रदान करने के मकसद से डिज़ाइन किए गए एक पांच-योजना वाले पैकेज का हिस्सा है, का संचालन करने वाला यह पोर्टल नौकरी ढूंढने का प्रयास कर रहे युवाओं को कार्यस्थल पर (ऑन-द-जॉब) साल भर के प्रशिक्षण की पेशकश करने की इच्छुक कंपनियों के साथ तालमेल करेगा. सैद्धांतिक रूप में, मुख्य तौर पर केंद्र द्वारा वित्त पोषित यह योजना एक ऐसे विशाल युवा श्रमशक्ति वाले देश के लिए सार्थक है जो युवाओं में बेरोजगारी के चिंताजनक स्तर से भी जूझ रहा है. विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा और नियोक्ताओं द्वारा वांछित वास्तविक दुनिया के व्यावहारिक कौशल के बीच के अंतर को पाटने के अलावा, नामचीन कंपनियां इंटर्नशिप के अंत में कुछ प्रकार के प्रमाणन की पेशकश कर सकती हैं, जिससे नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की समीक्षा करने वाले संभावित नियोक्ताओं को सहूलियत मिलेगी. यह पहल उस महत्वपूर्ण सवाल का हल निकाल सकती है जिससे नियोक्ता अक्सर जूझते हैं: "युवाओं को नौकरी तो हासिल हो सकती है, लेकिन क्या वे अपने काम को पूरा कर भी पायेंगे?" एक प्रायोगिक परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट) के तहत, 1.25 लाख इंटर्न का पहला बैच 2 दिसंबर को स्वेच्छा से भाग लेने वाली कंपनियों के साथ काम शुरू करेगा. सरकार ने जहां इस योजना का एलान करने से पहले और बाद में उद्योग जगत से जुड़े निकायों से परामर्श किया है, वहीं वह मार्च 2029 तक एक करोड़ इंटर्नशिप बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इसे आगे बढ़ाने से पहले उचित रूप से सतर्क है. इस प्रायोगिक परियोजना से सीखे गए सबक इस योजना को अंतिम रूप से डिजाइन करने में मददगार साबित होंगे. इससे कंपनियों के साथ आवेदकों को मिलाने की प्रारंभिक प्रक्रिया से जुड़ी कुछ अंतर्दृष्टि तो स्पष्ट होंगी, लेकिन नतीजों की पूरी गुंजाइश का आकलन दिसंबर 2025 के बाद ही किया जा सकेगा, जब प्रशिक्षु नौकरी के बाजार में फिर से दाखिल होंगे. साथ ही, बीच में ही इस योजना से बाहर निकल जाने की (ड्रॉपआउट) दरों और इससे जुड़ी शिकायतों पर बारीकी से निगरानी रखने की जरूरत होगी. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मुश्किल/मुस्तकिल

आपने फिल्मी गायक अभिजीत की आवाज में यह गाना तो सुना ही होगा-बड़ी मुश्किल है, खोया मेरा दिल है, कोई उसे ढूंढ के लाओ ना. इसी प्रकार यह गायक कुंदन लाल सहगल की आवाज में अपने जमाने का सुपरहिट यह गाना भी सुना होगा-गम दिये मुस्तकिल, कितना नाजुक है दिल ये न जाना, हाय हाय रे जालिम जमाना है. यहां मेरा उद्देश्य आपको फिल्मी गाना सुनाना नहीं, बल्कि इन दोनों गीतों में प्रयुक्त मुश्किल और मुस्तकिल शब्दों पर गौर कराना है. थोड़े से अंतर के बावजूद दोनों शब्द सुनने में एक जैसे लगते हैं, लेकिन दोनों के मायने-मतलब बिल्कुल अलग-अलग हैं. दोनों शब्द अरबी मूल के हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश और रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश के अनुसार मुस्तकिल का मतलब विशेषण के रूप है दृढ़ मजबूत, स्थिर, स्थायी, दृढ़तापूर्वक स्थापित किया हुआ, पद विशेष पर स्थायी रूप से नियुक्त, पक्का. गीत मजरूह सुलतानपुरी का है, जिसका मतलब है कि फिल्म के नायक को जो गम मिला है, उसका पक्का इरादा ही है. हालांकि हिंदी में मुस्तकिल शब्द का चलन कम है, लेकिन मुश्किल का प्रयोग तो खूब होता है. हमें हर समय किसी न किसी मुश्किल का सामना करना पड़ता है और हमें मुश्किल से उबरने का उपाय भी सोचना पड़ता है. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में इस शब्द का मतलब है कठिनाई, परेशानी, मुसीबत, विपत्ति तो वहीं विशेषण के रूप में कठिन, दुश्कर, जटिल या पेचीदा होता है. अभिजीत ने जिस नायक के लिए यह गाना गाया है, उसके सामने बड़ी मुश्किल यह है कि उसका दिल ही कहीं खो गया है. वह गुहार कर रहा है कि कोई उसका दिल ढूंढ कर ला दे, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा होता है? गाने में अतिशयोक्ति अलंकार है. जब किसी बात को असंभव की सीमा तक बढ़ा-चढ़ा कर कहा जाए तो उसे अतिशयोक्ति अलंकार कहते हैं. सवाल तो यह है कि जिस व्यक्ति के शरीर से दिल निकल जायेगा तो वह गुहार लगायेगा या मरघट जाएगा?

फ़ेसबुक सर्फिंग करो गहरे पानी पैठ ....!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

फेसबुक के गहरे पानी में सर्फिंग का शानदार समय चल रहा है. कबाडियों को छोड़, हर किस्म के लोग जुड़ने लगे हैं, उनको अपने कबाड़ जोड़ने के धंधे से फुरसत नहीं. जब भी कोई गंभीर 'पोस्ट' नथ्थू की नजर से गुजरती, वह दौड़ा- दौड़ा तुरंत मेरी 'राय-मशवरा' के फील्ड में आ जाता है. मेरी सहमति –असहमति का उस पर कदाचित अविलंब प्रभाव भी पड़ता है. वह फेसबुक में वैसी प्रतिक्रिया चिपका देता है. एक दिन वह सप्ताह भर का निचोड़ लेकर आ गया. एक लोकल लेखक के प्रति खासा आक्रोश लिए था. मैंने शांत कराते हुए पूछा-क्या बात है नत्थू, वह मुझसे कहने लगा-गुरुजी ये जो लेखक हैं न, अपने आप को टॉप (तोप) समझता है, कहता है फेसबुक पर 'विचार रखना चाहिए ,कविता गोष्ठी में पढ़ने की चीज है'. उनको शिकायत रही कि सुबह-सुबह कवि लोग उनके फेसबुक में कविता ठेले रहते हैं. नत्थू ने कहा ,उतुकतावश हमने उनके साईट को खंगाला, बमुश्किल एक- दो रचनाएँ. वो भी उनके ख़ास परिचित व् स्तरीय लोगों की पाई गई.वे नाहक चिड़चिडाये रहते हैं.या फेसबुक में छाये रहने,टिप्पणी पाने की जुगाड़ में दीखते हैं. हम कहते हैं, अगर पसंद की बात पोस्ट में न दिखे तो जरूरी नहीं डिटेल में पढ़ा जावे? सुपर्फिसियाली पढ के भी टाला जा सकता है. वे लाइक वाला कमेन्ट दे मारते हैं, अगला दूने उत्साह से रचना परोस देता है. भाई तुम ठहरे कामकाजी आदमी, अपुन माफिक निठ्ठल्ले नहीं, जो अखबार माफिक पेज दर पेज, विज्ञापन दर विज्ञापन नाप दो. कवि-लेखक को उत्साहित करने का परिणाम जानना चाहिए कि नहीं? कहीं-कहीं, उत्साहित करने का जबरदस्त खामियाजा भुगतना पड़ता है. यह बात, एक बड़े लेखक को खुद इशारों में समझना चाहिए की नहीं? हां तो! गुरुजी फेसबुक में पुलिसिया थानेदारी के शौक के बारे में आप क्या कहते हैं? कौन सी चीज किस रास्ते से गुजरे ये जरूरी है कि चंद प्रबुद्ध लोग तय करें. लेखकों में ये 'गर्वोक्ति' काफी हाउस से प्रायः निकली होती हैं, टपोरी होटल में हाफ चाय पी कर लिखने वाला कभी इतना क्रुद्ध होते नहीं पाया जाता. आप इस बात से इत्तिफाक रखते हैं या नहीं? नत्थू की हामी भरवाने वाली नजर फिर उठ जाती है. अपनी बात जारी रखते हुए फिर कहता है, फेस बुक सोशल मीडिया, भाव प्रकट करने के लिए एक अच्छा मंच है. आज के विलुप्त होते जा रहे साहित्यिक गतिविधियों को, साहित्यकारों को अगर प्रोत्साहन पाने का छोटा-मोटा अवसर दिखता है, तो उस पर अपनी बपौती काबिज करना भलमनसाहत नहीं है. वे गाली गलौज लिख नहीं रहे, गलत अगर कुछ पोस्ट कर रहे हों तो आप प्रबुद्ध बन कर सुधार सकते हो तो सुधारो, वरना हिन्दुस्तान में सबको 'गोली मारो' कहने की आजादी स्वमेव मिली है. नत्थू ने भर निगाह से मेरी तरफ देखा,एक बारगी मुझे लगा कहीं ये सब मुझे तो नहीं सुना रहा, मगर एकबएक याद आ गया, अरे मैं कहां प्रबुद्ध की श्रेणी में गिना जाने लगा हूं?

नवरात्र विशेष

शुभम संदेश www.lagatar.in
रांची, गुरुवार 10 अक्टूबर, 2024

आस्था के महापर्व शारदीय नवरात्र का आज अंतिम दिन है. इस अवसर पर शक्तिपीठों की चर्चा बहुत पावन है. भारतीय आध्यात्मिक इतिहास में शक्ति पीठों का बहुत महत्व है. भगवती पुराण के अनुसार बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, पाकिस्तान और भारत में आदि शक्ति मां जगदंबा के 52 शक्तिपीठ हैं. आइए आज प्रमुख नौ शक्तिपीठों के दर्शन कर उनकी महिमा गाएं

51 शक्तिपीठों का वर्णन है पुराणों में.

72 शक्तिपीठों का वर्णन गीता में मिलता है.

108 शक्ति पीठ हैं देवी भागवत में वर्णित

52 शक्तिपीठ का जिक्र तंत्र चूड़ामणि में है.

जय जय हे महिषासुरमर्दिनी शैलसुते...

कालीघाट कोलकाता

यहां सती के दाएं पांव की 4 अंगुलियां (अंगूठा छोड़कर) गिरी थीं. यहां की शक्ति 'कालिका' व भैरव 'नकुलेश' हैं. इस पीठ में मां काली की काले पत्थर को तरास कर तैयार प्रतिमा है. यहां मां काली की जीभ काफी लंबी है जो सोने की बनी हुई है. दांत सोने के हैं. आंखें तथा सिर गेरूआ सिंदूर के रंग से बना है और माथे पर तिलक भी गेरूआ सिंदूर का है.

शंकरी देवी मंदिर श्रीलंका

कहते हैं कि यहां माता सती के शरीर का उसंधि यानी पेट और जांघ के बीच का हिस्सा गिरा था. कुछ ग्रंथों में यहां सती का कंठ और नूपुर गिरने की बातें लिखी हुई हैं. यहां की शक्ति इन्द्राक्षी तथा भैरव राक्षसेश्वर हैं. मान्यता है कि इसकी स्थापना खुद रावण ने की थी. यहां पर भगवान शिव का मंदिर भी है, जिन्हें त्रिकोणेश्वर या कोणेश्वरम कहा जाता है.

श्री महालक्ष्मी मंदिर कोल्हापुर

श्री महालक्ष्मी मंदिर का निर्माण सातवीं शताब्दी में चालुक्य वंश के राजा कर्णदेव ने करवाया था. मान्यता है कि यहां स्थापित माता लक्ष्मी की प्रतिमा लगभग 7,000 साल पुरानी है. मंदिर के अन्दर नवग्रहों सहित, भगवान सूर्य, महिषासुर मर्दिनी, विट्ठल रखमाई, शिवजी, विष्णु, तुलजा भवानी आदि अनेक देवी देवताओं के भी पूजा स्थल मौजूद हैं.

कामाख्या मंदिर गुवाहाटी

असम के गुवाहाटी के निकट के इस मंदिर का उल्लेख कालिका पुराण में है. मान्यता है कि माता सती के योनि का भाग यहां गिरा था. यहां मां दुर्गा और मां जगदंबा का कोई चित्र और मूर्ति नहीं है. भक्त मंदिर में बने एक कुंड पर फूल अर्पित कर पूजा करते हैं जिसे हमेशा ढककर रखा जाता है. इस कुंड से हमेशा का पानी का रिसाव होता है.

हिंगलाज पाकिस्तान

पाकिस्तान के कराची से करीब 250 किलो मीटर की दूरी स्थित इस मंदिर को हिंगुला माता या नानी का मंदिर भी कहते हैं. हिंगुला माता को जाटों की कुल देवी माना जाता है. नवरात्रि के अवसर पर यहां मेला लगाता है. हिंगलाज माता के भक्तों में पाकिस्तान के मुसलिम समुदाय के लोग भी शामिल हैं. वे इसे नानी का मंदिर और मां दुर्गा को बीबी नानी कहते हैं.

तारा तारिणी ब्रह्मपुर

यह 4 आदि शक्तिपीठ में शामिल है, जिसे 'स्तन पीठ' के नाम से भी जाना जाता है. शिव पुराण, देवी भागवत पुराण, कालिका पुराण, अष्टशक्ति और पीठनिर्णय तंत्र में इसकी चर्चा है. यहां माता सती के दोनों स्तन, ऋषिकुल्या नदी के किनारे स्थित कुमारी पहाड़ी पर गिरे थे. मंदिर में दो जुड़वा देवियों तारा और तारिणी की पूजा होती है.

सुगंधा सुनंदा बांग्लादेश

देवी सुगंधा को एकजटा के नाम से भी जाना जाता. मान्यता है कि सती की नाक यहां गिरी थी और उन्होंने "सुनंदा या देवी तारा या एकजटा और त्र्यंबक" का रूप धारण किया. हर साल शिव रात्रि या शिव चतुर्दशी मेले के दौरान भव्य उत्सव होता है. सुगंधा शक्ति पीठ पत्थर से निर्मित है. हर साल शिव चतुर्दशी पर भव्य आयोजन होता है.

गुह्येश्वरी काठमांडू

बागमती नदी के किनारे स्थित यह शक्तिपीठ मां सती और शिव की एकता का अद्भुत प्रतीक है. यहां पशुपतिनाथ से पूर्व मां गुह्येश्वरी के दर्शन करने की परंपरा है. इस मंदिर में मां की कोई प्रतिमा नहीं है. मंदिर के गर्भगृह में चांदी के कलश से ढंका एक छिद्र है, जिसमें से जल की धारा बहती रहती है. यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध है.

मनसा देवी उत्तराखंड

इस मंदिर में मां की 2 मूर्तियां स्थापित हैं. एक मूर्ति की पंचभुजाएं और एक मुख है और वहीं दूसरी मूर्ति की 8 भुजाएं हैं. ममता की मूर्ति मां मनसा अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं. भक्त अपनी मुराद लेकर एक पेड़ पर धागा बांधते हैं. फिर इच्छा पूर्ण हो जाने के बाद उस धागे को खोलते हैं और फिर मां का आशीर्वाद लेकर चले जाते हैं.

यह है कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के मृत शरीर को लेकर भगवान शिव पृथ्वी पर तांडव करने लगे. तब भगवान भगवान विष्णु ने शिवजी के क्रोध को शांत करने के लिए सुदर्शन चक्र से सती के मृत शरीर को टुकड़े-टुकड़े कर दिए. इस क्रम में सती के शरीर के अंग और आभूषण जहां-जहां गिरे, वे स्थान शक्तिपीठ का नाम से मशहूर हो गए.

आचार्य अजय मिश्रा

नवमी को मां सिद्धदात्री की आराधना की जाती है. मां के इस स्वरूप की पूजा अर्चना करने से सभी सिद्धियां प्राप्त होती हैं. इसलिए इनकी पूजा सभी देव, ऋषि-मुनि, असुर, किन्नर और गृहस्थ आश्रम वाले करते हैं. आइए, जानते हैं नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री का मंत्र, भोग, पूजा विधि आदि के बारे में जानें-

या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता

मां सिद्धिदात्री मां लक्ष्मी की तरह कमल पर विराजमान हैं. मां की चार भुजाएं हैं जिनमें दाहिनी तरफ के नीचे वाले हाथ में कमल पुष्प और ऊपर वाले हाथ में शंख सुशोभित है. वहीं बाएं तरफ के नीचे वाले हाथ में गदा और ऊपर वाले हाथ में चक्र सुशोभित है. मां दुर्गा इस रूप में लाल वस्त्र धारण की हैं.

ये हैं माता की 8 सिद्धियां

पौराणिक कथाओं के अनुसार, अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व ये आठ सिद्धियां हैं. सभी देवी देवताओं, गंदर्भ, ऋषि, असुरों को इनकी पूजा करने से ही सिद्धियां प्राप्त होती हैं.

माता सिद्धिदात्री का भोग

मां सिद्धिदात्री को हलवा, पूड़ी, काले चने, मौसमी फल, खीर और नारियल का भोग लगाया जाता है. माता की पूजा करते समय बैंगनी या जामुनी रंग पहनना शुभ रहता है. नवरात्रि की नवमी तिथि पर कन्या पूजन करने का विधान है.

ऐसे करें पूजा

ब्रह्ममुहूर्त में उठकर ही घर की पूरी साफ सफाई के बाद अन्य दिनों की तरह ही माता की पूजा-अर्चना करें. यह दिन अलग इस रूप में कि इस दिन हवन का खास महत्व है. आज माता की पूजा करने से बाद सभी देवी-देवताओं की भी पूजा करें. हवन करते समय सभी देवी-देवताओं को नाम की आहुति भी एकबार दे दें. हवन के समय दुर्गा सप्तशती के सभी श्लोक के साथ मां दुर्गा की आहुति भी दी जाती है. साथ ही देवी के बीज मंत्र 'ऊँ ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे नमो नमः' का 108 बार जप करते हुए आहुति दें और फिर आरती उतारें.

ये हैं पूजा मंत्र

सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि,
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।
ओम देवी सिद्धिदात्र्यै नमः।
अमल कमल संस्था तद्गः पुंजवर्णा,
कर कमल धृतेष्ट भीत युग्मामबुजा च।
मणिमुकुट विचित्र अलंकृत कल्प जाले;
भवतु भुवन माता संततम सिद्धिदात्री नमो नमः।

मां सिद्धिदात्री बीज मंत्र
ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

मां सिद्धिदात्री प्रार्थना मंत्र
सिद्ध गन्धर्व यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।

मां सिद्धिदात्री स्तुति मंत्र
या देवी सर्वभूतेषु माँ सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

141 साल पहले दुर्गा बाड़ी से शुरू हुई थी पूजा

रांची में दुर्गापूजा की शुरुआत 141 साल पहले दुर्गा बाड़ी से हुई थी. 1883 में रांची जिला स्कूल के शिक्षक गंगा चरण वेदांत के प्रयास से रांची में पहली बार श्री श्री हरिसभा नाम से दुर्गा पूजा कमिटी का गठन हुआ. आज जहां दुर्गा बाड़ी है, वहां खपरैल मकान था, वहीं प्रथम बार दुर्गा पूजा का आयोजन हुआ था. दुर्गा बाड़ी के सामने मेले का भी आयोजन होता था. मेला पांच दिनों तक चलता था. शहर की आबादी बढ़ने के बाद जगह कम पड़ने लगी और मेला बंद कर दिया गया. दुर्गा बाड़ी में 135 साल पहले जिस आस्था और परंपरा के साथ दुर्गा पूजा की शुरुआत की गयी थी वह बरकरार है. यहां आज भी परंपरागत तरीक़े से पूजा अर्चना और साज-सज्जा की जाती है. दुर्गा बाड़ी की पूजा एक और खासियत यह है कि यहां की प्रतिमाएं एक ही नाप की होती हैं. प्रतिमा का निर्माण पुरुलिया एवं कोलकाता के मूर्तिकार करते हैं. पहली प्रतिमा झालदा के जगन्नाथ लाहिड़ी ने बनायी थी.

हिमकर श्याम

यहां बलि देने की भी परम्परा थी, जिसे 1927 के बाद खत्म कर दिया गया. दुर्गा बाड़ी में दशमी को होनेवाला सिंदूर खेला काफी प्रसिद्ध है. मां की पूजा बंगाल से आए पुरोहितों द्वारा सम्पन्न करायी जाती है. प्रतिमा का विसर्जन भी अलग तरीके से किया जाता है. मां की प्रतिमा को कंधे पर रखकर तालाब किनारे ले जाया जाता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

नेशनल गेम्स में देश भर के एथलीट भाग लेंगे, जिसमें 38 खेलों में प्रतियोगिताएं होंगी

आईओए ने उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों की संभावित तारीखों की घोषणा की

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने घोषणा की है कि राष्ट्रीय खेलों का 38वां संस्करण 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया जाएगा (यह आईओए की आम सभा की मंजूरी पर निर्भर है , जो 25 अक्टूबर को निर्धारित है). इन खेलों में देश भर के एथलीट भाग लेंगे, जिसमें 38 खेलों में प्रतियोगिताएं होंगी (आईओए की आम सभा की मंजूरी के अधीन), जिसमें 10,000 से अधिक एथलीट, अधिकारी और कोच के भाग लेने की उम्मीद है. एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईओए और उत्तराखंड सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में काम कर रहे हैं कि 38वें राष्ट्रीय खेल एथलीटों, अधिकारियों और दर्शकों के लिए एक असाधारण अनुभव होंगे. आईओए प्रमुख पीटी उषा ने कहा, हम उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों को लाने के लिए रोमांचित हैं, एक ऐसा राज्य जिसने इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी के लिए उल्लेखनीय उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई है. राष्ट्रीय खेल पूरे देश के एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और अंतरराष्ट्रीय खेल सफलता की ओर अपनी यात्रा जारी रखने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं. मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उत्तराखंड सरकार राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है और मैं एक ठोस प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हूं.

उत्तराखंड का सुरम्य राज्य, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है, पहली बार बहु-विषयक आयोजन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी राज्य को सौंपने के लिए आईओए के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, हम विश्व स्तरीय खेल अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं. राष्ट्रीय खेल न केवल खेलों का उत्सव होगा बल्कि उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति और आतिथ्य का प्रदर्शन भी होगा. राज्य सरकार ने आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं शुरू की हैं. इसमें कहा गया है कि आयोजन स्थलों का निर्माण किया जा रहा है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत किया जा रहा है तथा प्रतिभागियों और आगंतुकों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं.

इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने जो रूट

एजेंसी। मुल्तान

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट बुधवार को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. जो रूट ने दिन की शुरुआत पाकिस्तान की पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 32 रन से की, उन्हें इंग्लैंड के दिग्गज कुक (12472 रन) को पीछे छोड़कर सर्वकालिक टेस्ट सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए सिर्फ 39 रन की जरूरत थी. चंद गेंदों में उन्होंने यह आंकड़ा पार कर लिया और एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया. उनके नाम अब 12,473 रन हो गए हैं. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने यह उपलब्धि सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में हासिल की, जबकि कुक ने यह उपलब्धि 161 टेस्ट और 291 पारियों में हासिल की थी. टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में रूट से आगे केवल सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही हैं.

जेएससीए का ऐलान : रणजी ट्रॉफी के लिए झारखंड की टीम घोषित

ईशान किशन को मिली कप्तानी

खेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ, (जेएससीए) ने 2024-25 के लिए रणजी टीम की घोषणा कर दी है. टीम की कमान ईशान किशन को सौंपी गई है. इससे पहले बुची बाबू टूर्नामेंट में भी ईशान की कप्तानी में टीम खेली थी. बता दें कि रणजी ट्रॉफी के 2024-25 सत्र में झारखंड एलिट ग्रुप डी में असम, रेलवे, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, सौराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु के साथ है. प्रतियोगिता की शुरुआत 11 अक्टूबर से हो रही है और झारखंड का पहला मुकाबला असम के साथ है.

सपोर्ट स्टाफः एसएस राव हेड कोच, रतन कुमार कोच, दीपक कुमार कोच, जॉन लिसानियास डेनियल फिजियो, मानव मुकुंद एस एंड सी कोच आनंद के, उत्तम कुमार मोहंती साइड आर्मर, कुणाल कुमार सिंह वीडियो एनालिस्ट, राज कुमार शर्मा, संतोष कुमार सिंह मैनेजर.

झारखंड टीम

ईशान किशन (कप्तान), विराट सिंह (उपकप्तान), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), नाज़िम सिद्दीकी, आर्यमन सेन, शरणदीप सिंह, कुमार सूरज, अनुकूल रॉय, उत्कर्ष सिंह, सुप्रियो चक्रवर्ती, सौरभ शेखर, विकास कुमार, विवेकानन्द तिवारी, मनीषी, रवि कुमार यादव, रौनक कुमार

11 अक्टूबर से 2 मार्च तक होंगे रणजी के मैच

नयी दिल्ली। रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर 2024 से होने वाली है, जो 2 मार्च 2025 तक चलेगी, जब फाइनल खेला जाएगा. पांच ग्रुप चरण के खेल 13 नवंबर तक खेले जाएंगे और 23 जनवरी को सफेद गेंद टूर्नामेंट के बाद ये खेल फिर से शुरू होंगे. एलीट ग्रुप नॉकआउट 8 फरवरी से शुरू होंगे, जबकि प्लेट ग्रुप के लिए एक अलग नॉकआउट टूर्नामेंट होगा और फाइनलिस्ट अगले सीज़न के एलीट ग्रुप में अपना स्थान बुक करेंगे. सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी रणजी सीजन के राउंड-ब्रेक के बीच 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी. टी20 टूर्नामेंट के बाद 21 दिसंबर से 18 जनवरी 2025 तक विजय हजारे ट्रॉफी खेली जाएगी.

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के ग्रुप क्या हैं? : गत विजेता मुंबई और उपविजेता विदर्भ क्रमशः एलीट ए और बी में हैं, जबकि सेमीफाइनलिस्ट मध्य प्रदेश और तमिलनाडु क्रमशः एलीट सी और डी में होंगे.पिछले सीजन में प्लेट ग्रुप में शीर्ष पर रहने के बाद हैदराबाद मेघालय के साथ एलीट में वापसी करेगा, जबकि गोवा और मणिपुर को प्लेट ग्रुप में वापस भेज दिया गया है. झारखंड को एलीट ग्रुप डी में रखा गया है.

टीमों को समूहों में कैसे विभाजित किया जाता है? : टीमों को पिछले सत्र में उनके प्रदर्शन के आधार पर बनाई गई रैंकिंग (1 से 38) के अनुसार उनके समूहों में विभाजित किया गया है.

रणजी ट्रॉफी 2024-25 सत्र का प्रारूप क्या है?

टूर्नामेंट में 38 टीमों को 5 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है. 8-8 टीमों के चार ग्रुप एलीट ए से एलीट डी ग्रुप में होंगे जबकि बाकी 6 टीमें प्लेट ग्रुप में खेलेंगी. प्रत्येक टीम अपने ग्रुप में शेष टीमों का सामना करेगी और प्रत्येक ग्रुप के लिए अलग से एक तालिका बनाई जाएगी. प्लेट ग्रुप के नॉकआउट से फाइनलिस्ट को 2025-26 सीजन के लिए एलीट ग्रुप में पदोन्नति मिलेगी, जबकि एलीट ग्रुप की संयुक्त तालिका में अंतिम स्थान पर रहने वाली दो टीमों को अगले सीजन में प्लेट ग्रुप में भेज दिया जाएगा. सभी एलीट समूहों से दो टीमें नॉकआउट अर्थात क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और उन्हें बाद के चरणों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा.

वे वरीयता की तरह कार्य करते हैं, उदाहरणः मुंबई और विदर्भ, जो पिछले सीजन के फाइनलिस्ट थे, वे स्वयं को अलग-अलग ग्रुप (ए और बी) में पाते हैं, ठीक उसी तरह जैसे अन्य दो सेमीफाइनलिस्ट सी और डी में हैं, इसलिए वे केवल नॉकआउट में एक-दूसरे का सामना करेंगे.

रणजी ट्रॉफी के यूपी की टीम में भुवनेश्वर कुमार का नाम नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश ने अपनी स्क्वॉड का ऐलान किया. यूपी की 22 सदस्यीय स्क्वॉड में दिग्गज तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को जगह नहीं मिली. रणजी ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश की स्क्वॉड से नजरअंदाज होने के बाद टीम इंडिया में भुवनेश्वर कुमार की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है. रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश अपने अभियान का आगाज 11 अक्टूबर को बंगाल के खिलाफ करेगा. पिछले दिनों तकरीबन 6 साल बाद भुवनेश्वर कुमार फर्स्ट क्लास में लौटे, लेकिन अब रणजी ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिली, तो क्या तेज गेंदबाज का करियर खत्म हो गया है? पिछले लंबे वक्त से भारतीय टीम के लिए भुवनेश्वर कुमार टेस्ट फॉर्मेट नहीं खेले हैं. वहीं, अब रणजी ट्रॉफी के लिए घरेलू टीम से बाहर कर दिया गया है. इससे पहले भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए यश दयाल को शामिल किया गया था. इसके बाद लगातार कयास लग रहे हैं कि भुवनेश्वर कुमार के लिए टीम इंडिया में वापसी संभव तकरीबन नामुमकिन है. भुवनेश्वर कुमार के नाम 72 फर्स्ट क्लास मैचों में 231 विकेट दर्ज है. साथ ही वह फर्स्ट क्लास मैचों में 13 बार 5 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं. इसके अलावा बल्लेबाज के तौर पर 2475 रन दर्ज है. जिसमें 1 शतक के अलावा 14 बार पचास रनों का आंकड़ा पार किया है. भारत के लिए आखिरी बार टेस्ट भुवनेश्वर कुमार तकरीबन 6 साल पहले खेले थे. इसके बाद से वह टेस्ट टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं. हालांकि, इससे पहले 2013 से 2018 तक वह लगातार 5 सालों तक भारतीय टीम के लिए खेलते रहे. वहीं, भारत के लिए भुवनेश्वर कुमार आखिरी बार 2022 में खेले थे. अब ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार की वापसी आसान नहीं है, लेकिन आईपीएल समेत अन्य लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट्स में नजर आ सकते हैं.

टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया

अर्शदीप टी20 रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे

एजेंसी। दुबई

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में तीन विकेट लेने के बाद आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं. ग्वालियर में भारत ने बांग्लादेश पर 49 रनों से जीत हासिल की, जिसमें अर्शदीप और वरुण चक्रवर्ती ने कुल छह विकेट लिए जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने बल्ले से मुख्य भूमिका निभाई. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने आठ पायदान की बढ़त बनाते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में आठवां स्थान हासिल किया. यह उनके करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग है, जबकि इंग्लैंड के अनुभवी स्पिनर आदिल राशिद जून में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और पिछले महीने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के साथ इंग्लैंड की श्रृंखला के पूरा होने के बाद भी नंबर 1 रैंकिंग पर बने हुए हैं. दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की 16 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से खेली गई पारी ने उन्हें टी20 ऑलराउंडरों की नई रैंकिंग में चार पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया और वह इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन (पहले) और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी (दूसरे) के करीब पहुंच गए. वह बल्लेबाजों की नई टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सात पायदान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं. अबू धाबी में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के बीच तीन मैचों की श्रृंखला के समापन के बाद वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं.

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोटियाज ने श्रृंखला 2-1 से जीती, लेकिन इस सप्ताह रैंकिंग अपडेट में सबसे अधिक लाभ आयरिश खिलाड़ियों की तिकड़ी को हुआ, जिन्होंने श्रृंखला के अंतिम मैच में 69 रन की जीत के बाद यह उपलब्धि हासिल की. कर्टिस कैंपर ने उस मुकाबले में 34 रन की ठोस पारी खेलने के बाद बल्लेबाजों की नई वनडे रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर 62वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि क्रेग यंग (12 स्थान की छलांग लगाकर 44वें स्थान पर) और क्रेग यंग (23 स्थान की छलांग लगाकर 47वें स्थान पर) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन विकेट चटकाने के बाद वनडे गेंदबाजों की सूची में जगह बनाई.

14 वर्षीय खिलाड़ी ने वांग को चौंकाया लेकिन चीन पुरुष सेफा में

एजेंसी। अस्ताना

चीन ने मंगलवार को यहां एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दुनिया के नंबर 1 वांग चुकिन की शुरुआती मैच में चौंकाने वाली हार से उबरते हुए ईरान को 3-1 से हराकर पुरुष टीम सेमीफाइनल में प्रवेश किया. वांग को 14 वर्षीय बेन्यामिन फराजी से 11-8, 3-11, 9-11, 13-11, 11-9 से हार का सामना करना पड़ा, जो विश्व रैंकिंग में उनसे 209 स्थान नीचे हैं. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हाल के टूर्नामेंटों में अपने अनुकूल फॉर्म की लहर पर सवार होकर, 19 वर्षीय लिन शिदोंग ने चीन को बराबरी दिलाने में मदद की, वह भी पांच रोमांचक गेमों के माध्यम से, अंततः 13-11, 11-13, 18-16, 5-11, 11-6 से नोशाद अलामियान पर जीत हासिल की. लियांग जिंगकुन ने मोहम्मद मौसवी ताहेर को सीधे गेम में हराया, वांग ने अलामियान पर 3-1 की जीत के साथ सेमीफाइनल में गत चैंपियन का स्थान सुरक्षित किया. चीन गुरुवार को अंतिम-चार चरण के मुकाबले में दक्षिण कोरिया के साथ फाइनल में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेगा, जिसने जापान को 3-1 से हराया. 27वीं एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप कजाकिस्तान के अस्ताना में सोमवार से रविवार तक चलेगी, जिसमें कुल सात स्पर्धाएं होंगी, जिनमें पुरुष और महिला टीमें, एकल और युगल स्पर्धाएं और मिश्रित युगल स्पर्धाएं शामिल हैं. कतर के दोहा में 2025 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप के लिए एशियाई क्वालीफायर के रूप में, यह विश्व के लिए कुछ योग्यता कोटा भी तैयार करेगा.

टोक्यो ओलंपिक व पेरिस ओलंपिक '24 में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं ऑलमैन

वैलेरी ऑलमैन बनीं दिल्ली हाफ मैराथन के इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर

एजेंसी। नयी दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक और पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिकी डिस्कस थ्रोअर वैलेरी ऑलमैन को 20 अक्टूबर को होने वाली दिल्ली हाफ मैराथन के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर नामित किया गया है. पेरिस में 69.50 मीटर की शानदार थ्रो के साथ ऑलमैन ने एक नया अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया, जिससे दुनिया भर में शीर्ष डिस्कस थ्रोअर में से एक के रूप में उनकी स्थिति और मजबूत हुई. उनकी ओलंपिक यात्रा टोक्यो 2020 खेलों में स्वर्ण पदक के साथ शुरू हुई, जिसे उन्होंने 68.98 मीटर के शक्तिशाली पहले थ्रो के साथ हासिल किया.

आयोजकों द्वारा जारी एक बयान में ऑलमैन ने कहा, किसी दौड़ प्रतियोगिता का सबसे सुंदर पहलू यह है कि यह हमें एक समुदाय के रूप में एक साथ लाती है और व्यापक हित के लिए इसे अपना बनाती है. स्टार्ट लाइन केवल एक दौड़ नहीं है. यह सौहार्द, दृढ़ संकल्प, लचीलापन और सीमाओं को लांघने और नए व्यक्तिगत मुकाम हासिल करने की हमारी क्षमता का प्रदर्शन है. मुझे खुशी है कि मैं वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन के लिए भारत आई हूं और ऐसी चीज का हिस्सा बनी हूं जो भारत के जीवंत रंगों को सामने लाती है. मुझे यह पसंद है. अपनी ओलंपिक जीत के अलावा, ऑलमैन दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भी हैं, जिन्होंने 2023 में रजत और 2022 में कांस्य पदक जीता है. अप्रैल 2022 में ला जोला में ट्राइटन इनविटेशनल में दर्ज 71.46 मीटर का उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो इतिहास में 15वां सबसे लंबा और लगभग तीन दशकों में सबसे लंबा थ्रो है. 260,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, दिल्ली हाफ मैराथन, 20 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होगी. गत चैंपियन अभिषेक पाल और कविता यादव भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे.

चैंपियनशिप — ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कौन करेगा पुजारा की कमी पूरी?

एजेंसी। नयी दिल्ली

फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, इन दिनों टीम इंडिया का परचम लहरा रहा है. वनडे विश्व कप उप-विजेता और टी20 चैंपियन भारत अब टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रेष्ठता साबित करने का लक्ष्य बना चुका है. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने का इरादा बना चुकी रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया को इससे पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना होगा. पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, जिसकी अहम कड़ी चेतेश्वर पुजारा थे, जो इस बार टीम इंडिया के साथ नहीं होंगे. ऐसे में विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल नहीं, बल्कि एक अन्य युवा खिलाड़ी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आ सकता है. शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ खत्म करेगी. रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी. ऑस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी. भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा. भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा.

हालांकि, चेतेश्वर पुजारा की गैर हाजिरी में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता. टीम से बाहर चल रहे इस बल्लेबाज ने भारत की दोनों सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी. 2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे. 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे. भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी. चार टेस्ट में, दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 521 रन बनाए थे. वह उस सीरीज में 350 से ज्यादा रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज थे. 2020-21 की उस सीरीज में पुजारा ने फिर से शानदार बल्लेबाजी की. वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे. चार टेस्ट में उन्होंने तीन अर्धशतकों की मदद से 271 रन बनाए. फिलहाल, पुजारा टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें जल्द ही टीम में चुने जाने की संभावना नहीं है, ऐसे में टीम इंडिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौती आसान नहीं होगी. मगर, भारतीय टीम को काफी करीब से जानने वाले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज क्रिकेटर शेन वॉटसन का मानना है कि पुजारा की कमी टीम इंडिया के लिए ज्यादा परेशानी का सबब नहीं होगी, क्योंकि उनके पास एक युवा ऑप्शन है, जिसकी शैली बेशक अलग है, लेकिन हौसला पुजारा जैसा ही है. वॉटसन ने मंगलवार को मुंबई में अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग के शुभारंभ के अवसर पर ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत की बल्लेबाजी में बहुत बदलाव आएगा.

चोट के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए विलियमसन

एजेंसी। ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है. कीवी टीम के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन चोट के कारण तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती मुकाबले से बाहर हो गए हैं. श्रीलंका दौरे पर विलियमसन की जांघ में चोट लगी थी जो अब तक पूरी तरह ठीक नहीं हो पाई है. न्यूजीलैंड की टीम में विलियमसन की जगह मार्क चैपमैन को शामिल किया गया है. भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में होगी. टीम की कमान टॉम लैथम के कंधों पर होगी. श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से मिली हार के बाद टिम साउदी ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में बताया, केन विलियमसन कमर में खिंचाव के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए रवाना होने में समय लगेगा, उनकी जगह मार्क चैपमैन को टीम में शामिल किया गया है. न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स को भरोसा है कि विलियमसन भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा जरूर होंगे.

ब्रीफ खबरें

बिहपुर स्वास्थ्य केंद्र में लगी आग, हड़कंप

भागलपुर । बिहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को आग लगने की घटना में लाखों रूपये का दवाई, यंत्र और अन्य कागजात जलकर राख हो गए. राजद नेता गौतम कुमार प्रीतम ने बताया कि फोन पर सूचना मिली की बिहपुर प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आग लग गई है. सूचना प्राप्त होते ही हमलोग बिहपुर सीएचसी पहुंचे. अस्पताल धुआं और राख से भरा हुआ था. उधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल और अन्य अस्पताल कर्मी ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू करने में सफल हो गए.

शराब और बाइक के साथ एक गिरफ्तार

बेतिया । नौतन पुलिस ने बुधवार को थाना इलाके के पुरन्दरपुर चकला गांव से एक धंधेबाज को बाइक व साढ़े छह लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है. पकड़ा गया धंधेबाज बेतिया मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के नूरा खाप निवासी धनु कुमार बताया गया है. पुलिस ने बताया कि आरोपित बाइक से शराब की खेप लेकर दियरा क्षेत्र से होकर बैरिया थाना क्षेत्र से नौतन के पुरन्दरपुर गांव की तरफ से बेतिया जाने के फिराक में था. सुचना पर उसे बाइक व डिक्की में रखे पैंतीस पीस एट पीएम शराब जब्त किया गया. पूछताछ के बाद कांड अंकित कर धंधेबाज को बुधवार को ही न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

शिक्षक के विवादास्पद बयान पर हंगामा

बेगूसराय । जिले के बछवारा प्रखंड स्थित कद्राबाद हरिपुर मवि में शिक्षक जियाउद्दीन ने हनुमान जी और भगवान राम को लेकर विवादित बयान दे दिया. इसे लेकर इलाके में भारी हंगामा मच गया है. दरअसल, शिक्षक ने सातवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाते हुए कहा कि हनुमान जी मुसलमान थे और भगवान राम ने उन्हें नमाज पढ़ने की शिक्षा दी थी. इस विवादास्पद बयान के बाद छात्रों ने यह बात अपने अभिभावकों को बताई, जिससे पूरे इलाके में नाराजगी देखी जा रही है. घटना कद्राबाद हरिपुर मवि की है. अभिभावक इस बयान से आक्रोशित हो गए और विद्यालय में जाकर हंगामा किया.

देश का एकमात्र शक्तिपीठ जहां मिट्टी की नौ पिंडियों की होती है पूजा

सारण । बुधवार को नवरात्रि का सातवां दिन है और इस दिन देवी दुर्गा के सातवें स्वरुप माता कालरात्रि की पूजा की जाती है. माता कालरात्रि को शुभंकरी, महायोगीश्वरी और महायोगिनी भी कहा जाता है. सारण जिले में दिघवारा प्रखंड अंतर्गत आमी गांव में गंगा नदी तट पर स्थित मां अंबिका भवानी मंदिर में नवरात्रि के दौरान पूजा का खास महत्व है. अतिप्राचीन पौराणिक कथाओं और सारण गजेटीयर के पृष्ठ संख्या- 464 के अनुसार, अंबिका भवानी मंदिर राजा दक्ष प्रजापति के यज्ञ- स्थल पर स्थित है. यहां माता सति के शरीर की भस्मयुक्त अस्थि गिरी थी. यह स्थल शक्ति पीठ अंबिका स्थान आमी के रूप में पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया. इसलिए इसे शक्ति पीठ कहा गया. नौ दिनों का यहां विशेष मेला का आयोजन किया जाता है. शारदीय और चैत्र नवरात्र पर यहां विशेष पूजन का प्रावधान है. इसकी वजह से नौ दिनों का यहां विशेष मेला का आयोजन किया जाता है. हालांकि, अष्टमी के दिन विशेष रूप से निशा पूजा होती है, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना रहता है.

2025 में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने दिया बड़ा गिफ्ट

पंचायती राज विभाग में 15,610 पदों पर होगी भर्ती

संवाददाता । पटना

2025 में बिहार विधानसभा का चुनाव है और उससे पहले नीतीश सरकार ने बड़ा गिफ्ट दे दिया है. बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग में 15,610 पदों पर जल्द भर्ती होगी. पंचायती राज विभाग की ओर से बुधवार को यह जानकारी मंत्री केदार गुप्ता ने दी. नियुक्ति से लेकर बहाली तक की प्रक्रिया 2025 के विधानसभा चुनाव से पहले पूरी हो जाएगी. पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि नवंबर से आवेदन की तारीख रखी गई है. जल्द आवेदन की तारीख की घोषणा कर दी जाएगी. जेनरल के लिए 500 जबकि आरक्षित लोगों के लिए ढाई सौ रुपये आवेदन शुल्क है. अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करेंगे. 15,610 पदों में 4351 पद स्थायी नियुक्ति होगी जबकि 11,259 पदों पर संविदा के आधार पर बहाली होगी.

स्थायी नियुक्ति में सबसे अधिक पंचायत सचिव का पद : स्थायी नियुक्ति में सबसे अधिक पंचायत सचिव के लिए 3525 पद है. इसके अलावा लिपिक के लिए 504, चपरासी के लिए पांच, लेखा परीक्षक के लिए 28, जिला परिषद जूनियर इंजीनियर के लिए 104, पंचायती राज अधिकारी के लिए 112, निम्न श्रेणी लिपिक के लिए एक और जिला परिषद निम्न श्रेणी लिपिक के लिए 72 पद रहेंगे. इन सबकी बहाली कर्मचारी चयन आयोग और बिहार लोक सेवा आयोग दोनों से होगी. इसकी प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है.

संविदा के आधार पर इन पदों के लिए होगी भर्ती : अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि सबसे अधिक संविदा पर 11259 पदों के लिए बहाली होगी. इसमें सबसे ज्यादा लेखाकार सह आईटी सहायक के लिए 7070 पद है. इसके अलावा ग्राम कचहरी विधिक मित्र के लिए 2230 पद, ग्राम कचहरी सचिव के लिए 1400, तकनीकी सहायक के लिए 556, सहायक डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए तीन पदों पर बहाली होगी. वेतनमान 19,900 से लेकर 56,400 तक होगा. राज्य में अब तक कुल 2243 पंचायत सरकार भवन बनकर तैयार हो गया. जल्द इसका शुभारंभ होने वाला है. इसको चलाने के लिए पदों का भरा जाना जरूरी है. इसको लेकर बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और जल्द ही इसको अंतिम रूप भी दिया जाएगा.

दोस्त को लेने गए युवक का मिला शव, हड़कंप

नालंदा । नालंदा में बुधवार की सुबह नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान मानपुर थानाक्षेत्र के नौबतपुर लोटन गांव निवासी शैलेश उर्फ मोछू कुमार (18) के रूप में हुई है. युवक का शव तेलिया खंधा और भट्ट बीघा के बीच सड़क के किनारे मिला, जिससे स्थानीय लोगों में खलबली मच गई. मृतक के परिजनों ने बताया कि शैलेश मंगलवार की शाम अपने दोस्त को सूरत से लाने के लिए मिल्की पर गया था. लेकिन वह रात तक घर नहीं लौटा. बुधवार की सुबह परिवार को जानकारी मिली कि उसका शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है. परिजनों का कहना है कि यह हादसा है या कुछ और, इसका पता अभी नहीं चल पाया है.

बौद्ध भिक्षुओं की बस को हाइवा ने मारी टक्कर, आठ घायल

नेपाल से पटना होते हुए गया जा रही थी बस, जहानाबाद में हो गयी दुर्घटनाग्रस्त

संवाददाता । पटना

नेपाल से पटना होते हुए गया जा रही बौद्ध भिक्षुओं की गाड़ी बुधवार सुबह जहानाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई. हाइवा की टक्कर से टूरिस्ट बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई. इस हादसे में आठ पर्यटक घायल हुए हैं. यह घटना कड़ौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के समीप की है. हादसे के बाद सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस हादसे में तीन बौद्ध भिक्षुओं को गहरी चोट लगी थी, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया है. इस मामले में कड़ौना के पुलिस अधिकारी नंद कुमार ने बताया कि हाइवा ने टूरिस्ट बस में टक्कर मारी है.

इससे यह हादसा हुआ है. इस घटना में आठ यात्री घायल हैं जबकि बस में सवार अन्य यात्री सुरक्षित हैं. घटना के संबंध में टूरिस्ट गाइड शिव शंकर ने कहा कि बस में 23 बौद्ध भिक्षु नेपाल से वीजा रिन्यू कराने के बाद बोधगया लौट रहे थे.

गाइड ने कहा कि जहानाबाद के सलेमपुर गांव के समीप एनएच-83 पर एक अनियंत्रित हाइवा ने टक्कर मार दी. इस घटना में आठ लोग घायल हुए हैं जबकि अन्य लोग सुरक्षित हैं. उसने कहा कि बस में वियतनाम, म्यांमार और अमेरिका के रहने वाले टूरिस्ट हैं, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है. सदर अस्पताल के चिकित्सक बीके शाही ने बताया कि सड़क हादसे में आठ टूरिस्ट यात्री घायल हुए हैं. इनमें तीन की हालत गंभीर हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया है.

मेला देख लौट रहे तीन युवकों पर चाकू से हमला

एक की मौत, दो युवक घायल, भर्ती

संवाददाता । मुजफ्फरपुर

जिले के कटरा थानाक्षेत्र में मेला देखकर लौट रहे तीन युवकों पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया. इस हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. मृतक की पहचान देवगन कटरा थानाक्षेत्र निवासी नीतीश कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायल युवकों का नाम धीरज और कुणाल है. गंभीर घायल दोनों युवकों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जहां एक की हालत नाजुक बनी हुई है. घायल युवक कुणाल कुमार ने बताया कि वे तीनों मेला देखकर देर रात घर लौट रहे थे. तभी रास्ते में मंदिर के पास तीन-चार लड़के पहले से घात लगाकर खड़े थे. अचानक उन लड़कों ने उन्हें रोका और चाकुओं से हमला शुरू कर दिया. हमले में नीतीश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बीच-बचाव करने के प्रयास में धीरज और कुणाल भी गंभीर रूप से घायल हो गए. कुणाल का कहना है कि हमलावर अपराधी प्रवृत्ति के थे और पहले से हत्या की योजना बना रहे थे.

पुलिस जांच में जुटी, आरोपी फरार : कटरा थाना के एसएचओ प्रभारी कुमार अभिषेक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि चाकू के हमले से एक युवक की मौत हो गई है और दो अन्य घायल हैं. पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम (एफएसएल) की मदद ली जा रही है. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह हमला आपसी विवाद के कारण हुआ था. मृतक और आरोपी एक ही गांव के रहने वाले हैं और लगभग एक ही उम्र के हैं.

बाजार गई नाबालिग का किया अपहरण

दरभंगा । दरभंगा के कमतौल थाना क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची के अपहरण का मामला सामने आया है, जिसमें पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. बच्ची की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 26 सितंबर को उनकी बेटी बाजार के लिए घर से निकली थी और तब से वापस नहीं लौटी. इसके बाद खोजबीन करने पर पता चला कि गांव के सूरज यादव, शिवलाल यादव सहित अन्य लोग उसकी बेटी को जबरन एक चार पहिया वाहन में बैठाकर ले गए हैं. बच्ची की मां ने कमतौल थाना में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि जब वह सूरज यादव के घर अपनी बेटी के बारे में पूछने गई, तो सूरज के परिवार ने न केवल उन्हें जवाब देने से इनकार किया, बल्कि उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी.

बेगूसराय में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

दोनों पक्ष से 10 लोग घायल, केस दर्ज

संवाददाता । बेगूसराय

जिले के भगवानपुर थानाक्षेत्र के मखवा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष हो गया. इसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. विवाद पांच कट्ठा जमीन को लेकर था, जिसे लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी, डंडे, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला किया. घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

जानकारी के मुताबिक, घटना का मुख्य कारण पांच कट्ठा जमीन को लेकर चला आ रहा पुराना विवाद बताया जा रहा है. पीड़ित पक्ष के बिंदेश्वरी महतो ने बताया कि वे अपने मवेशियों के लिए घास काटने गए थे, तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया. बिंदेश्वरी महतो का दावा है कि आरोपी पक्ष उन पर अपनी आठ कट्ठे की जमीन में से पांच कट्ठा जमीन लिख देने का दबाव बना रहे थे, लेकिन उनके मना करने पर इस हमले को अंजाम दिया गया.

इस खूनी संघर्ष में बिंदेश्वरी महतो के परिवार के पांच सदस्य बिंदेश्वरी महतो, उनकी पत्नी सुषमा देवी, बेटा कौशल महतो, बहू कंचन देवी और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए. दूसरी ओर, धीरज कुमार, नीरज कुमार, रवि किशन, उत्कर्ष कुमार, हरिनारायण सिंह और सुनीता देवी भी इस संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हुए हैं. सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. पीड़ित बिंदेश्वरी महतो का कहना है कि आरोपियों ने उनकी जमीन पर कब्जा करने के लिए पहले से साजिश रची थी.

कारोबार

अंतरराष्ट्रीय बाजार की तेजी से चांदी चमका

नयी दिल्ली । मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव की आशंकाओं की वजह से दुनिया भर के निवेशकों ने बुलियन मार्केट में निवेश बढ़ा दिया है, जिसके कारण सोना ऑल टाइम हाई के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है. सोने के साथ ही चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल दर्ज की गई है. ये चमकीली धातु 97 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक भी पहुंच चुकी है. माना जा रहा है की दिवाली तक इसकी कीमत एक लाख प्रति किलो के स्तर को पार कर सकती है.

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नयी दिल्ली । इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है.

हुंडई का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

मुंबई । दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है. कंपनी का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा. हुंडई ने इसका मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1865-1960 रुपये प्रति शेयर तय किया है. कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि एचएमआईएल का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा जो 17 अक्टूबर को बंद होगा. कंपनी के मुताबिक एंकर निवेशक 14 अक्टूबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे. कंपनी की योजना इसके जरिए का 27,870 करोड़ रुपये जुटाने की है.

वित्तीय अनुशासन को लेकर आरबीआई गंभीर

दिसंबर में हो सकता है ब्याज दरों में कटौती का फैसला

- सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करेगा आरबीआई का फैसला

संवाददाता । नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उम्मीद के अनुरूप लगातार 10वीं बार नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है. माना जा रहा है कि आरबीआई ब्याज दरों में बदलाव या कमी करने के पहले सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों की भी समीक्षा करेगा. इन दोनों महीनों में भी अगर महंगाई के आंकड़ें अनुकूल रहे, तो दिसंबर के महीने में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया जा सकता है. अमेरिका के केंद्रीय बैंक अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) ने पिछले महीने ही ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी. यूएस फेड ने इस साल ब्याज दरों में और 50 बेसिस पॉइंट्स तक की कटौती करने का भी संकेत दिया है. अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने के बाद दुनिया के कई देशों में ब्याज दरों में कटौती की गई या राहत पैकेज का ऐलान किया गया. चीन ने हाल में ही राहत पैकेज का ऐलान किया है. इसी तरह न्यूजीलैंड में कल ही ब्याज दरों में 0.50% की कटौती करके उनको 5.25% से 4.75 प्रतिशत के स्तर पर लाया गया है. न्यूजीलैंड में अगस्त के महीने में भी ब्याज दरों में 0.25% की कटौती की गई थी.

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के बाद भारत में भी ब्याज दरों में कटौती होने की चर्चा शुरू हुई थी, लेकिन मिडिल ईस्ट के बढ़ते तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उथल-पुथल की वजह से शुरुआती चर्चा के दौरान ही ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना को खारिज कर दिया गया. मौद्रिक नीति समिति की बैठक में भी 5-1 के बहुमत से इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव कर नहीं करने का फैसला लिया गया. इसके पहले अगस्त के महीने में भी आरबीआई ने अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में ये स्पष्ट कर दिया था कि ब्याज दरों में कमी का उसका कोई भी फैसला घरेलू अर्थव्यवस्था की स्थिति पर निर्भर करेगा. मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार आरबीआई ने पिछले कई महीनों से लगातार खुदरा महंगाई दर को काबू करने पर अपना फोकस केंद्रित रखा है.

बुधवार को मुंबई में ईएलएलई इंडिया ब्यूटी अवार्ड्स 2024 के रेड कार्पेट पर सारा तेंदुलकर.

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में लगाया अनुमान

जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का जताया भरोसा

एजेंसी । मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है. आरबीआई गवर्नर ने 7 अक्टूबर से शुरू तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी. शक्तिकांत दास ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 6.7 फीसदी हुई है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग में सुधार, कच्चे माल की कम लागत और सरकारी नीतियों से विनिर्माण क्षेत्र में आ रही तेजी की वजह से चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है. आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति ने ब्याज दर को यथावत रखने के पक्ष में 5:1 के बहुमत से फैसला लिया गया है. उन्होंने कहा कि एमपीसी के सदस्यों ने उम्मीद जताई है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की दर से बढ़ेगी.

75 हजार के नीचे आया सोने का भाव

एजेंसी । मुंबई

सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को बड़ी गिरावट देखी गयी है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 892 रुपए गिरकर 74,834 रुपए पर आ गया. इससे पहले इसके दाम 75,726 रुपए प्रति दस ग्राम थे. वहीं, चांदी की कीमत में बुधवार को बड़ी गिरावट है. ये 2,122 रुपए गिरकर 88,290 रुपए प्रति किलो हो गई. सोमवार को चांदी 90,412 रुपए पर थी. इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है.

सेंसेक्स 167 अंक की गिरावट के साथ 81,467 पर हुआ बंद

बीएसई स्मॉल कैप में 670 अंक की तेजी रही

मुंबई । सेंसेक्स बुधवार को 167 अंक की गिरावट के साथ 81,467 के स्तर पर बंद हुआ. निफ्टी में भी 31 अंक की गिरावट रही, ये 24,981 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, बीएसई स्मॉल कैप 670 अंक चढ़कर 56,110 के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट रही. निफ्टी के 50 शेयरों में से 31 में गिरावट और 19 में तेजी रही. एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस को छोड़कर सभी सेक्टर में तेजी रही. गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग के आईपीओ के लिए बोली लगाने का आज दूसरा दिन गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ के लिए बोली लगाने का आज दूसरा दिन है. पहले दिन यह आईपीओ टोटल 1.96 गुना सब्सक्राइब हुआ. रिटेल कैटेगरी में यह इश्यू 3.52 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) में 0.02 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) कैटगरी में 1.11 गुना सब्सक्राइब हुआ. इससे पहले कल यानी 8 अक्टूबर को सेंसेक्स 584 अंक की तेजी के साथ 81,634 के स्तर पर बंद हुआ था.

भारत का चाय निर्यात 23.79 फीसदी बढ़ गया

नयी दिल्ली । इस वर्ष जनवरी से जुलाई के बीच देश में चाय के निर्यात में बढ़ोतरी हुई है. इस बारे में जानकारी देते हुए चाय बोर्ड ने कहा कि जनवरी-जुलाई के बीच चाय का निर्यात 144.50 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान अवधि से 23.79 प्रतिशत अधिक है. देश ने वर्ष 2023 में इसी अवधि में 116.73 मिलियन किलोग्राम निर्यात किया था. चाय के निर्यात में बीते वर्ष की समान अवधि से इस वर्ष 27.77 मिलियन किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है. हालांकि, 2024 के पहले सात महीनों के दौरान एकल इकाई मूल्य 256.37 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया है. बीते वर्ष इसी अवधि में यह 264.96 रुपये प्रति किलोग्राम था. इस बीच, चाय बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने चाय उद्योग के विकास और संवर्धन के लिए 664.09 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दे दी है.

खुशखबरी — मीडियाटेक ने किया डाइमेंशन 9400 चिप का अनावरण

यूजर्स को जल्द मिलेंगे लेटेस्ट एआई के अनुभव

एजेंसी । नयी दिल्ली

चिप निर्माता मीडियाटेक ने बुधवार को अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन चिपसेट, डाइमेंसिटी 9400 लॉन्च किया है, जो एआई एप्लिकेशंस, बेहतरीन गेमिंग अनुभव, शानदार फोटोग्राफी और अन्य उपयोगों के लिए बनाया गया है.

कंपनी के अनुसार, डाइमेंसिटी 9400 से लैस पहले स्मार्टफोन इस साल की चौथी तिमाही में बाजार में आ जाएंगे. डाइमेंसिटी 9400, मीडियाटेक के फ्लैगशिप मोबाइल चिप्स की चौथी और सबसे नई पीढ़ी है, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए डिजाइन की गई है. इसमें एआरएम के वी9.2 सीपीयू आर्किटेक्चर और एडवांस्ड जीपीयू और एनपीयू का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह सुपर पावर-एफिशिएंट तरीके से उच्च प्रदर्शन प्रदान करता है. मीडियाटेक के अध्यक्ष जो चेन ने बताया कि यह नया चिप मीडियाटेक की एआई में बढ़ती क्षमताओं को और आगे ले जाने का काम करेगा. यह शक्तिशाली एप्लिकेशंस को सपोर्ट करेगा, जो यूजर्स की जरूरतों को पहले से पहचानेंगे और उनकी पसंद के हिसाब से ढलेंगे. इसके अलावा, इसमें ऑन-डिवाइस एलओआरए ट्रेनिंग और वीडियो जेनरेशन जैसे जनरेटिव एआई फीचर्स भी शामिल हैं.

डाइमेंसिटी 9400, मीडियाटेक के पिछले फ्लैगशिप चिपसेट डाइमेंसिटी 9300 की तुलना में 35% तेज सिंगल-कोर परफॉर्मेंस और 28% तेज मल्टी-कोर परफॉर्मेंस देता है. कंपनी के अनुसार, यह चिप टीएसएमसी की दूसरी पीढ़ी की 3एनएम तकनीक पर बना है और यह अपने पिछले वर्शन से 40% ज्यादा पावर-एफिशिएंट है, जिससे यूजर्स की बैटरी लाइफ और बढ़ जाएगी. चेन ने कहा, डाइमेंसिटी 9400 हमारा चौथी पीढ़ी का फ्लैगशिप चिपसेट है, जो हमारे लगातार बढ़ते मार्केट शेयर और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए डिज़ाइन की गई चिप की परंपरा को आगे बढ़ाता है. यह डाइमेंसिटी 9300 की तुलना में 35% ज्यादा पावर-एफिशिएंट है. यह यूजर्स को नए जनरेटिव एआई एप्लिकेशंस का बेहतर अनुभव देगा. कंपनी ने कहा कि वह डेवलपर्स के साथ मिलकर काम कर रही है, जिससे एआई एजेंट्स, थर्ड-पार्टी एपीके और मॉडल्स के बीच एक इंटरफेस बनाया जा सके, ताकि एआई एजेंट्स और क्लाउड सेवाओं का उपयोग एक साथ हो सके.

पेज एक का शेष

भाजपा की गोगो दीदी के जवाब में...

भाजपा की शिकायत करते हुए मांगी गई अनुमति : पार्टी ने इलेक्शन कमीशन को एक पत्र सौंप कर कहा कि इसके तहत महिलाओं को हर साल 30 हजार रुपए दिए जाएंगे. यह नई योजना है जिसे झामुमो लांच करना चाहती है.कहा गया कि भाजपा द्वारा एक पंजीकरण फॉर्म प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें आवेदकों को गोगो दीदी योजना के तहत पंजीकरण के लिए आमंत्रित किया जा रहा है. इस फॉर्म में नाम, पता, मोबाइल नंबर, पंचायत, ब्लॉक, जिले का नाम आदि जैसे विवरण मांगे जा रहे हैं. इस योजना में हर महीने की 11 तारीख को प्रत्येक महिला को 2100 रुपए और प्रति वर्ष 25000 रुपए देने का वादा किया गया है. यह एक चुनावी हथकंडा है, और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 के तहत परिभाषित भ्रष्ट आचरण की श्रेणी में आता है. यह 1951 के प्रावधानों के तहत रिश्वत का प्रलोभन है.इसके बाद पत्र में कहा गया है कि यदि भाजपा द्वारा जारी फॉर्म गोगो दीदी योजना आपके दिशा-निर्देश के विरुद्ध नहीं है, तो हमें भी झामुमो. सम्मान योजना लागू करने की अनुमति दी जाए.

खरगे-राहुल से दिल्ली में मिले...

खरगे ने कहा कि प्रदेश के नेता इस पर गहन चर्चा करेंगे. इसके बाद सीट तय होगी. क्योंकि इंडिया एलायंस के दो अन्य सहयोगी दल राजद और माले को भी खुश और संतुष्ट करना है. उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इंडिया गठबंधन का सीट शेयरिंग की तस्वीर साफ हो जाएगी.

गोगो दीदी को काउंटर करने पर भी हुई बात: बैठक में भाजपा द्वारा झारखंड में गोगो दीदी योजना लाये जाने पर भी चर्चा की गई. इसमें इसका काउंटर करने के उपायों पर भी चर्चा की गई.

न्यूज अपडेट

द.कोरिया से जुड़े मार्ग किए जाएंगे बंद

सोल। उत्तर कोरिया की सेना ने कहा है कि वह बुधवार से दक्षिण कोरिया से जुड़ी सभी सड़कें और रेलमार्ग बंद कर देगा. यह ऐलान ऐसे समय में आया है जब पहले से सोल और प्योंगयांग के बीच तनाव बना हुआ है. उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि सबसे पहले 9 अक्टूबर को एक प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा, जिसके तहत दक्षिण कोरिया से जुड़ी सड़कों और रेलमार्गों को पूरी तरह से काट दिया जाएगा और अपनी तरफ के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शक्तिशाली डिफेंस स्ट्रक्चर से मजबूत बनाया जाएगा.

अर्धसैनिक बलों के हमले में 20 की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान के एक गांव में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए. गैर-सरकारी सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क के मुताबिक हमला उत्तरी कोर्डोफन राज्य के एक गांव पर हुआ. नेटवर्क ने मंगलवार को कहा कि पीड़ितों में बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल हैं. आरएसएफ ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की. इससे पहले पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशेर में विस्थापितों के शिविर पर आरएसएफ ने बड़ा हमला किया.

श्रीलंका के रूस संग व्यापार होंगे सुगम

कोलंबो। श्रीलंकाई कैबिनेट ने रूस के साथ कानूनी रूप से मान्य व्यापार गतिविधियों को पारदर्शी और पूर्वानुमानित सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के माध्यम से सुगम बनाने के लिए एक समझौते को मंजूरी दी, सरकार के सूचना विभाग ने यह जानकारी दी. हालांकि 15 नवंबर 2021 को श्रीलंका और रूस के बीच कानूनी रूप से मान्य व्यापार गतिविधियों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कैबिनेट की मंजूरी दी गई थी.

नाव हादसे में 11 को बचाया, 21 लापता

अबुजा। नाइजीरिया के दक्षिण-पश्चिमी राज्य लागोस में दो नावों के टकराने से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें 11 घायल व्यक्तियों को बचाया गया है और 21 अन्य अभी भी लापता हैं. मंगलवार को लागोस में पुलिस प्रवक्ता बेंजामिन हुंडेयिन ने बताया कि 16 यात्रियों और चालक दल को ले जा रही दो नौकाएं सोमवार रात को अमुवो-ओडोफिन स्थानीय सरकारी क्षेत्र के इमोर शहर में टकराने के बाद लैगून के बीच में पलट गईं. हुंडेयिन के अनुसार, पीड़ितों में ज्यादातर व्यापारी थे. 11 घायल यात्रियों को बचाया गया.

बार अध्यक्ष ने एमएलए को जड़ा थप्पड़

लखीमपुर खीरी। अर्बन कोऑपरेटिव बैंक प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर शुरू हुआ विवाद अब मारपीट में तब्दील हो चुका है. इस मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है. इसमें बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ तक मार दिया. इसके बाद दोनों गुटों के समर्थक आपस में भिड़ गए. पुलिस ने बीच बचाव की कोशिश की. इस बीच बीजेपी की लखीमपुर इकाई के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह और योगेश वर्मा की चिट्ठी वायरल हुई. दावा किया जा रहा है कि चिट्ठी में चुनाव स्थगित करने की मांग की गई है.

उप्र कैबिनेट मंत्री की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य मंत्री संजय निषाद की गाड़ी का बुधवार को प्रतापगढ़-रायबरेली बॉर्डर पर एक्सीडेंट हो गया. मंत्री की गाड़ी उनके काफिले के साथ चल रही एक एस्कॉर्ट गाड़ी से टकर गई. हादसे में मंत्री को हल्की चोटें आईं. यह घटना सलवन इलाके में हुई, जहां मंत्री को एक मीटिंग के लिए प्रतापगढ़ जाना था. घटना के बाद, संजय निषाद को तुरंत प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज लाया गया. अस्पताल में उनके इलाज की प्रक्रिया जारी है. चिकित्सकों का कहना है कि मंत्री खतरे से बाहर हैं.

मलयालम अभिनेता माधवन नहीं रहे

तिरुवनंतपुरम। वरिष्ठ मलयालम फिल्म अभिनेता टी. पी. माधवन का बुधवार को कोल्लम के एक अस्पताल में निधन हो गया, यह जानकारी फिल्म जगत के सूत्रों से मिली. माधवन को डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) था और वह सर्जरी के बाद अस्पताल में ठीक हो रहे थे, लेकिन उनकी हालत बिगड़ने पर उन्होंने आखिरी सांस ली. 88 वर्षीय माधवन ने 40 साल की उम्र में पत्रकारिता छोड़कर फिल्म उद्योग में कदम रखा था. उनकी पहली फिल्म 1975 की प्रसिद्ध मलयालम फिल्म 'रागम' थी.

हम बनते हैं, तो देश बनता है : भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को नागपुर में 'स्वतंत्रता का स्वराभिषेक' कार्यक्रम में शिरकत की. इस दौरान उन्होंने कहा कि हमको अच्छा बनना है और अपने देश को भी अच्छा बनाना है. हम सबको जागना है और देश को भी जगाना है. स्वयं जागकर अब हमको अपने देश को जगाना है. यह हमारे सामने चुनौतियां हैं और उसी के लिए सभी को शिक्षा हासिल करनी है और देश को आगे लेकर जाना है. जीवन में जीत हार लगी रहती है, परंतु जीत हार का महत्व नहीं रहता है. जीवन को कैसे जिया जाए और किसलिए जिया जाए,

जेएंडके में भाजपा सरकार बनने का दावा

डोडा। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस के गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद किश्तवाड़ विधानसभा सीट से जीतने वाली भाजपा प्रत्याशी शगुन परिहार ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र शासित प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी. एनसी-कांग्रेस गठबंधन के खाते में 49 सीटें आई हैं जबकि भाजपा 29 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. इसमें एक सीट ऐसी भी है जिसे भाजपा ने महज 521 वोटों से जीता है.

जम्मू-कश्मीर में अगले सप्ताह मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह, राष्ट्रपति, पीएम, जेपी नड्डा, अमित शाह व राजनाथ से मिले हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

जेएंडके में विधानसभा की बैठक आज, लीडर ऑफ हाउस चुने जाएंगे

एजेंसी। जम्मू/श्रीनगर/नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव परिणाम में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है. गठबंधन ने 49 सीटों पर कब्जा किया है. वहीं, भाजपा की झोली में 29, पीडीपी के खाते में 3 और अन्य को 9 सीटें मिलीं हैं. चुनाव परिणाम आने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस में खुशी की लहर है.

केंद्र शासित प्रदेश में अगले मुख्यमंत्री के शपथ कार्यक्रम को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता शेख बशीर ने बुधवार को कहा कि विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी ने तय किया था कि अपने-अपने क्षेत्रों में बुधवार को जीत का जश्न मनाएंगे. उन्होंने बताया कि गुरुवार को विधानसभा की बैठक होनी है. बैठक में लीडर ऑफ हाउस चुना जाएगा. इसके बाद ही आगे की प्रक्रिया की जाएगी. लीडर ऑफ हाउस चुने जाने के बाद मंत्रियों की सूची राज्यपाल सौंप दी जाएगी. मुख्यमंत्री के शपथ कार्यक्रम के बाद जब सरकार बन जाएगी, तब चुनावी घोषणापत्र को धरातल पर लागू किया जाएगा. उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह तक मुख्यमंत्री का शपथ कार्यक्रम होगा. माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला होंगे. बता दें कि मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि इस जनादेश में हमें बहुत सावधानी बरतनी होगी. जम्मू के लोगों को यह नहीं लगना चाहिए कि इस सरकार में उनकी कोई आवाज़ नहीं है. मैं मानता हूं कि अगर राज्य का दर्जा हमें वापस मिलता है, तो सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि लेजिस्लेटिव काउंसिल दोबारा कायम हो. इसी बीच, हरियाणा विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की.

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने बुधवार को श्रीनगर में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की.

अनुच्छेद 370 हमारे लिए हमेशा मुद्दा रहेगा : उमर

इसी बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि हम चुनाव जीत गए हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि अब अनुच्छेद 370 हमारे लिए कोई मुद्दा नहीं है. यह हमारे लिए कल भी मुद्दा था, आज भी मुद्दा है और आगे भी रहेगा, लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि जिन लोगों ने हमसे यह छीना है, हम उनसे इसे वापस पाने की उम्मीद नहीं रख सकते हैं. उन्होंने उम्मीद जताई है कि यह लोकतंत्र है. लोकतंत्र में सरकार आती जाती रहती है, तो हमें पूरी उम्मीद है कि एक दिन जब इनकी सरकार जाएगी और दूसरी सरकार आएगी, तो हम उनके साथ बैठकर इस विषय पर चर्चा करेंगे और इस अनुच्छेद को बहाल करेंगे, लेकिन फिलहाल मौजूदा हुकूमत से इसे लेकर किसी भी प्रकार उम्मीद लगाए बैठना उचित नहीं है.

हरियाणा के परिणाम अप्रत्याशित: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के लोगों का तहे दिल से शुक्रिया. प्रदेश में इंडिया अलायंस (नेकां- कांग्रेस) की जीत संविधान की जीत है,

लोकतांत्रिक स्वाभिमान की जीत है. हम हरियाणा के अप्रत्याशित नतीजे का विश्लेषण कर रहे हैं. अनेक विधानसभा क्षेत्रों से आ रही शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएंगे. सभी हरियाणा वासियों को उनके समर्थन और हमारे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए दिल से धन्यवाद. हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव परिणामों क लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की.

मध्य पूर्व संकट : इजराइली कार्रवाइयों के खिलाफ अब एकजुट अरब जगत

हमास-इजराइल संघर्ष में अब इराकी समूह भी कूदा

इजराइल में चाकू से हमला, 6 लोग घायल हमलावर गिरफ्तार

लगातार न्यूज नेटवर्क

मध्य पूर्व संकट लगातार गहराता जा रहा है. हमास-इजराइल संघर्ष में अब इराकी इस्लामिक रेजिस्टेंस नामक शिया मिलिशिया ग्रुप भी कूद गया है. उसने यहूदी राष्ट्र में एक साइट पर ड्रोन अटैक की जिम्मेदारी ली है. वहीं लेबनान और गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों के खिलाफ अरब जगत अब एकजुट होता नजर आ रहा है. इस बीच, इजराइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई अंडरग्राउंड कमांड सेंटर पर हवाई हमले किए जिसमें 50 से अधिक आतंकवादी मारे गए. वहीं दमिश्क के घनी आबादी वाले इलाके में मंगलवार रात को इजराइली एयर स्ट्राइक में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया. हमले में महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए. इस बीच बुधवार को इजराइल में चाकू से हमले में 6 लोग घायल हो गए.

इराकी ग्रुप ने मंगलवार को कहा कि इजराइल पर हमला 'फिलिस्तीन और लेबनान के लोगों के समर्थन में किया गया. बयान में कहा गया कि 'दुश्मन के गढ़ों' को निशाना बनान जारी रहेगा. हालांकि टारगेटेड लोकेशन के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई और न ही किसी के हताहत की सूचना दी गई. इससे पहले दिन में, ग्रुप ने इजराइल में पांच जगहों पर ड्रोन और 'अल-अरकब अपग्रेडेड क्रूज मिसाइलों' से पांच हमले करने की जिम्मेदारी ली थी. पिछले साल अक्टूबर में गाजा पट्टी में इजराइली हमले शुरू होने के बाद से, इस ग्रुप ने गाजा में फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन जताने के लिए इजराइल और अमेरिकी ठिकानों पर कई हमले किए. ग्रुप ने हाल ही में इजराइल पर अपने हमलों को बढ़ा दिया क्योंकि यहूदी राष्ट्र ने लेबनान में हिजबुल्लाह पर अपने हमलों को तेज कर दिया है. इस बीच बुधवार को उत्तरी इजराइल में चाकू से किए गए हमले में छह लोग घायल हो गए. संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है

हिजबुल्लाह के दर्जनों कमांड सेंटर तबाह, एयर स्ट्राइक में 50 से ज्यादा आतंकवादियों की मौत

इस बीच, हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइली मिलिट्री ऑपरेशन लगातार जारी है. इजराइली सेना ने मंगलवार को दावा किया कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई अंडरग्राउंड कमांड सेंटर पर हवाई हमले किए जिसमें 50 से अधिक आतंकवादी मारे गए. इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि एयर स्ट्राइक में हिजबुल्लाह के दक्षिणी फ्रंट के दर्जनों भूमिगत कमांड सेंटर को तबाह कर दिया गया. इन सेंटर्स में इजराइल के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने वाले कमांडर तैनात थे. आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह के दक्षिणी फ्रंट ने साउथ लेबनान में अंडरग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और कमांड सेंटर्स का एक 'व्यापक' नेटवर्क बनाया है. इस नेटवर्क का इस्तेमाल जमीनी लड़ाई के दौरान आईडीएफ सैनिकों पर अटैक करने और इजराइल में लोगों पर हमले करने के लिए किया जाता है. प्रवक्ता ने कहा कि हवाई हमलों में वह पूरा इलाका शामिल था, जहां हिजबुल्लाह का दक्षिणी फ्रंट, राडवान बलों के साथ मिलकर काम करता है. कुल मिलाकर, आईडीएफ ने पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिणी लेबनान में 125 से अधिक जगहों पर हमला किया. इजराइल के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने मंगलवार को सीमा पार 170 से अधिक रॉकेट दागे.

दमिश्क में आवासीय इमारत पर इजराइली हवाई हमले में सात नागरिकों की हुई मौत, 11 घायल

वहीं दमिश्क के घनी आबादी वाले इलाके में मंगलवार रात को इजराइली एयर स्ट्राइक में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया गया. हमले में महिलाओं और बच्चों सहित सात नागरिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए. सीरियाई रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई. बयान में कहा गया कि स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:15 बजे हुए इस हमले में इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स की दिशा से तीन मिसाइलें दागी गईं. इसमें यह भी कहा गया है कि हमले से आसपास के इलाके को काफी नुकसान पहुंचा. समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हवाई हमला शेख साद इलाके में एक 14 मंजिला इमारत पर हुआ, जो घनी आबादी वाले माजेह के मध्य में एक रेजिडेंशियल और कमर्शियल हब है. इमारत की तीन मंजिलों पर मिसाइलें आकर गिरीं. ये तीनों फ्लोर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए. यह शेख साद क्षेत्र में सीधे इजराइली हमले का पहला मामला है. सीरियाई विदेश मंत्रालय ने कड़ी निंदा करते हुए हमले को 'क्रूर अपराध' और अंतर्राष्ट्रीय कानून का 'गंभीर उल्लंघन' बताया.

मिस्र, जॉर्डन और कतर ने की गाजा-लेबनान में इजराइली हमलों की निंदा

इस बीच, मिस्र और जॉर्डन ने गाजा और लेबनान में 'इजराइली हमलों' पर तत्काल रोक लगाने और संघर्ष के राजनीतिक समाधान की अपील की. वहीं कतर ने हिजबुल्लाह-इजराइल संघर्ष के बीच लेबनान के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और इजराइली हमलों की निंदा की. मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और जॉर्डन के उप प्रधानमंत्री तथा विदेश एवं प्रवासी मंत्री अयमान सफादी ने मंगलवार को काहिरा में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह टिप्पणी की. दोनों मंत्रियों ने बढ़ते क्षेत्रीय, राजनीतिक और सुरक्षा संकटों के समाधान पर चर्चा की. मिस्र और जॉर्डन के अन्य देशों के साथ संपर्कों की समीक्षा की, ताकि क्षेत्र को व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में फंसने से रोका जा सके. अब्देलती ने कहा कि चर्चाओं में गाजा में युद्ध विराम तक पहुंचने, गाजा पट्टी और वेस्ट बैंक पर ''क्रूर इजराइली हमले'' को रोकने के लिए अरब कोशिशों को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया गया. जॉर्डन के विदेश मंत्री ने कहा कि जॉर्डन गाजा और लेबनान पर इजराइली 'आक्रामकता' को समाप्त करने के लिए मिस्र के साथ काम करना जारी रखेगा. सफादी ने वेस्ट बैंक में 'उबलते हालात के प्रति चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वहां स्थिति विस्फोटक हो जाती है, तो यह और भी खतरनाक रूप ले लेगी. उन्होंने कहा कि देरी के लिए कोई जगह नहीं है और इजराइल को कानून से ऊपर नहीं होना चाहिए. इस बीच कतर की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री लोलवा अल-खतर ने बढ़ते हिजबुल्लाह-इजराइल संघर्ष के बीच लेबनान के लिए कतर के समर्थन को व्यक्त किया. उन्होंने इजराइली हमलों की निंदा करने में अरबों के बीच एकता का आश्वासन दिया. अल-खतर ने प्रधानमंत्री नजीब मिकाती से मुलाकात की. खतर ने कहा कि कतर 1.2 मिलियन से अधिक विस्थापित लेबनानी मानवीय संकट को नियंत्रित करने के लिए मध्यम और दीर्घकालिक योजनाओं पर काम कर रहा है.

अभ्यास को भारत में जुटीं अमेरिकी ऑस्ट्रेलियाई और जापानी नौसेनाएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय नौसैनिक जहाज 'सतपुड़ा' पर बुधवार को बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'मालाबार 2024' का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया. भारतीय नौसेना के मुताबिक यह अभ्यास हार्बर और समुद्र दोनों स्तर पर दो अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जा रहा है. इसमें लाइव हथियार फायरिंग, जटिल सतह, हवा-रोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध सैनिक अभ्यास के साथ-साथ संयुक्त युद्धाभ्यास देखा जाएगा. यह अभ्यास विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में हो रहा है. इस महत्वपूर्ण नौसैनिक समुद्री अभ्यास में भारत के साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की नौसेनाएं शामिल हैं. नौसेना ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि हाई-टेम्पो कार्यक्रम में लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान,

जेट विमान, अभिन्न हेलीकॉप्टर और पनडुब्बी संपत्तियों के साथ-साथ विध्वंसक, फ्रिगेट, कार्वेट और बेड़े समर्थित जहाजों की भागीदारी देखी जाएगी. यह अभ्यास, साझा उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण तालमेल स्थापित करने में विशेष रूप से मददगार होगा. यह अभ्यास, संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और संचालन करने की क्षमता को और बढ़ाने के लिए समान विचारधारा वाले देशों को एक साथ लाता है.

अमेरिका के फ्लोरिडा में सदी का सबसे बड़ा तूफान, लाखों लोगों को निकलने को कहा

न्यूयॉर्क। । अमेरिका के फ्लोरिडा में मिल्टन तूफान को लेकर चेतावनी जारी की गई है. मिल्टन बुधवार की रात को टैम्पा बे में दस्तक दे सकता है. यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार मिल्टन तूफान टैम्पा बे के दक्षिण पश्चिम से करीब 485 किलोमीटर दूर है. इसको देखते हुए अधिकारियों ने लोगों को निकलने की चेतावनी दी है. यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर ने मिल्टन तूफान को कैटेगरी-5 में रखा है. हरिकेन सेंटर ने बताया कि मिल्टन की गति 270 किलोमीटर प्रति घंटे है. वहीं टैम्पापुलिस ने कहा कि ये सदी का सबसे बड़ा तूफान है. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि क्षेत्र खाली करने का समय आ गया है. मिल्टन तूफान से प्रभावित होने वाले लोग अधिकारिक निर्देश का पालन करें.

बड़ी दुर्घटना टली, ग्वालियर में ट्रेन पलटने की साजिश हुई नाकाम, जांच में जुटी पुलिस

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में ट्रेन पलटने की साजिश रचने का मामला सामने आया है. यहां कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लोहे की एक रॉड को रेलवे ट्रैक पर रख कर ट्रेन को डिरेल की कोशिश की गई. लेकिन, ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी के ड्राइवर की सतर्कता से हादसा टल गया. सूचना मिलने पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची ट्रैक से रॉड को हटा कर ट्रैक क्लियर किया. अगर समय रहते इस रॉड को नहीं हटाया जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था. फिलहाल जीआरपी पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. दरअसल, ग्वालियर जीआरपी पुलिस को मालगाड़ी के ड्राइवर ने सूचना दी थी कि बिरला नगर रेलवे स्टेशन पर एक लोहे की रॉड पड़ी हुई है.

जापान में आम चुनाव को मंच तैयार पीएम ने निचले सदन को किया भंग

एजेंसी। टोक्यो

जापान में आम चुनाव के लिए मंच तैयार हो गया है. प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने संसद के निचले सदन को भंग कर दिया है. पीएम का लक्ष्य अपनी पार्टी के लिए बहुमत हासिल करना है. हालांकि उनके सामने चुनौतियां भी कम नहीं है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव 27 अक्टूबर को होंगे जिसके लिए प्रचार अभियान 15 अक्टूबर से शुरू हो जाएगा.

इशिबा ने 27 सितंबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था. 1 अक्टूबर को वह एलडीपी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा नियंत्रित संसद में प्रधानमंत्री चुने गए. 2023 के अंत में एलडीपी के राजनीतिक फंड घोटाले के सामने आने के बाद यह पहला आम चुनाव होगा.

पिछले सप्ताह संसद में अपनी पहली पॉलिसी स्पीच में इशिबा ने कहा था कि कई घोटालों के बाद राजनीति में जनता का भरोसा बहाल करने के लिए काम करना होगा. जनता के आक्रोश को देखते हुए एलडीपी ने बुधवार को राजनीतिक निधि घोटाले में फंसे 12 सांसदों को आगामी चुनाव में आधिकारिक उम्मीदवार के रूप में समर्थन नहीं देने का निर्णय लिया.

इंडिया अलायंस में बिखराव : उद्धव का तंज और केजरीवाल की नसीहत, आम आदमी पार्टी ने कहा- वह दिल्ली में विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ेगी

कांग्रेस को जीती पारी हारना आता है, साथी ही कसने लगे तंज, उप्र में अखिलेश का झटका

लगातार न्यूज नेटवर्क

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया ब्लॉक के सहयोगी अब खुल कर कांग्रेस के विरोध में आ गए हैं. सहयोगी दल तंज कसने लगे हैं कि कांग्रेस को जीती पारी हारना आता है. इंडिया ब्लॉक के दलों ने कांग्रेस को आत्ममंथन तक की सलाह दे डाली है. तो वहीं कांग्रेस को अगले ही दिन दो बड़े झटके भी लगे. पहले तो आम आदमी पार्टी ने साफ कर दिया कि वो दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव में अपने दम पर चुनाव लड़ेगी और किसी से गठबंधन नहीं करेंगे. वहीं, सपा ने भी यूपी उपचुनाव को लेकर उन सीटों पर भी अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया जिसपर कांग्रेस दावा कर रही थी. आप की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा,हम दिल्ली चुनाव अकेले लड़ेंगे. एक तरफ ओवर कॉन्फिडेंट कांग्रेस है, तो दूसरी तरफ अहंकारी भाजपा है. हमने पिछले 10 सालों में दिल्ली में जो किया है, उसके आधार पर हम चुनाव लड़ेंगे.

उधर, हरियाणा के नतीजे आने के अगले ही दिन समाजवादी पार्टी ने भी उपचुनाव को लेकर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है. समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की. इस लिस्ट में 6 उम्मीदवारों के नाम हैं. लिस्ट के मुताबिक, अखिलेश यादव की करहल सीट से तेज प्रताप यादव को टिकट मिला है. तेज प्रताप अखिलेश के चचेरे भाई हैं. वहीं, अयोध्या के मिल्कीपुर से अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है. अजीत सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे हैं. इसके अलावा कानपुर की सीसामऊ से नसीम सोलंकी को सपा ने उम्मीदवार बनाया है. जबकि, प्रयागराज के फूलपुर से मुस्तफा सिद्दीकी को टिकट दिया गया है. मिर्जापुर के मझंवा से डॉ. ज्योति बिंद को और अम्बेडकर नगर की कटेहरी से शोभावती वर्मा को टिकट मिला है. सपा ने छह में से चार सीटों पर पिछड़े और दलित उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि दो मुस्लिम चेहरे हैं. ये घोषणा इसलिए कांग्रेस को झटका है क्योंकि कांग्रेस और सपा में सीट समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी.

शिवसेना का कांग्रेस पर निशाना

शिवसेना ने सामना में लिखा कि हरियाणा की हार से महाराष्ट्र कांग्रेस को भी सीख लेने की जरूरत है. शिवसेना ने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा में आप या अन्य दलों से गठबंधन नहीं किया, जिसके चलते उसे हार का सामना करना पड़ा. जबकि जम्मू-कश्मीर में गठबंधन का फायदा दिखा. शिवसेना ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस को पता है कि जीत को हार में कैसे बदलना है. हरियाणा की हार कांग्रेस के ओवर कॉन्फिडेंस और राज्य नेतृत्व के अहंकार का नतीजा है.

सीपीआई के सवाल

सीपीआई नेता डी राजा ने कहा, इंडिया गठबंधन ने एकसाथ चुनाव नहीं लड़ा, जिसका बीजेपी को फायदा हुआ. इंडिया दलों को सोचने की जरूरत है कि ऐसा क्यों हुआ. अगर साथ रहते तो बीजेपी की सरकार नहीं बनती. कांग्रेस को गंभीरता से विचार की जरूरत है.

टीएमसी ने भी कांग्रेस को कोसा

टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रवैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़ रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए. गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है.

हरियाणा में भाजपा हुई 50 पार

नयी दिल्ली। हरियाणा विस चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर लट्ठ गाड़ दी है. हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही भाजपा को इस बार 48 सीटों पर जीत मिली, जबकि कांग्रेस को 37 सीटों से ही संतोष करना पड़ा. अब नतीजों के बाद तीनों निर्दलीय विधायक- देवेंद्र कादयान, राजेश जून और सावित्री जिंदल ने भाजपा को समर्थन देने का ऐलान किया है. इस तरह हरियाणा में भाजपा की ताकत 51 की हो गई है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)